MOU Holder and Distributors
RN
METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । सोमवार, 15 जून, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-163

अयोध्या श्रीराम मंदिर में चढ़ावे की चोरी

टिन्नू चंपत

अयोध्या, 14 जून (एजेंसियां) । अयोध्या के श्रीराम मंदिर में चढ़ावे की चोरी के बाद देशभर में टिन्नू यादव सुर्खियों में है। कहने को टिन्नू ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के खास सहयोगी है, लेकिन श्रीराम मंदिर ट्रस्ट में वह बहुत पावरफुल बताया जाता है। चाहे सिक्योरिटी का मैनेजमेंट हो या चढ़ावे को बैंक में डिपॉजिट कराना हो, टिन्नू ही सब कुछ मैनेज करता आया है। भले ही राम मंदिर ट्रस्ट ने अभी तक इस मामले में कोई एफआईआर नहीं की है, लेकिन सरकार ने जांच के लिए सीट बना दी है।

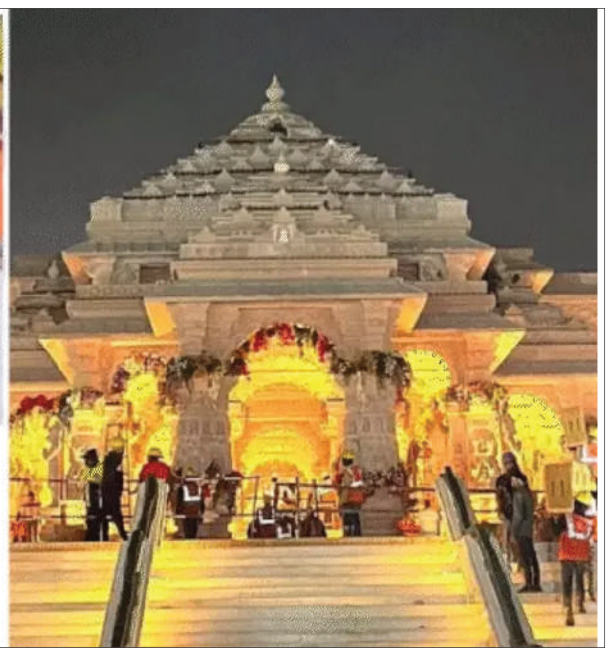

विहिप से जुड़े एक पदाधिकारी बताते हैं ` टिन्नू का पूरा नाम राम शंकर यादव है। उसके पिता अयोध्या के नया घाट पर चाय बेचा करते थे। टिन्नू की कहानी साल 1994-95 में शुरू हुई। तब वो अयोध्या की सड़कों पर टेंपो चलाता था। अचानक श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति यज्ञ समिति के मंत्री महेश नारायण के संपर्क में आया। उन्होंने अपनी कार चलाने के लिए टिन्नू को ड्राइवर रख लिया। अब वो महेश नारायण के साथ कारसेवकपुरम आने-जाने लगा।

टिन्नू कारसेवकपुरम में लोगों से अच्छा व्यवहार रख रहा था। मेहनती था। साल 1991 में चंपत राय को क्षेत्रीय संगठन मंत्री बनाकर अयोध्या भेजा गया। 1996 में विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय मंत्री बनाए गए। साल 2002 में संयुक्त महामंत्री और फिर अंतरराष्ट्रीय महामंत्री बनाए गए। 1998 में टिन्नू यादव चंपत राय के संपर्क में आया। 31 मई, 2002 में महेश नारायण का निधन हो गया, तब चंपत राय की मदद से टिन्नू कारसेवकपुरम में अलग-अलग गाड़ियां चलाने लगा। जीप से लेकर मालवाहक वाहन तक। यहीं से वह चंपत राय के विश्वस्त लोगों में शामिल हो गया।

मंदिर निर्माण के दौरान ट्रस्ट से जुड़ा, फिर ताकत बढ़ती गई

2019 में श्रीराम मंदिर पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद जब मंदिर निर्माण शुरू हुआ, तब टिन्नू ट्रस्ट की ओर से कामकाज संभालने लगा। ट्रस्ट ने उसे आंतरिक वेतनभोगी कार्यकर्ता के रूप में रखा था। सूत्रों के अनुसार, उसे हर महीने करीब 22 हजार रुपए से ज्यादा मिलते थे। हालांकि, वेतन से ज्यादा महत्वपूर्ण ओहदा उसे मंदिर परिसर में मिला हुआ है। मंदिर की सुरक्षा और प्रबंधन से जुड़े लोगों को वॉकी-टॉकी दे दिया गया। टिन्नू को भी वॉकी-टॉकी दिया गया। मंदिर परिसर का मैनपावर मैनेजमेंट मुख्य रूप से टिन्नू ही संभालता रहा। ट्रस्ट के अलग-अलग पदाधिकारियों से बात करके समझ आया कि महासचिव चंपत राय का सबसे भरोसेमंद व्यक्ति रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू ही है।

दान पेटियों का चढ़ावा टिन्नू ही बैंक में जमा कराता था

मंदिर परिसर में 14 दानपेटियां रखी गई हैं। रोजाना मंदिर में 1 करोड़ से ज्यादा का चढ़ावा आता है। इसके अलावा बड़ी मात्रा में सोने-चांदी और हीरे के जेवर भी भक्त दानपेटी में डालते हैं। इसमें आने वाले चढ़ावे की रकम को बंद कमरे में गिना जाता है। यह काम सीसीटीवी की निगरानी में ट्रस्ट के 6 पदाधिकारी, बैंक और टीसीएस से जुड़े कुल 9 लोग करते हैं।

राम मंदिर ट्रस्ट के पूर्व लेखा प्रभारी महिपाल सिंह कहते हैं ` गिनती के बाद यह रकम रामजन्मभूमि परिसर के लॉकर में रखी जाती थी। अगले दिन टिन्नू इस धनराशि को बैंक में जमा कराने लेकर जाता था। सबसे अहम यह था कि सोने-चांदी के जेवरों को तौले बिना सिर्फ अनुमान के आधार पर रखा जाता था। महिपाल का दावा है कि उन्होंने दान में आए जेवरों की फोटो खींचकर टिन्नू को चंपत राय को भेजते देखा था। इन जेवरों के बैंक में जमा होने का कोई रिकॉर्ड नहीं है। जबकि टिन्नू का दावा है कि सारे जेवर समेत रुपए बैंक में जमा किए जाते रहे हैं।

आरोप : 8 महीने की सीसीटीवी डिलीट कराई

महिपाल सिंह बताते हैं ` 2021 में जब मैं रामजन्मभूमि परिसर में रहता था, तब एक दिन नोट गिन रहे कर्मचारियों की हेरा-फेरी पकड़ ली गई। वे लोग 10 की जगह 12 गड्डी पैक कर रहे थे। तब मैंने चंपत राय से शिकायत की। दो लोगों की ड्यूटी और लगा दी गई। बाद में मुझे गिनती के काम से हटा दिया गया। आरोप है कि कुछ दिन बाद टिन्नू एक प्राइवेट कर्मचारी के साथ आए और सीसीटीवी रिकॉर्डिंग डिलीट करा दी। ये करीब 8 महीने की रिकॉर्डिंग थी। इसके कुछ दिन बाद महिपाल ने नौकरी छोड़ दी। बताया जाता है कि पूरे कार्यकाल में महिपाल ने ट्रस्ट से कोई पारिश्रमिक (मेहनताना) नहीं लिया था।

टिन्नू यादव का किरदार समझने के बाद हमने (दैनिक भास्कर) उससे बात का प्रयास किया। टिन्नू का पुश्तैनी घर तुलसी पार्क के पीछे स्वर्गद्वारी मोहल्ले में है। यह जगह राम मंदिर से सिर्फ 1.5 किमी दूर है। सामने से यह घर करीब 7 फीट चौड़ा है। 3 मंजिला मकान में टिन्नू के भाई मिले। बातचीत में पता चला कि टिन्नू करीब 55 साल का है। उसकी 2 संतानों में से एक बेटी का 8 साल पहले निधन हो चुका है। इकलौता बेटा रवि यादव लोक निर्माण विभाग में संविदा पर जॉब करता है। भाई से टिन्नू का मोबाइल नंबर मिला। फोन करने पर पता चला कि वह श्रीराम मंदिर परिसर के ट्रस्ट कार्यालय में है। उसने वहीं मिलने के लिए बुलाया।

श्रीराम मंदिर पहुंचने पर टिन्नू के बताए ट्रस्ट कार्यालय पर हमारी टीम पहुंची। यहां एक कमरे में तोड़-फोड़ चल रही थी। अंदर से ईंट के टुकड़ों की सफाई हो रही थी। उसी कमरे में एक कुर्सी पर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय बैठे थे। ▶8पर

फ्रांस में इन्वेस्टर्स से बोले मोदी...

पधारो म्हारे देस

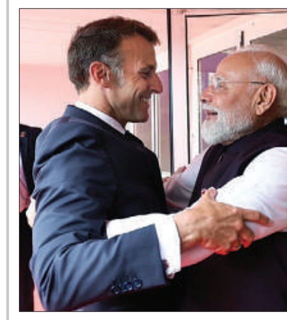

नई दिल्ली, 14 जून (एजेंसियां) । प्रधानमंत्री मोदी फ्रांस में हैं। जहां उन्होंने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की मौजूदगी में भारत इनोवेट्स 2026 कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस मौके पर पीएम मोदी ने वैश्विक मंच से भारत की बदलती तकनीकी ताकत और दुनिया के प्रति इसके बढ़ते योगदान पर खुलकर बात की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत अब केवल उपभोक्ता नहीं रह गया है, बल्कि वह दुनिया की बड़ी समस्याओं का हल निकालने में एक प्रमुख कॉन्ट्रिब्यूटर के रूप में उभरा है। पीएम मोदी ने कहा, भारत इनोवेट्स दुनिया के लिए एक निमंत्रण है कि वे भारत के साथ मिलकर ग्लोबल इनोवेशन का अगला अध्याय लिखें।

पीएम मोदी ने अतीत और वर्तमान की तुलना करते हुए कहा कि एक दशक पहले दुनिया भारत को सिर्फ टेक्नोलॉजी अपनाने वाले देश के रूप में देखती थी, लेकिन आज भारत दुनिया को टेक्नोलॉजी देने वाले देश के तौर पर उभरा है। पीएम मोदी ने फ्रांस में कहा, हम पार्टनरशिप चाहते हैं, जॉइंट रिसर्च चाहते हैं और इसके साथ लॉन्ग-टर्म कोलैबोरेशन चाहते हैं। उन्होंने कहा, मैं हर इन्वेस्टर और एंटरप्रेन्योर को इनवाइट करता हूं, आप भारत आइए, हमारे साथ मिलकर काम कीजिए। भारत में डिजाइन कीजिए, भारत में डेवलप कीजिए और दुनिया के लिए सॉल्यूशंस तैयार कीजिए। बता दें, इससे पहले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में पीएम मोदी ने कहा कि वह 14 जून को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात और मभारत इनोवेट्सफ कार्यक्रम के संयुक्त उद्घाटन को लेकर उत्साहित हैं। स्लोवाकिया रवाना होने से पहले उनके फ्रांस दौरे के दौरान एवियन और पेरिस में भी कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। भारत इनोवेट्स 2026 भारत सरकार की एक प्रमुख पहल है, जिसे वैश्विक स्तर पर देश के डीप-टेक स्टार्टअप्स और रिसर्च वेंचर्स को बढ़ावा देने के लिए शुरू किया गया है।

भारत इनोवेशन का देश है : मैक्रों

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने रविवार को भारत को इनोवेशन का देश बताया। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और जलवायु परिवर्तन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भारत और फ्रांस के बीच एक मजबूत साझेदारी है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने कहा, हम भारत के मेक इन इंडिया अभियान का सम्मान करते हैं। फ्रांस विभिन्न क्षेत्रों में इस पहल का भागीदार रहा है।

पंढरपुर में श्रद्धालुओं की गाड़ी कुएं में गिरी, 8 की मौत

मुंबई, 14 जून (एजेंसियां) । महाराष्ट्र के पंढरपुर इलाके में एक बेहद दुखद हादसा हुआ है। भगवान सिद्धनाथ के दर्शन करके अपने घर लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी एक पिकअप गाड़ी रास्ते में कुएं में जा गिरी। इस हादसे में 8 लोगों की जान चली गई और 7 लोग घायल हो गए।

महाराष्ट्र में एक जिला है सोलापुर, उसी के पंढरपुर इलाके में यह दर्दनाक घटना हुई। पंढरपुर तहसील के रांजनी गांव के कुछ लोग मिलकर म्हसवड गए थे। वहां सिद्धनाथ भगवान का एक मंदिर है। ये सभी लोग वहां दर्शन करने गए थे। दर्शन के बाद जब ये सभी श्रद्धालु अपनी पिकअप ▶8पर

अफवाह के बाद ट्रैक पर कूदे यात्री

ट्रेन की चपेट में आने से 4 लोगों की मौत

मुरैना, 14 जून (एजेंसियां) । मध्य प्रदेश के मुरैना में रविवार शाम एक बेहद दर्दनाक हादसा हुआ। उदयपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस में आग लगने की अफवाह फैलने के बाद घबराए कुछ यात्री ट्रेन से उतरकर रेलवे ट्रैक पर पहुंच गए। इसी दौरान दूसरी लाइन पर तेज रफ्तार से आ रही पातालकोट एक्सप्रेस की चपेट में आने से 4 लोगों की मौत हो गई। रेलवे के मुताबिक, इंटरसिटी एक्सप्रेस में अलार्म चेन पुलिंग होने के कारण ट्रेन रुक गई थी। ट्रेन रुकने के बाद कुछ यात्री नीचे उतरकर पास की रेलवे लाइन पर चले गए, जहां पातालकोट एक्सप्रेस गुजर रही थी। इसी दौरान यह हादसा हुआ। ▶8पर

ट्रंप डील पर इजरायल ने फेरा पानी!

बेरूत पर हमला, भड़का ईरान

नई दिल्ली, 14 जून (एजेंसियां) । अमेरिका और ईरान के बीच डील आखिरी चरण में है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी ऐलान किया है कि रविवार को डील फाइनल हो जाएगी। लेकिन इजराइल ने रविवार को लेबनान की राजधानी बेरूत के दाहिया इलाके पर बड़ा हमला किया। इस हमले में 3 लोगों की मौत हो गई और 15 लोग घायल हुए। बेरूत के ऊपर धुएं के बड़े-बड़े बादल देखे गए। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने खुद सोशल मीडिया पर लिखा, हमने बेरूत के दाहिया इलाके में हिज्बुल्लाह के ठिकानों पर हमला किया। इजरायल अपनी जमीन पर हमले बर्दाश्त नहीं करेगा। लेकिन इस हमले के बाद ईरान बेहद गुस्से में है और अमेरिका के साथ चल रही बड़ी बातचीत टूटने के कगार पर आ गई है। एक हफ्ते पहले भी इजरायल ने बेरूत के इन्हीं इलाकों पर हमला किया था। उस हमले के जवाब में ईरान ने इजरायल पर हमला बोल दिया था। यानी यह सिलसिला चल रहा है। इजरायल मारता है, ईरान जवाब देता है। इजरायली सेना और प्रधानमंत्री नेतन्याहू का दफ्तर कह रहा है कि हिज्बुल्लाह ने उत्तरी इजरायल में हमले किए, ▶8पर

ट्रंप नाराज! बोले- अब बस

इजरायल ने रविवार को लेबनान की राजधानी बेरूत पर बम गिराए। इस हमले में 3 लोग मारे गए और 15 घायल हुए। लेकिन यह हमला ऐसे वक्त हुआ जब अमेरिका और ईरान के बीच एक बड़ी शांति डील लगभग फाइनल स्थिति में है। इस हमले से ईरान इतना गुस्से में आ गया कि डील टूटने की नौबत आ गई। और अब खुद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कह दिया यह हमला नहीं होना चाहिए था। ट्रंप ने इसे लेकर नाराजगी जाहिर की है। ईरान के राष्ट्रपति पेजे-श्कियन ने कहा है कि बातचीत ही संकट से निकलने का सबसे बेहतर रास्ता है। इस पूरे मामले में तीन मुख्य पक्ष हैं। पहला - इजरायल। यह देश लेबनान में हिज्बुल्लाह के ठिकानों पर लगातार हमले कर रहा है। दूसरा - हिज्बुल्लाह। यह लेबनान में बैठा एक ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 35°
न्यूनतम : 26°

NCPI होकर NDA में TMC

22 सांसदों ने दिखाई 'निर्ममता'

नई दिल्ली, 14 जून (एजेंसियां) दिल्ली में रविवार को बड़ा सियासी ड्रामा हुआ। टीएमसी यानी ममता बनर्जी की पार्टी के करीब 20 सांसद बागी हो गए। ये सब पहले बीजेपी के मंत्री भूपेंद्र यादव के घर गए, करीब 2 घंटे बैठे। फिर लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से भी मिले।

इन बागी सांसदों में सुदीप बंद्योपाध्याय, काकोली घोष, शताब्दी रॉय जैसे बड़े नाम शामिल हैं। इन लोगों ने ऐलान किया कि वो नेशनलिस्ट सिटिजन पार्टी नाम की एक छोटी पार्टी में मिल रहे हैं और आगे बीजेपी की अगुवाई वाले एनडीए का साथ देंगे।

काकोली घोष ने दावा किया कि ये 22 सांसद टीएमसी की कुल ताकत के दो-तिहाई से ज़्यादा हैं। दूसरी तरफ टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी ने स्पीकर को चिट्ठी लिखकर कहा कि इस बागी गुट को कोई मान्यता मत दो। बंगाल में विधानसभा चुनाव में हार के बाद टीएमसी के अंदर की लड़ाई अब बाहर आ गयी। टीएमसी पश्चिम बंगाल की सबसे बड़ी पार्टी रही है। ममता बनर्जी इसकी मुखिया हैं और बंगाल में उनकी 15 साल से सरकार थी। पार्टी के अंदर काफी समय से कुछ नेता नाराज चल रहे हैं। ये नेता पार्टी की चाल-ढाल और कुछ फैसलों से खुश नहीं हैं। अब तक यह नार-ाजगी अंदर ही अंदर थी। लेकिन विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद पार्टी के अंदर की कलह खुलकर सामने आ गई है। टीएमसी की बागी सांसद काकोली घोष दस्तिदार ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात के बाद दावा किया कि एआईटीसी के 22 सांसदों ने अलग बैठने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यह संख्या पार्टी की कुल ताकत के दो-तिहाई से अधिक है। काकोली ने यह भी दावा किया कि उनका समूह नेशनलिस्ट सिटिजन पार्टी ऑफ इंडिया में विलय कर रहा है और आगे प्रधानमंत्री के नेतृत्व में एनडीए के साथ मिलकर काम करेगा। ▶8पर

'कटवा' ओवैसी आया!

यूपी चुनाव में दमदार दस्तक

लखनऊ, 14 जून (एजेंसियां) । उत्तर प्रदेश की राजनीति में चुनावी शतरंज की बिसात बिछनी शुरू हो चुकी है। 2027 विधानसभा चुनाव भले अभी दूर हों, लेकिन राजनीतिक दलों ने अपने-अपने मोहरे चलने शुरू कर दिए हैं। इसी कड़ी में एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने बहराइच के मटेरा से अपनी राजनीतिक मौजूदगी का बड़ा संकेत दिया है। हैदराबाद से निकले ओवैसी का यह दौरा सिर्फ एक रैली भर नहीं माना जा रहा, बल्कि इसे उत्तर प्रदेश की बदलती राजनीतिक तस्वीर में नई संभावनाओं और नए समीकरणों की तलाश के रूप में देखा जा रहा है।

बहराइच का नाम आते ही इतिहास, आस्था और राजनीति एक साथ सामने आ जाते हैं। यही वह इलाका है जहां महार-ाजा सुहेलदेव और सैयद सालार मसूद गाजी की कहानी आज भी राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बन जाती है। ऐसे संवेदनशील और राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र में ओवैसी की रैली ने कई नए सवाल खड़े कर दिए हैं।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या उत्तर प्रदेश का मुस्लिम मतदाता केवल पारंपरिक दलों के साथ रहेगा या फिर अपनी अलग राजनीतिक आवाज तलाशने की कोशिश करेगा? ▶8पर

शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दें — हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

44 लाख साल पुराने विशाल मवेशी के मिले जीवाश्म, उठेगा रहस्यों से पर्दा

मैड्रिड

स्पेन के गिरोना क्षेत्र के पास स्थित कैंप डेल्स निनोट्स पुरातात्विक स्थल पर वैज्ञानिकों को 44 लाख वर्ष पुराने एक विशालकाय मवेशी प्रजाति के जीवाश्म मिले हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार, यह जीव आज के मवेशियों के शुरुआती पूर्वजों में से एक हो सकता है। इस खोज ने प्राचीन जीव-जगत और आधुनिक गाय-भैंस के विकासक्रम को समझने की दिशा में नई उम्मीदें जगाई हैं। इस खोज में सबसे खास बात यह है कि वैज्ञानिकों को एक या दो नहीं, बल्कि इस प्रजाति के 14 कंकाल एक साथ प्राप्त हुए हैं। स्पेन के गिरोना क्षेत्र के पास स्थित कैंप डेल्स निनोट्स पुरातात्विक स्थल पर हुई है। शोधकर्ताओं के अनुसार, मिले हुए कंकाल अत्यंत सुरक्षित अवस्था में हैं और अधिकांश वयस्क तथा वृद्ध जीवों के हैं। इससे वैज्ञानिकों को उनकी शारीरिक संरचना, जीवनशैली और विकासक्रम का विस्तृत अध्ययन करने का अवसर मिला है। इस प्राचीन जीव को वैज्ञानिकों ने पैराबोस टिनेरेसी नाम दिया है। अनुमान है कि इसका वजन लगभग 500 किलोग्राम था। हालांकि यह आधुनिक घरेलू गायों से कुछ हल्का था, लेकिन अपने शुरुआती मवेशी पूर्वजों की तुलना में इसका आकार काफी बड़ा माना जाता है। लगभग दो करोड़ वर्ष पहले के मवेशी आकार में छोटे और हिरण जैसे दिखाई देते थे, जबकि पैराबोस टिनेरेसी अधिक विकसित और भारी शरीर वाला जीव था। शोधकर्ताओं के अनुसार, इन जीवाश्मों का संरक्षण असाधारण रूप से अच्छा है। माना जाता है कि लाखों वर्ष पहले यह क्षेत्र एक झील का हिस्सा था, जहां आक्सीजन की मात्रा बहुत कम थी। इसी कारण बैक्टीरिया और अन्य अपघटक जीव कंकालों को नष्ट नहीं कर पाए। परिणामस्वरूप अधिकांश कंकाल लगभग पूर्ण अवस्था में संरक्षित रह गए। हालांकि भूगर्भीय दबाव के कारण कुछ खोपड़ियों का आकार थोड़ा विकृत हो गया है, फिर भी वैज्ञानिकों को अध्ययन के लिए पर्याप्त और महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई है। हड्डियों और दांतों के विश्लेषण से पता चला है कि यह प्रजाति दलदली और नम क्षेत्रों में रहने के लिए अनुकूलित थी। इनके पैर नरम जमीन पर चलने के लिए उपयुक्त थे और इनके दांत यह संकेत देते हैं कि ये कठोर घास के बजाय पेड़ों की पत्तियां और कोमल वनस्पतियां खाते थे। जीवाश्मों में नर और मादा दोनों के अवशेष मिले हैं, जिनमें आकार और सींगों की संरचना में स्पष्ट अंतर दिखाई देता है।

वैज्ञानिकों के अनुसार, जब यह प्रजाति अस्तित्व में थी, तब यूरोप का मौसम आज की तुलना में अधिक गर्म और नम था। स्पेन का यह इलाका घने उपोष्णकटिबंधीय जंगलों और विशाल झीलों से घिरा हुआ था। उस समय यहां तापिर, गैंडे, मास्टोडोन, प्रारंभिक हिरण और कई अन्य बड़े स्तनधारी जीव भी निवास करते थे। वहीं मेगनटेरियन जैसे नुकीले दांतों वाले शिकारी भी इस पारिस्थितिकी तंत्र का हिस्सा थे। इस अध्ययन ने मवेशियों के विकास से जुड़े कई पुराने वैज्ञानिक विवादों को सुलझाने में मदद की है। शोधकर्ताओं ने पैराबोस और अलेफिस नामक दो पुराने जीनस का पुनर्वर्गीकरण करते हुए पांच अलग-अलग प्रजातियों की पहचान की है।

न्यूज ब्रीफ

वर्ष 1882 में अमेरिकी इंजीनियर ने किया था इलेक्ट्रिक फैन का अविष्कार

लंदन। आधुनिक बिजली के पंखे का आविष्कार वर्ष 1882 में अमेरिकी युवा इंजीनियर शूइलर स्काट्स व्हीलर ने किया। उस समय उनकी उम्र मात्र 22 वर्ष थी। उन्होंने सिलाई मशीन की मोटर में दो ब्लेड लगाकर दुनिया का पहला इलेक्ट्रिक टेबल फैन तैयार किया। यह पंखा आकार में छोटा था और उसमें सुरक्षा जाली भी नहीं होती थी। इसके बाद सिंगर सिलाई मशीन कंपनी से जुड़े फिलिप डील ने इस तकनीक को आगे बढ़ाया। उन्होंने मोटर और ब्लेड को इस प्रकार डिजाइन किया कि पंखे को छत से लटकाया जा सके। इसी प्रयोग से आधुनिक सीलिंग फैन का जन्म हुआ। वर्ष 1887 में उन्होंने इसका पेटेंट भी हासिल किया। शुरुआती इलेक्ट्रिक पंखे पीतल के ब्लेड और कच्चे लोहे की मोटर से बनाए जाते थे। उनमें गति नियंत्रित करने की कोई व्यवस्था नहीं थी और बिजली का कनेक्शन सीधे बल्ब के साकेट से लिया जाता था। उस समय एक पंखे की कीमत लगभग 15 डालर थी, जबकि एक सामान्य अमेरिकी मजदूर की साप्ताहिक आय केवल 5 से 7 डालर के बीच होती थी। बिजली भी उस दौर में बेहद सीमित और महंगी सुविधा थी, इसलिए पंखों का उपयोग केवल संपन्न वर्ग तक सीमित रहा। भारत में बिजली के पंखों का आगमन ब्रिटिश शासन के साथ हुआ। जैसे-जैसे कोलकाता, मुंबई और दिल्ली जैसे शहरों में बिजली पहुंची, अंग्रेज अधिकारियों और धनी भारतीयों ने विदेशों से पंखे मंगवाने शुरू किए। शुरुआती दौर में ये पंखे केवल राजमहलों, बड़े होटलों, अदालतों और सरकारी दफ्तरों में दिखाई देते थे। फर्स्ट क्लास रेल डिब्बों और बड़े अस्पतालों में भी धीरे-धीरे पंखों का उपयोग शुरू हुआ। बिजली के पंखों के प्रसार ने पंखाबरदारों के सदियों पुराने पेशे को धीरे-धीरे समाप्त कर दिया।

ईरान को दोहरा झटका: चीन ने घटाई तेल खरीद, अमेरिकी नाकाबंदी का गहरा असर

तेहरान। अमेरिकी प्रतिबंधों के बावजूद, ईरान की अर्थव्यवस्था लंबे समय तक इसलिए मजबूत बनी रही क्योंकि चीन ने उससे बड़ी मात्रा में तेल खरीद रहा था। लेकिन अब ईरान के लिए हालात बदल गए हैं। चीन ने ईरानी तेल की खरीद काफी कम कर दी है, जिससे ईरान पर भारी आर्थिक दबाव आ गया है। घटती मांग और अमेरिका की बढ़ती सख्ती ने स्थिति को और गंभीर किया है। चीन की स्वतंत्र टीपाट रिफाइनरियां लगातार आर्थिक नुकसान झेल रही हैं, इसकारण उन्होंने ईरानी तेल की खरीद में कटौती की है और अपनी उत्पादन क्षमता भी घटाई है। वहीं, हाल के अमेरिकी प्रतिबंधों ने चीनी खरीदारों को ईरान के साथ व्यापार करने को लेकर सतर्क किया है। इसका सीधा असर यह हुआ है कि ईरान को अब अपने तेल की कीमतें कम करनी पड़ रही हैं, ताकि खरीदार आकर्षित हों। आंकड़ों के अनुसार, मई में ईरान से चीन को कच्चे तेल की आपूर्ति घटकर सिर्फ 1.6 लाख बैरल प्रतिदिन रह गई, जबकि फरवरी में यह 18 लाख बैरल प्रतिदिन थी। यह एक बड़ा झटका है।

लाटरी जीती तो बना करोड़पति फिर कानून आ गया आड़े

रोम। इटली में रहने वाले 36 वर्षीय नाइजीरियाई नागरिक इमेग्वे एहिजोम्वेंगी की कहानी इन दिनों चर्चा

का विषय बनी हुई है। एक लाटरी टिकट ने उन्हें करोड़पति बना दिया, लेकिन कानूनी दस्तावेजों की कमी के कारण वह अपनी जीती हुई रकम तक नहीं पहुंच पा रहे थे। कई महीनों के संघर्ष के बाद अब उन्हें इटली का रेजिडेंस परमिट मिल गया है, जिसे वह लाटरी की रकम से भी अधिक मूल्यवान मानते हैं। इमेग्वे वर्ष 2016 में नाइजीरिया से इटली पहुंचे थे। उनका सफर बेहद कठिन रहा। लीबिया के रास्ते यूरोप पहुंचने के दौरान उन्हें दो वर्षों तक बंधक बनाकर रखा गया था और फिरौती के बाद रिहाई मिली थी। इटली पहुंचने के बाद भी उनके सामने रोजी-रोटी का संकट बना रहा। वह ट्यूरिन शहर में एक सुपरमार्केट के बाहर रुमाल बेचकर और कभी-कभी भीख मांगकर अपना गुजारा करते थे। पिछले वर्ष अक्टूबर में उन्होंने 5 यूरो का एक स्क्रैचकार्ड लाटरी टिकट खरीदा। किस्मत ने ऐसा पलटा खाया कि टिकट पर 5 लाख यूरो यानी लगभग 5.5 करोड़ रुपये का जैकपाट निकल आया। हालांकि इस जीत के बाद उनकी परेशानियां खत्म नहीं हुईं। इटली के नियमों के अनुसार बिना वैध रेजिडेंस परमिट के बैंक खाता नहीं खोला जा सकता था और बैंक खाते के बिना लाटरी की राशि प्राप्त करना संभव नहीं था। स्थिति और जटिल तब हो गई जब नागरिकता और कानूनी दर्जे से जुड़े मामलों में आर्थिक आत्मनिर्भरता साबित करने की आवश्यकता सामने आई।

अमेरिका-ईरान नहीं सुलझा पाए गांठ, पाकिस्तान को किसी चमत्कार की आस, होने वाले समझौते का मशहद में विरोध

वाशिंगटन/तेहरान

अमेरिका और तेहरान के बीच शांति समझौता बेहद नाजुक मोड पर अटक गया है। तमाम दावों के बावजूद ईरान इस पर हस्ताक्षर करने को तैयार नहीं। अलबत्ता सिर्फ पाकिस्तान जैसे मध्यस्थ को जरूर लग रहा है कि 24 के भीतर दोनों देश किसी अच्छे नतीजे पर पहुंच जाएंगे और होर्मुज जलडमरूमध्य फिर पुरानी स्थिति में लौट आएगा। ईरान का सैन्य नेतृत्व ठीक इससे उलट दावा कर रहा है। होने वाले शांति समझौते का ईरान में लोग विरोध कर रहे हैं। मशहद शहर की सड़कों पर प्रदर्शनकारियों ने गदर काट रखा है।

गल्फ न्यूज, शिन्हुआ, अल जजीरा और सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के उत्तर-पूर्वी शहर मशहद में शनिवार को विदेश मंत्रालय के दफ्तर के बाहर दर्जनों लोगों ने विरोध-प्रदर्शन किया। उन्होंने शीर्ष राजनयिक अब्बास अरागची के खिलाफ नारे लगाए। एक वीडियो में इन महिलाओं को काले चादर (बुर्के) पहने विदेश मंत्रालय की इमारत के सामने लाल और काले झंडे लहराते व बेइज्जत अरागची, घुसपैठिए की मौत हो के नारे लगाते देखा गया। ईरान के कट्टरपंथी नेता भी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और मध्यस्थ पाकिस्तान के संयुक्त रूप से प्रचारित शांति समझौते का विरोध करना शुरू कर दिया है।

ईरानी कट्टरपंथी नेताओं का तक तर्क है कि यह समझौता देश के हितों के अनुरूप नहीं है। इससे तेहरान की होर्मुज जलडमरूमध्य पर पकड़ ढीली पड़ जाएगी। होर्मुज जलडमरूमध्य में हालिया झड़पों के बाद प्रचारित शांति प्रस्ताव से युद्धरत पक्षों और उनके मध्यस्थों की उम्मीदें बढ़ा दी हैं। ट्रंप ने शनिवार को ट्रुथ सोशल पर कहा, समझौते पर कल हस्ताक्षर होने हैं और हस्ताक्षर होते ही होर्मुज जलडमरूमध्य सभी के लिए खुल जाएगा। हालांकि इससे कुछ समय पहले ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बकाई ने कहा था कि समझौते पर हस्ताक्षर की तारीख अभी तय नहीं हुई है। उन्होंने यह जोर देकर कहा था कि लेकिन यह कल (रविवार) नहीं होगा। बकाई ने माना कि आने वाले दिनों में ऐसा होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

अमेरिका-ईरान के बीच मुख्य मध्यस्थ पाकिस्तान के नेता ने भी कहा कि समझौता पहले से कहीं ज्यादा करीब है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा, अगले 24 घंटों में इसके अंतिम रूप लेने की उम्मीद है और पाकिस्तान इसके तुरंत बाद शांति समझौते पर इलेक्ट्रानिक हस्ताक्षर की तैयारी कर रहा है, जिसके बाद अगले हफ्ते तकनीकी स्तर की बातचीत शुरू हो सके। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने तो यहां तक कहा कि हस्ताक्षर रविवार को होने हैं।

तेहरान ने कहा है कि फिलहाल वह होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपना नियंत्रण बनाए रखेगा। गौरतलब है कि ईरान ने यहां पर टोल वसूलने के लिए एक नई संस्था बनाई है। इसके जवाब में ही अमेरिका ने सभी ईरानी बंदरगाहों की नाकाबंदी की है। शांति समझौते के घटनाक्रम से पहले शनिवार तड़के अमेरिकी मध्य कमान (सेंटकाम) ने कहा, ईरान ने जलडमरूमध्य से गुजरने वाले व्यावसायिक जहाजों पर कई वन-वे अटैक ड्रोन लान्च किए गए। इन सभी को अमेरिकी सेना ने मार गिराया है।

ईरान के विदेशमंत्री अब्बास अरागची शुक्रवार को सरकारी टेलीविजन को दिए साक्षात्कार में इस प्रस्तावित समझौते का जिक्र कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि इस समझौते के तहत अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी हटेगी मगर हमारे लिए होर्मुज जलडमरूमध्य का प्रबंधन पहले जैसा नहीं रहेगा। ट्रंप इस शांति समझौते से काफी आशान्वित हैं। वह शनिवार को ट्रुथ सोशल पर कह चुके हैं कि अमेरिका ईरान को परमाणु शक्ति नहीं बनने देगा। उन्होंने कहा, जब सब कुछ शांत हो जाएगा, तो हम अंदर जाएंगे और परमाणु सामग्री को निकालेंगे और उसे नष्ट कर देंगे।

इस बीच एक पब्लिक मैरीटाइम रेडियो चैनल की आडियो रिकार्डिंग से होर्मुज में खतरे की लहरें उठने लगी हैं। इसमें इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आईआरजीसी) की नौसेना के हवाले से जहाजों को इस जलमार्ग से गुजरने पर चेतावनी दी गई है। इस चेतावनी में अरब की खाड़ी और ओमान की खाड़ी में चल रहे सभी जहाजों को संबोधित करते हुए कहा कि होर्मुज को पूरी तरह से बंद कर दिया गया है। कोई इसमें न प्रवेश करे।

आईआरजीसी ने इस बात से इनकार किया है कि रविवार को अमेरिका के साथ किसी समझौते पर दस्तखत होंगे। कार्प्स ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बातों का खंडन किया। आईआरजीसी ने टेलीग्राम पर जारी बयान में कहा कि प्रस्तावित समझौते की तारीख का संबंध 14 जून को ट्रंप के जन्मदिन से हो सकता है, इसलिए ऐसा होगा। इस पल को किसी कूटनीतिक उपलब्धि के बजाय पब्लिसिटी पाने वाला पल नहीं बनने दिया जाएगा।

डेनेरेस के अंत से बिल्कुल खुश नहीं थी एमिलिया, किया दर्द बयां

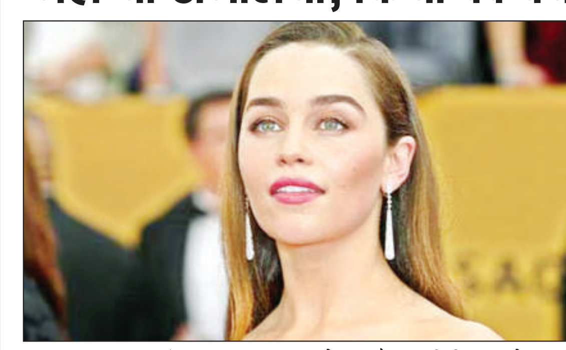

लास एंजेलस

ब्रिटिश अभिनेत्री एमिलिया क्लार्क ने फैंटेसी सीरीज गेम आफ थ्रोन्स में अपने अद्भुत अभिनय से डेनेरेस तारगारयेन के किरदार को जीवंत किया था। लेकिन डेनेरेस के साथ सीरीज के आखिरी सीजन में जो हुआ, उसने सिर्फ लाखों दर्शकों को ही नहीं, बल्कि खुद एमिलिया क्लार्क को भी गहरा सदमा दिया था। अब सालों बाद अभिनेत्री ने उस पल को याद करते हुए खुलासा किया है कि जब उन्हें अपने प्रिय किरदार के दर्दनाक अंत के बारे में पता चला तो उन्हें अंदर तक झकझोर दिया था। एमिलिया क्लार्क ने बताया कि डेनेरेस तारगारयेन का अंत जिस तरह से दिखाया गया, वह उससे बिल्कुल भी खुश नहीं थीं। सीरीज में डेनेरेस को मदर आफ ड्रैगन्स और एक शक्तिशाली रानी के रूप में दिखाया गया था, और यह किरदार पूरी दुनिया में बेहद लोकप्रिय हुआ था। एमिलिया ने साल 2011 से 2019 तक इस भूमिका को निभाया और इस किरदार ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक बड़ी पहचान दिलाई। सीरीज के आखिरी एपिसोड में डेनेरेस की मौत दिखाए जाने का फैसला लंबे समय तक चर्चा और विवादों का विषय रहा था, जिससे कई प्रशंसक भी निराश हुए थे। कहानी के अनुसार, जान स्नो, जिसका किरदार किट हैरिंगटन ने निभाया था, राज्य और दुनिया को बचाने के लिए डेनेरेस की हत्या कर देता है। एमिलिया ने अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा, इस कहानी के मोड़ ने मुझे अंदर तक झकझोर दिया था। डेनेरेस के आखिरी शब्द जान स्नो के लिए थे, वे दोनों मिलकर दुनिया को एक बेहतर जगह बनाने की बातें कर रहे थे, लेकिन अगले ही पल जान स्नो उसे मार देता है। अभिनेत्री ने इस पूरे घटनाक्रम पर अपनी गहरी नाराजगी और आश्चर्य भी जाहिर किया। उन्होंने कहा, मुझे यह बेहद अजीब लगा था। डेनेरेस ने जान स्नो के लिए सब कुछ किया, यहां तक कि उसके लिए शहरों को भी तबाह कर दिया, लेकिन आखिर में उसी ने उसे मार दिया। उस समय मैं इस फैसले से बेहद नाराज थी। मेरे लिए अपने किरदार के इस अचानक और दुखद अंत को स्वीकार करना आसान नहीं था। एमिलिया ने उस पल को याद करते हुए बताया, जब मैंने पहली बार आखिरी सीजन की स्क्रिप्ट पढ़ी थी, तब मैं छुट्टियों से वापस लौटी थी। फोन आन करते ही मुझे स्क्रिप्ट मिली और मैं उसे तुरंत पढ़ने बैठ गई। पूरी कहानी पढ़ने के बाद मैं इतनी हैरान रह गई कि कुछ समय तक समझ ही नहीं पाई कि आगे क्या करना है। मैं घर से बाहर निकल गई और कई घंटों तक अकेले घूमती रही। उस दौरान मैं अपनी चाबियां, फोन और कई जरूरी चीजें तक भूल गई थी, क्योंकि मेरा ध्यान पूरी तरह कहानी और डेनेरेस के अंत पर केंद्रित था।

पाकिस्तान ने बजट में जनता को नहीं दी राहत

इस्लामाबाद। डूबती अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए चीन को गधों का मांस और खाल बेचने की प्लानिंग करने वाले पाकिस्तान ने अपने बजट में जनता को राहत देने के बजाय सेना की झोली भर दी है। शहबाज सरकार ने साल 2026-27 के लिए पाकिस्तान के रक्षा बजट में करीब 18 फीसदी की भारी-भरकम बढ़ोतरी करते हुए इसे 3 लाख करोड़ रुपए कर दिए हैं। इस फैसले ने पहले ही जल रहे पाकिस्तान की आग में घी डालने का काम किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीओके और बलूचिस्तान में पहले से ही जारी बगावत की आग अब राजधानी इस्लामाबाद की सड़कों तक पहुंच गई है, जहां महंगाई की मार झेल रही जनता का गुस्सा सरकार के खिलाफ हिंसक रूप में फूट पड़ा है। जनता सवाल पूछ रही है कि जिस देश की आवाम जरुरी चीजों के लिए तरस रही है, वहां की सरकार की प्राथमिकताएं हथियार कैसे हो सकते हैं पाकिस्तान सरकार ने जो आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 पेश किया है, उसमें उन्होंने अपनी गिरती अर्थव्यवस्था को संभालने के लिए बकायदा गधों के मांस और खाल के निर्यात को एक बड़ा जरिया बताया है। रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान में गधों की आबादी बढ़कर 62 लाख हो चुकी है और अब वे चीन को गधे बेचने की तैयारी कर रहे हैं। नेशनल असेंबली में वित्त मंत्री मोहम्मद औरंगजेब ने सेना को खुश करने के लिए बजट का एक बहुत बड़ा हिस्सा डिफेंस के नाम कर दिया है।

फ्रांस पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी, नीस में हुआ भव्य स्वागत

भारत इनोवेट्स से वीवा टेक तक, फ्रांस दौरे में नवाचार पर जोर देंगे मोदी

नीस (फ्रांस)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के निमंत्रण पर आधिकारिक यात्रा के तहत शनिवार को फ्रांस के नीस शहर पहुंचे हैं। इस यात्रा को भारत और फ्रांस के बीच रणनीतिक, आर्थिक, तकनीकी और नवाचार सहयोग को नई दिशा देने की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

नीस पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि उनकी यह यात्रा केवल नीस तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि इसमें एवियां और पेरिस में भी विभिन्न कार्यक्रम शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान द्विपक्षीय और बहुपक्षीय बैठकों के माध्यम से भारत अपने प्रमुख विकास साझेदारों के साथ मित्रता और सहयोग को और मजबूत करेगा।

फ्रांस पहुंचने पर भारतीय समुदाय के लोगों ने भी प्रधानमंत्री मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया। एयरपोर्ट और होटल के बाहर बड़ी संख्या में मौजूद प्रवासी भारतीयों से मिले स्नेह से अभिभूत प्रधानमंत्री ने कहा कि मातृभूमि से हजारों किलोमीटर दूर रहने के बावजूद भारतीय समुदाय का देश के साथ भावनात्मक जुड़ाव हमेशा मजबूत बना रहता है।

प्रधानमंत्री मोदी 14 जून को राष्ट्रपति मैक्रों के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। दोनों नेता भारत-फ्रांस संबंधों के विभिन्न आयामों की समीक्षा करेंगे और सहयोग के नए क्षेत्रों पर चर्चा करेंगे। इसी दौरान दोनों नेता संयुक्त रूप से भारत इनोवेट्स कार्यक्रम का उद्घाटन भी करेंगे, जिसमें भारत, फ्रांस और अन्य देशों के प्रमुख स्टार्टअप तथा वेंचर कैपिटल संस्थान भाग लेंगे।

भारत-फ्रांस नवाचार वर्ष के अंतर्गत आयोजित यह कार्यक्रम दोनों देशों के बीच नवाचार और प्रौद्योगिकी सहयोग को नई ऊर्जा देने वाला माना जा रहा है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, यह पहल दोनों देशों के बीच उभरते तकनीकी और उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र को जोड़ने का महत्वपूर्ण मंच बनेगी।

फ्रांस प्रवास के दौरान प्रधानमंत्री मोदी 16-17 जून को एवियां में आयोजित जी-7 सम्मेलन में भी हिस्सा लेंगे। भारत की भागीदारी को वैश्विक दक्षिण की मजबूत आवाज और वैश्विक चुनौतियों के समाधान में एक महत्वपूर्ण साझेदार के रूप में देखा जा रहा है।

इसके बाद 18 जून को प्रधानमंत्री मोदी पेरिस में राष्ट्रपति मैक्रों के साथ यूरोप के सबसे बड़े प्रौद्योगिकी और स्टार्टअप आयोजन विवा-टेक में शामिल होंगे। इस वर्ष सम्मेलन में भारत का मंडप सबसे बड़ा होगा, जो वैश्विक नवाचार, डिजिटल परिवर्तन और स्टार्टअप क्षेत्र में भारत की बढ़ती भूमिका को प्रदर्शित करेगा।

पाकिस्तान में पानी को लेकर हाहाकार, अरबों के चावल उद्योग पर संकट

सिंधु जल समझौता रद्द होने का दिख रहा असर

कराची

पाकिस्तान इस समय एक बेहद गंभीर और ऐतिहासिक जल संकट के मुहाने पर खड़ा हो गया है। देश के सिंध और बलूचिस्तान प्रांतों में पानी की भारी किल्लत के कारण कृषि, आम जनजीवन और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था पर बड़ा खतरा मंडराने लगा है। सिंचाई नेटवर्क पर बढ़ते दबाव और प्रांतों के बीच पानी के असमान बंटवारे को लेकर उपजे विवाद ने इस पूरी स्थिति को और ज्यादा तनावपूर्ण बना दिया है। सिंचाई अधिकारियों ने उच्च अधिकारियों को पत्र लिखकर चेतावनी दी है कि पानी की इस भारी किल्लत के कारण लारकाना, शिकारपुर, कंबर-शहदादकोट और बलूचिस्तान के निचले इलाकों में मौसमी फसलों, विशेष रूप से चावल की खेती को भारी नुकसान पहुंच सकता है।

सुक्कुर बैराज कंट्रोल रूम से मिले आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, सिंध प्रांत को मिलने वाले पानी में इस समय 39.6 प्रतिशत की भारी कमी दर्ज की गई है। वर्तमान में सुक्कुर बैराज पर पानी की कुल आवक 50,620 क्यूसेक है, जबकि वहां से निकासी केवल 32,120 क्यूसेक ही हो पा रही है। सिंध की सात मुख्य नहरों के लिए कुल 53,200 क्यूसेक पानी आवंटित है, लेकिन इस समय उन्हें उनके कोटे से 21,080 क्यूसेक कम पानी मिल रहा है। अलग-अलग नहरों की स्थिति का जायजा लें तो दादू नहर का सबसे बुरा हाल है, जहां निर्धारित 5,997 क्यूसेक के मुकाबले सिर्फ 860 क्यूसेक पानी मिल रहा है— यानी सीधे तौर पर 85.7 प्रतिशत की भारी कमी देखी जा रही है। इसके अलावा खैरपुर फीडर वेस्ट में 67.1 प्रतिशत, कोट्री बैराज में 55.74 प्रतिशत, उत्तर-पश्चिम नहर में 50.7 प्रतिशत और राइस नहर में 39.1 प्रतिशत पानी की किल्लत बनी हुई है। इस बीच, सिंध के सिंचाई विभाग और किसान संगठनों ने ऊपरी हिस्से में स्थित पंजाब प्रांत पर अपने निर्धारित कोटे 44,000 क्यूसेक के मुकाबले 53,394 क्यूसेक पानी लेने का आरोप लगाया है, जो उनके तय अधिकार से 21.35 प्रतिशत अधिक है।

फिर धान उत्पादन हो जाएगा खत्म – इस जल संकट का सबसे घातक असर पाकिस्तान के बासमती चावल उद्योग पर पड़ने की आशंका है। लारकाना चैंबर आफ कामर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष खैर मोहम्मद शेख के अनुसार, यह संकट देश के सबसे प्रमुख कृषि क्षेत्रों में से एक को तबाह कर सकता है। अकेले लारकाना जिले में हर साल लगभग 2,42,000 मीट्रिक टन चावल का उत्पादन होता है और यह डिवीजन केवल चावल के निर्यात से देश को सालाना लगभग 90 अरब रुपये की विदेशी मुद्रा कमा कर देता है। इसके अलावा, सिंध की कुल 650 राइस मिलों में से लगभग 500 मिलें अकेले लारकाना क्षेत्र में ही स्थित हैं। पानी की अनुपलब्धता के कारण किसानों को खेतों को तैयार करने और बुवाई शुरू करने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे आने वाले महीनों में पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को बड़ा झटका लगना तय माना जा रहा है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकता है। रिश्तेदारों के यहाँ जाना उससे काफ़ी बेहतर रहेगा, जितना आप सोच सकते हैं। आज धर्म व आध्यात्मिकता की ओर जा सकते है। उन लोगों से मेलजोल बढ़ाने से बचें जिनके साथ आपका वक्त खराब होता है। संभव है कि परिवार के साथ किसी नज़दीकी रिश्तेदार से मिलने जाना हो और इसके लिए दिन ठीक भी है। हालाँकि किसी पुरानी ख़राब घटना का ज़िक्र करने से बचें, नहीं तो वातावरण में तनाव पैदा हो सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप आज दूसरों पर कुछ ज़्यादा ख़र्चा कर सकते हैं। आपमें से कुछ गहने या घरेलू सामान ख़रीद सकते हैं। निजी मसले नियन्त्रण में रहेंगे। इस राशि वाले जातकों को आज खाली वक्त में आध्यात्मिक पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए। ऐसा करके आपकी कई परेशानियां दूर हो सकती हैं। सेहत के नज़रि से गले लगने के अपने फ़ायदे हैं और आपको यह एहसास आज अपने जीवनसाथी से मिल सकता है। कर्ज लेने और देने आज बचना होगा क्योंकि बिना वजह परेशानी लेना समझदारी नही हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

खुद को सुबह सुबह शारीरिक व्यायाम मे व्यस्त रखें। अपने लिए पैसा बचाने का आपका ख्याल आज पूरा हो सकता है। आज आप उचित बचत कर पाने में सक्षम होंगे। आपके बच्चे के पुरस्कार वितरण समारोह का बुलावा आपके लिए ख़ुशनुमा एहसास रहेगा। लम्बे वक़्त से लटकी हुई दिक़्क़तों को जल्द ही हल करने की ज़रूरत है। आपका जीवनसाथी आपको ख़ुश करने के लिए आज काफ़ी कोशिशें करता नज़र आएगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। आपको अपने दायरे से बाहर निकलकर ऐसे लोगों से मिलने–जुलने की ज़रूरत है, जो ऊँची जगहों पर हों। आज चाहे दुनिया इधर–की–उधर ही क्यों न हो जाए, आप अपने जीवनसाथी की बाहों से दूर नहीं हो सकेंगे। यदि आपसे कोई बात करना चाहे और आपका मूड बात करने का न हो तो आपको शांति से उसे यह बात समझानी चाहिए।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आपके पास अपनी सेहत सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। आकस्मिक मुनाफ़े या सट्टेबाज़ी के ज़रिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे। आज का दिन मज़े करने के लिहाज़ से बढ़िया है, इसलिए अपनी पसंदीदा चीज़ों और काम का लुत्फ़ उठाएँ। आज आप सब कामों को छोड़कर उन कामों को करना पसंद करेंगे जिन्हें आप बचपन के दिनों में करना पसंद करते थे। विवाह एक दैवीय आशीर्वाद है और आज आप इसका अनुभव कर सकते हैं। आज आपका मन धार्मिक कार्यों में रमेगा जिससे आपको मानसिक शांति का अनुभव होगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

सेहत के नज़रिए से यह वक़्त थोड़ा ठीक नहीं है, इसलिए जो आप खाएँ उसके प्रति सावधान रहें। आपकी कोई पुरानी बीमारी आज आपको परेशान कर सकती है जिसकी वजह से आपको हॉस्पिटल भी जाना पड़ सकता है और आपका काफी धन भी खर्च हो सकता है। काम–काज में ज़रूरत से ज़्यादा तनाव के चलते परिवार की ज़रूरतों और इच्छाओं को दरकिनार न करें। आपको महसूस होगा कि शादी के वक़्त किए गए सारे वादे सच्चे हैं। आपका जीवनसाथी ही आपका हमदम है। कहीं से उधार वापस मिल सकता है जिससे आपकी कुछ आर्थिक समस्याएं दूर हो जाएंगी।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज के दिन आप बिना झंझट विश्राम कर सकेंगे। अपनी मांसपेशियों को आराम देने के लिए तैल से मालिश करें। ख़र्चों में इज़ाफ़ा होगा, लेकिन साथ ही आमदनी में हुई बढ़ोत्तरी इसको संतुलित कर देगी। दिन को रोमांचक बनाने के लिए क़रीबी दोस्तों और परिवार के साथ समय बिताएँ। रात के समय आज आप घर के लोगों से दूर होकर अपने घर की छत या किसी पार्क में टहलना पसंद करेंगे। आज आपको ऐसा अनुभव होगा कि आपके जीवनसाथी के द्वारा आपको नीचा दिखाया जा रहा है। जहां तक सम्भव हो इसे नजरअंदाज करें। आज आँखों में दर्द संभव है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अगर आप घर से बाहर रहकर जॉब या पढ़ाई करते हैं तो ऐसे लोगों से दूर रहना सीखें जो आपका धन और समय बर्बाद करते हैं। कोशिश करें की कोई आपकी बातों या काम से आहत न हो और पारिवारिक ज़रूरतों को समझें। यह दिन बेहतरीन दिनों में से एक हो सकता है। आज दिन में आप कई अच्छे प्लान भविष्य के लिए बना सकते हैं लेकिन शाम के वक्त किसी दूर के रिश्तेदार के घर में आ जाने के कारण आपके सारे प्लान धरे के धरे रह सकते हैं। आपकी व्यस्त दिनचर्या के चलते आपका जीवनसाथी आपके ऊपर शक़ कर सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

दिन की शुरुआत आप योग ध्यान से कर सकते हैं। ऐसा करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा और सारे दिन आपमें ऊर्जा रहेगी। आप अच्छा पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप पारंपरिक तौर पर निवेश करें। दूसरों को प्रभावित करने की आपकी क्षमता आपको कई सकारात्मक चीज़ें दिलाएगी। आपको अपनी हार से कुछ सबक़ सीखने की ज़रूरत है, क्योंकि आज अपने दिल की बात ज़ाहिर करने से नुक़सान भी हो सकता है। अगर आप अपने दिन को ज़रा बेहतर व्यवस्थित करें, तो अपने खाली समय का पूरा सदुपयोग कर काफ़ी काम कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आपके भाई–बहन आपसे आर्थिक मदद मांग सकते हैं और उनकी मदद करके आप खुद आर्थिक दबाव में आ सकते हैं। हालांकि स्थिति जल्द ही सुधर जाएगी। संभव है कि कोई आपसे अपने प्यार का इज़हार करे। आज धार्मिक कामों में आप अपना खाली समय बिताने का विचार बना सकते हैं। इस दौरान बेवजह की बहसों में आपको नहीं पड़ना चाहिए। वैवाहिक जीवन के लिए विशेष दिन है। अपने जीवनसाथी को बताएँ कि आप उनसे कितना प्यार करते हैं। शांति का वास आपके दिल में रहेगा और इसीलिए आप घर में भी अच्छा माहौल बना पाने में कामयाब होंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

काम के बीच–बीच में थोड़ा आराम करें और देर रात तक काम न करें। आज सिर्फ़ बैठने की बजाय कुछ ऐसा कीजिए जो आपकी कमाई में इज़ाफ़ा कर सके। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। आपके प्रिय के कड़वे शब्दों के कारण आपका मूड ख़राब हो सकता है। आस–पड़ोस की किसी सुनी–सुनाई बात को लेकर आपका जीवनसाथी तिल–का–ताड़ बना सकता है। आज पानी की जीवन में क्या कीमत है इसके बारे में आप घर के छोटों को लेक्चर दे सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

कोई दोस्त आपकी सहनशक्ति और समझ की परीक्षा ले सकता है। अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। आपके आकर्षण और व्यक्तित्व के ज़रिए आपको कुछ नए दोस्त मिलेंगे। कुछ लोगों के लिए जल्द ही शादी की शहनाई बज सकती है, जबकि दूसरे ज़िन्दगी में नए रोमांस का अनुभव करेंगे। जिन लोगों के घर वाले शिकायत करते हैं कि वो घरवालों को पर्याप्त समय नहीं देते वो आज घरवालों को समय देने के बारे में सोच सकते हैं लेकिन ऐन वक्त पर किसी काम के आने की वजह से ऐसा नहीं हो पाएगा

आज का पंचांग

दिनांक : 15 जून 2026 , सोमवार
विक्रम संवत : 2083
मास : अधिक ज्येष्ठ , कृष्ण पक्ष
तिथि : अमावस्या प्रातः 08:26 तक
नक्षत्र : मृगशिरा रात्रि 07:09 तक
योग : शूल प्रातः 08:55 तक
करण : नाग प्रातः 08:26 तक
चन्द्रराशि : वृषभ प्रातः 08:41 तक
सूर्योदय : 05:41,सूर्यास्त 06:51 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:53, सूर्यास्त 06:46 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:45, सूर्यास्त 06:40 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:34, सूर्यास्त 06:41 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : देवकार्य सोमवती अमावस्या , प्रतिपदा तिथि क्षय, अधिक मास समाप्ति , मिथुन संक्रांति दोपहर 12:16 से, संक्रांति पुण्यकाल दोपहर 12:16 से सूर्यास्त तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

मोदी सरकार के 12 वर्ष सेवा, सुशासन और जनकल्याण का स्वर्णिम काल : अर्जुनराम मेघवाल

भाजपा बीकानेर देहात के प्रबुद्धजन सम्मेलन में केंद्र सरकार की उपलब्धियों पर हुआ मंथन

बीकानेर, 14 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विश्वास के 12 साल, विकास के 12 साल, जनकल्याण के 12 साल एवं विकसित भारत संकल्प सम्मेलन के तहत भाजपा बीकानेर देहात द्वारा प्रबुद्धजन सम्मेलन का आयोजन भाजपा संभाग कार्यालय में जिलाध्यक्ष श्याम पंचारिया की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में भारत ने विकास, सुशासन, राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक न्याय एवं जनकल्याण के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि ङ्कङ्घसबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र को धरातल पर उतारते हुए सरकार ने समाज के प्रत्येक वर्ग तक विकास का लाभ पहुंचाया है। मेघवाल ने कहा कि करोड़ों लोगों को पक्के मकान, उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन, शौचालय, स्वच्छ पेयजल, मुफ्त राशन एवं स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, वंदे भारत ट्रेन, आधुनिक आधारभूत संरचना, रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता तथा जी–20 की सफल मेजबानी ने भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। उन्होंने विश्वास जताया कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत का संकल्प अवश्य साकार होगा। प्रदेश उपाध्यक्ष बिहारीलाल बिश्नोई ने कहा कि मोदी सरकार ने पारदर्शी, जवाबदेह एवं संवेदनशील शासन व्यवस्था स्थापित की है। अनुच्छेद–370 की समाप्ति, तीन तलाक पर प्रतिबंध, राम मंदिर निर्माण, महिला सशक्तिकरण तथा राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े निर्णयों ने देश को नई दिशा प्रदान की है।

विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड के अध्यक्ष रामगोपाल सुथार ने कहा कि केंद्र सरकार ने युवाओं, कारीगरों, श्रमिकों एवं स्वरोजगार से जुड़े वर्गों के सशक्तीकरण के लिए अनेक योजनाएं लागू की हैं। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना सहित विभिन्न कार्यक्रमों से लाखों लोगों को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिला है।

जिलाध्यक्ष श्याम पंचारिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 12 वर्षों का कार्यकाल सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण और राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पण का स्वर्णिम काल रहा है।

जैन दिवाकर चालीसा का 103वां मासिक महाचमत्कारी मंगलमय जाप संपन्न

हैदराबाद, 14 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। जैन दिवाकर, जगत वल्लभ एवं प्रख्यात प्रवचनकार गुरुदेव श्री चौथमलजी म.सा. की पावन प्रेरणा से आयोजित 103वां महाचमत्कारी मंगलमय जैन दिवाकर चालीसा मासिक जाप महासती श्री राजमतीजी म.सा. आदि ठाणा के सान्निध्य में सामायिक के साथ श्रद्धा एवं भक्ति भावपूर्वक संपन्न हुआ।

श्री जैन श्रावक संघ, कोरा के मंत्री अनिल तातेड ने जानकारी देते हुए बताया कि रविवार, 14 जून को प्रातः 9:30 बजे से 11:30 बजे तक श्री आनंद जैन भवन, कोरा, सिख विलेज, सिकंदराबाद में महासती श्री राजमतीजी म.सा. आदि ठाणा के सान्निध्य में सामायिक एवं जाप का आयोजन किया गया।

अपने प्रेरक उद्बोधन में महासती श्री राजमतीजी म.सा. ने गुरु महिमा पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए गुरु के प्रति श्रद्धा एवं समर्पण का महत्व बताया। वहीं महावीरजी कोठारी ने गीतिका के माध्यम से गुरुदेव के गुणों का सुंदर गुणगान प्रस्तुत किया। श्री जैन दिवाकर संघ, हैदराबाद के महामंत्री अशोक बाबेल ने उपस्थित सभी श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने जाप एवं गौतम प्रसादी के लाभार्थी गौतमचंद, विनोद कुमार, प्रमोद कुमार, अनिल कुमार, वैभव कुमार, अक्षय कुमार, आदर्श कुमार, हर्ष कुमार एवं कियान श्रीश्रीमाल परिवार (बोइनपल्ली, सिकंदराबाद) के प्रति विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यक्रम में गौतम श्रीश्रीमाल, अशोक बाबेल, अशोक तातेड, विमलेश कोठारी, महावीर कोठारी, विनोद श्रीश्रीमाल, प्रमोद श्रीश्रीमाल, अनिल श्रीश्रीमाल, सज्जनराज समदड़िया, दिलीप सेठिया, शेरू तातेड, दिलीप लोढ़ा, निहालचंद कोठारी, गौतम कोठारी, राजेंद्र भंसाली, सुरेश भंसाली, महावीर भंसाली, सुरेश गादिया, मुकेश भंसाली, ध्रुव तातेड, विनय लोढ़ा, डूंगरमलजी कोठारी, महावीर बोहरा, नरेंद्र मंडोत, गौतम रूनवाल, राजेश रूनवाल सहित अनेक गणमान्य श्रद्धालु उपस्थित रहे।

इस अवसर पर जानकारी दी गई कि श्री जैन श्रावक संघ, कोरा में महासती आगम श्रीजी म.सा. आदि ठाणा का वर्ष 2026 का चातुर्मास मंगल प्रवेश 17 जुलाई, शुक्रवार को होगा। गौरव संघ के अध्यक्ष गौतमचंद श्रीश्रीमाल ने सभी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर मंगल प्रवेश को सफल बनाने का आग्रह किया।

एसआईपी एबाकस अचीवर्स समिट

मानसिक गणित से विकसित होता है तेज दिमाग

90% से अधिक अंक लाने वाले 120 पूर्व छात्र सम्मानित

हैदराबाद, 14 जून (शुभ लाभ ब्यूरो): एसएससी और इंटरमीडिएट परीक्षाओं में 90 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल करने वाले एसआईपी एबाकस के 120 पूर्व छात्रों की शैक्षणिक सफलताओं का जश्न मनाने के लिए रविवार को बाग लिंगमपल्ली स्थित टीजीएसआरटीसी कलाभवन में मएसआईपी एबाकस अचीवर्स समिटफ का आयोजन किया गया।

इस शिखर सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में चेन्नई से आईं एसआईपी एबाकस की नेशनल मैनेजर सुश्री उमा स्वामीनाथन ने किया। इस अवसर पर एसआईपी एबाकस तेलंगाना के स्टेट हेड श्री भरत, विभिन्न शिक्षक, छात्र और उनके अभिभावक भी मौजूद रहे। सम्मानित होने वाले छात्रों में कई ऐसे ग्रैंड मास्टर मॉड्यूल पूरा करने वाले छात्र शामिल थे, जिन्होंने अपने शुरुआती वर्षों में उन्नत मेंटल मैथ (मानसिक गणित) और एबाकस का प्रशिक्षण लिया था।

तेज गति और सटीकता से जटिल गणनाएं करने की क्षमता के कारण इनमें से कई छात्रों को ह्यूमन कैलकुलेटर (मानव कैलकुलेटर) भी कहा जाता है। सम्मेलन के दौरान छात्रों ने बिना किसी कैलकुलेटर, कागज या इलेक्ट्रॉनिक उपकरण के, केवल अपने दिमाग में ही गणित की बेहद कठिन समस्याओं को हल करके अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इतना ही नहीं, कई छात्रों ने खेल, नृत्य और मार्शल आर्ट जैसी गतिविधियों को करते हुए भी मानसिक गणनाएं करके दिखाईं, जो उनकी उच्च स्तर की एकाग्रता और मल्टीटास्किंग क्षमता को दर्शाता है।

सभा को संबोधित करते हुए सुश्री उमा स्वामीनाथन ने कहा, मानसिक गणित बच्चों के दिमाग को तेज करता है और यह भविष्य के लिए तैयार हो रहे बच्चों के लिए एक नए ममाइंड स्पोर्टफ (मानसिक खेल) के रूप में उभर रहा है। आने वाले दशक में संज्ञानात्मक विकास (कॉग्निटिव डेवलपमेंट), आत्मविश्वास और संचार कौशल के साथ मेंटल मैथ में विकास की सबसे बड़ी संभावनाएं हैं।

एसआईपी एबाकस भारत के अग्रणी बाल कौशल विकास संगठनों में से एक है, जिसके नाम छह बार लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स दर्ज है। पिछले दो दशकों में, इसने बच्चों में एकाग्रता, याददाश्त, विश्लेषणात्मक सोच और सीखने की क्षमता विकसित करने के उद्देश्य से देशभर में 10 लाख से अधिक बच्चों को प्रशिक्षित किया है।

बेटे की हत्या को सड़क हादसा बताने का प्रयास, पिता और भाई गिरफ्तार

बांसवाड़ा, 14 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। बांसवाड़ा पुलिस ने एक युवक की हत्या कर उसे सड़क दुर्घटना का रूप देने के मामले का खुलासा करते हुए मृतक के पिता और भाई को गिरफ्तार किया है। डीएसपी विट्ठल रेड्डी ने शनिवार को बताया कि बिरकूर निवासी लक्ष्मण (25) शराब का आदी था और अक्सर पैसों को लेकर अपने माता–पिता से विवाद करता था। गत 21 मई को नशे की हालत में घर पहुंचकर उसने अपने माता–पिता पर डंडे से हमला कर दिया। सूचना मिलने पर उसका भाई श्रीकांत घर पहुंचा और लक्ष्मण के सिर पर डंडे से वार कर दिया। इसी दौरान पिता गंगाराम ने भी उस पर हमला किया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हत्या के बाद आरोपियों ने घर में लगे खून के निशान साफ कर दिए तथा घटना को सड़क हादसा बताकर जल्दबाजी में अंतिम संस्कार कर दिया। हालांकि, संदिग्ध परिस्थितियों में हुए अंतिम संस्कार पर जीवीओ श्रीनिवास को शक हुआ, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और गवाहों के बयानों के आधार पर जांच कर गंगाराम और श्रीकांत को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में दोनों ने अपराध स्वीकार कर लिया। दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है, जबकि मृतक की मां स्वरूपा फरार बताई जा रही है। डीएसपी ने मामले का सफल खुलासा करने पर बांसवाड़ा रूरल सीआई थिरुपैया, एसआई रामुलु एवं पुलिस टीम को बधाई दी।

तेलंगाना मॉडल स्कूल कोथाबाद में पीजीटी शिक्षकों की अस्थायी भर्ती

बांसवाड़ा, 14 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना मॉडल स्कूल, कोथाबाद (बांसवाड़ा मंडल), कामारेड्डी जिले में शैक्षणिक सत्र 2026–27 के लिए पीजीटी सिविक्स एवं पीजीटी इंग्लिश के एक–एक पद पर अस्थायी आधार पर भर्ती की जाएगी।

प्राचार्य कमल किशोर पावर ने बताया कि चयनित शिक्षकों को 182 प्रति पीरियड के हिसाब से मानदेय दिया जाएगा तथा अधिकतम 100 पीरियड प्रतिमाह का कार्यभार रहेगा। अभ्यर्थियों के पास संबंधित विषय में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातकोत्तर डिग्री एवं बी.एड. योग्यता होना अनिवार्य है।

आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 19 जून 2026 निर्धारित की गई है, जबकि साक्षात्कार 20 जून 2026 को प्रातः 10 बजे आयोजित होगा। इच्छुक अभ्यर्थी अपने आवेदन पत्र एवं आवश्यक दस्तावेजों की स्वप्रमाणित प्रतियां निर्धारित तिथि तक प्राचार्य, टीजीएमएस कोथाबाद के कार्यालय में जमा कर सकते हैं। चयन शैक्षणिक मेरिट, प्रमाण–पत्र सत्यापन तथा इंटरव्यू/डेमो के आधार पर किया जाएगा।

घास की दवा सेवन से युवक की मौत, पुलिस जांच में जुटी

बांसवाड़ा, 14 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। बांसवाड़ा मंडल के तिरुमलापुर गांव निवासी जक्कापुरम संदीप (19), पुत्र स्वर्गीय नारायण, की घास की दवा सेवन करने के बाद उपचार के दौरान मृत्यु हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, संदीप ने 12 जून 2026 को अज्ञात कारणों से पैराक्वाट डाइक्लोराइड नामक घास की दवा का सेवन कर लिया। तबीयत बिगड़ने पर परिजनों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उपचार के दौरान 13 जून को शाम 7:52 बजे उसकी मौत हो गई। मृतक की मां की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बांसवाड़ा थाना प्रभारी ने बताया कि युवक द्वारा घास की दवा सेवन किए जाने के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

महाराष्ट्र के वाशिम जिले में स्थित परम पावन एवं चमत्कारिक तीर्थ अंतरिक्ष पार्श्वनाथ तीर्थ की पुण्यभूमि की भावपूर्ण स्पर्शना एवं दर्शन का सौभाग्य प्राप्त करते हुए, ओम प्रकाश हुंडिया, करुणा देवी हुंडिया, पंकज बाफना, विद्या बाफना, उमेश विनायकिया, निकिता, नवीन खिवसरा, विभा, लब्धि और मिस्टी बाफना, भव्य और परम विनायकिया। तीर्थराज की इस पावन यात्रा से सभी के जीवन में धर्म, श्रद्धा, शांति एवं मंगलभाव की निरंतर वृद्धि हो, ऐसी मंगलकामना।

सिकंदराबाद पिरामिड केयर सेंटर की डॉ. सौम्या बोमाकांति एवं श्याम सुंदर अग्रवाल द्वारा आगामी 20 जून को आयोजित होने वाली अहिंसा शाकाहार रैली तथा हरिहर कला भवन में गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा दिलाने के उद्देश्य से आयोजित ध्यान, भगवद्गीता डिस्कोर्स, क्लासिकल डांस एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों के निमंत्रण पत्र का विमोचन प्रख्यात भागवताचार्य आचार्य अमर बिहारी जी पाठक के करकमलों द्वारा संपन्न हुआ।

अखंड हरिनाम सप्ताह के तहत भव्य कीर्तन आयोजन

कामारेड्डी, 14 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। ज्येष्ठ अधिक मास के उपलक्ष्य में कामारेड्डी जिले के बांसवाड़ा मंडल स्थित सोमेश्वर गांव में मोहन महाराज दमरांचा गारू के सान्निध्य में आयोजित 31 दिवसीय अखंड हरिनाम सप्ताह कार्यक्रम के अंतर्गत शनिवार को भव्य एवं भक्तिमय कीर्तन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में श्री दत्त पीठम, बेंद्री के बालयोगी श्री श्री श्री श्यामसुंदरगिरी स्वामीजी ने अपने अमृतमय प्रवचनों एवं मधुर कीर्तन के माध्यम से श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक संदेश प्रदान किया। अपने उद्बोधन में स्वामीजी ने संत श्री एकनाथ महाराज के अभंगों का उल्लेख करते हुए कहा कि जीवन में सच्चे सुख की प्राप्ति के लिए ईश्वर की शरण आवश्यक है तथा सत्संग परमात्मा तक पहुंचने का सर्वोत्तम मार्ग है। उन्होंने संतों, साधुओं और सत्पुरुषों के गुणों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सच्चे संत मानव जीवन को सही दिशा प्रदान करते हैं।

राशि अनुसार चुनें पर्स का कलर

आपका पर्स और आपकी राशि

कभी तिजौरी का घर, दुकान आदि में बड़ा महत्व होता था क्योंकि वही एकमात्र धन को संग्रह करने का स्थान था। समय बीता और तिजौरी का स्थान धीरे-धीरे हटने लगा, परिणामस्वरूप आज तिजौरी बहुत कम यदा-कदा ही मिलती है। वास्तु में भी तिजौरी का वर्णन मिलता है।

पिछले कई वर्षों से पर्स का चलन बढ़ने लगा है और पर्स महिलाओं के हाथ में होना एक फैशन का रूप भी बन गया है। पुरुष वर्ग भी पर्स के बिना धन नहीं रखते। तिजौरी और पर्स में कोई विशेष अंतर नहीं रहा।

आपके पर्स का आकार, रंग आपके पर्स में रखे हुए सामान आपके जीवन में होने वाली छोटी से छोटी घटना के सूचक होते हैं। आइए जानते है इसके लाभ और हानि।

- मेष, सिंह और धनु राशि वाले अपना पर्स लाल या नारंगी रंग का रखें तो लाभ होगा।
- वृषभ, कन्या और मकर राशि वालों को भूरे रंग का पर्स तथा मटमैले रंग का पर्स बहुत फायदा पहुंचाएगा।
- मिथुन, तुला और कुंभ राशि वाले यदि नीले रंग व सफेद रंग का प्रयोग करते हैं तो मानसिक स्थिति के साथ-साथ धन के आगमन के रास्ते भी खुलेंगे।
- कर्क, वृश्चिक और मीन राशि को तो हमेशा हरा रंग और सफेद रंग का प्रयोग अपने पर्स में करना लाभदायक रहेगा।

धन प्राप्ति जब पाना हो, यह उपाय आजमाए...

अपार धन की प्राप्ति हर मनुष्य की चाहत होती है। लेकिन यह धन आपको सिर्फ चाहने भर से नहीं मिलने वाला। उसके लिए आपको मां लक्ष्मी को प्रसन्न करना बहुत जरूरी है।

आइए कुछ आसान टिप्स अपना कर पाएं मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्ति और हो जाए धन-दौलत से समृद्ध...

- लाल धागे में सातमुखी रुद्राक्ष गले में धारण करने से धन की प्राप्ति होती है।
- सवा पांच किलो आटा एवं सवा किलो गुड़ लें। दोनों का मिश्रण कर रोटियां बना लें। गुरुवार के दिन सायंकाल गाय को खिलाएं। तीन गुरुवार तक यह कार्य करने से दरिद्रता समाप्त होती है।
- ॐ श्री ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं ॐ महालक्ष्मयै नमः। इस मंत्र की कमलगट्टे की माला से प्रतिदिन जप करने से ऋणमुक्ति होती है।
- मां लक्ष्मी की प्रतिमा के सामने 11 दिनों तक अखंड ज्योत (तेल का दीपक) प्रज्ज्वलित करें। 11वें दिन 11 कन्या को भोजन कराकर एक सिक्का व मेहंदी दें।

वास्तुदोष से बचने के कुछ खास उपाय

वास्तुदोष से बचाएंगे ये उपाय...

अगर आप स्थानाभाव की वजह से रसोईघर को स्टोर अथवा भंडारण कक्ष के रूप में इस्तेमाल की योजना बना रहे हैं, तो ध्यान रखें ईशान व आग्नेय कोण के मध्य पूर्वी दीवार के पास के स्थान का उपयोग करें। चूल्हा या गैस आग्नेय कोण में ही रखें।

- वास्तुदोष से बचने के लिए ध्यान रखें कि दरवाजे व खिड़कियों की संख्या विषम न होने पाएं। इनकी संख्या सम यानी 2, 4, 6, 8 आदि रखें।
- घर में आंगन मध्य में ऊंचा तथा चारों ओर से नीचा होना चाहिए। यदि आपका आंगन वास्तु के अनुरूप न हो, तो उसे फौरन बताए गए तरीके से पूर्ण करवा लें। ध्यान रखें आंगन मध्य में नीचा व चारों ओर ऊंचा भूलकर भी न रखें।
- कोई भूखंड उत्तर से दक्षिण दिशा की ओर विस्तृत हो तथा भवन का निर्माण उत्तरी भाग में हुआ हो तथा भूखंड का दक्षिणी भाग खाली पड़ा हो तो वास्तु में यह स्थिति अत्यंत दोषपूर्ण होती है।
- इस दोषपूर्ण स्थिति के चलते भूस्वामी को कष्टों तथा परेशानियों को झेलना पड़ता है। भूस्वामी को व्यापार में तथा कारोबार में हानि होती है। परिवार में तनाव का माहौल बना रहता है।
- इस स्थिति में वास्तु दोष से बचने के लिए भवन के दक्षिण-पश्चिम कोण यानी नैऋत्य कोण में एक आउट हाउस को मुख्य भवन से ऊंचा बनवाएं और उसके फर्श को भी भवन के फर्श से ऊंचा रखें। आउट हाउस के दक्षिण या पश्चिम दिशा में कोई भी द्वार न रखें।
- कभी-कभी ऐसा भी होता है कि मुख्य द्वार के ठीक सामने अंदर कोई दीवार हो। पर फिर भी उस पर आईना न लगाएं और दीवार पर ऊपर से नीचे तक गहराई का आभास देने वाला कोई प्राकृतिक दृश्य चित्र लगाएं। यह जंगल में दूर-दूर तक दिखाई देने वाली सड़क का चित्र भी हो सकता है।
- मुख्य द्वार के सामने अंदर की तरफ आईना लगाना गलत है। ऐसा करने पर घर के अंदर प्रवेश करने वाली ऊर्जा परावर्तित होकर द्वार से बाहर निकल जाती है।

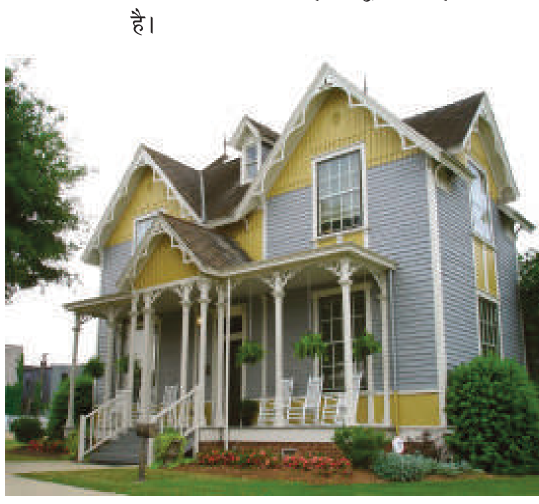

हर बाधा दूर करते हैं श्रीगणेश

प्रथम पूज्य श्रीगणेश का महत्व

प्राचीन समय में हल्दी को गणेश जी की मूर्ति के रूप में पूजा जाता था। हल्दी को मंगलकारी, धन व ज्ञान का प्रतीक माना जाता था। जिस देवता की स्तुति इन शब्दों से की जाती हो, ऐसे पूजनीय रिद्धि-सिद्धि के स्वामी विघ्नहर्ता के जप में हर शुभ मांगलिक कार्य व पूजन में सर्वप्रथम पूजे जाने वाले भालचंद्र यानी श्रीगणेश जी वैवाहिक कार्यों में भी सर्वप्रथम न सिर्फ पूजनीय हैं, अपितु वैवाहिक निमंत्रणों में निमंत्रित किए जाने वाले प्रथम अतिथि भी हैं।

समस्त मांगलिक कार्यों में प्रथम पूजनीय होने व हर विघ्न और कष्ट को दूर करने की उनकी महत्ता के कारण ही मंगलमूर्ति भी कहे जाते हैं।

यह माना जाता है कि श्रीगणेश जी समस्त दिशाओं में उपस्थित हैं एवं उनके पूजन के साथ शुरू किया गया कोई भी कार्य निर्विघ्न रूप से पूर्ण होता है। अतः सबसे पहले उनकी स्तुति व पूजन कर कार्य शुरू किए जाते हैं। चाहे वैवाहिक कार्यक्रम हो अथवा गृह प्रवेश सभी में श्रीगणेश जी को याद किया जाता है।

यहां तक कि वैवाहिक व अन्य मांगलिक कार्यों के विभिन्न चित्र सर्वप्रथम अंकित किए जाते हैं अथवा उनकी स्तुति से निमंत्रण-पत्र का आरंभ होता है।

हमारे समाज में प्राचीन समय से यह मान्यता रही है कि श्रीगणेश जी के पूजन से शुरू किए गए कार्य में कभी कोई बाधा नहीं आती और कार्य निर्विघ्न रूप से संपन्न होता है। श्रीगणेश को समस्त गणों का अधिपति माना जाता है और इसी वजह से वे गणपति के नाम से भी जाने जाते हैं।

गणेश जी के मांगलिक कार्यों में प्रथम पूजन को लेकर यह कथा प्रचलित है कि एक बार समस्त देवी-देवताओं को पृथ्वी का चक्कर लगाने को कहा गया, किंतु श्रीगणेश जी अपने भारी शरीर व छोटे से वाहन मूषक के कारण दुविधा में थे कि वे चक्कर कैसे पूर्ण करें। उन्होंने अपनी बुद्धि का उपयोग करते हुए माता-पिता पार्वती व शिवजी की परिक्रमा कर ली और सभी के पूछने पर कारण बताया कि माता-पिता तो समस्त संसार के तुल्य हैं।

वे ब्रह्मा के सहायक हैं, अतः उनकी पूजा का विशेष महत्व है। प्राचीन समय में हल्दी को गणेश जी को मूर्ति स्वरूप पूजा जाता था। गणेश जी की उपस्थिति ओंमकार में मानी जाती है।

ऐसा माना जाता है कि गणेश जी के शुभागमन के साथ सारी बाधाएं खुद-ब-खुद खत्म हो जाती हैं। श्रीगणेश जी सभी का कल्याण करने वाले माने जाते हैं।

खांड के खिलौने

एक गृहस्थ खांड के तीन खिलौने लाया जो कि तीन साधुओं की मूर्तियां थीं। संयोगवश उसके यहां तीन अतिथि साधु भोजन करने आए। गृहस्थ ने उन्हें बड़ी श्रद्धा से बिठाया। इतने ही में गृहस्थ का छोटा लड़का आया और वह उन खिलौनों के बारे में पूछने लगा- 'यह क्या है, पिता जी।' गृहस्थ बोला 'यह साधु है।' बालक ने पूछा, 'इनका क्या होगा?' गृहस्थ ने कहा- 'इन्हें खाएंगे।' लड़का बोला, 'कब।' गृहस्थ बोला- 'पहले इन साधुओं को भोजन कराकर हम खाना खा लें, फिर एक-एक तीनों खा लेंगे।'

गृहस्थ तो इस प्रकार अपने बालक को उन खांड के खिलौनों के बारे में बतला रहा था, उधर साधुओं ने समझा कि यह बातचीत उनके बारे में चल रही है। यह समझकर साधु उसके यहां से भागे। गृहस्थ को बड़ा अचरज हुआ। वह उनके पीछे भागा। वे लोग थककर एक जगह रुके, तो गृहस्थ ने उनके भागने का कारण पूछा।

साधुओं ने कहा कि तुम हमें मार डालना चाहते थे, हम तुम्हारी सब बात सुन रहे थे। गृहस्थ ने कहा- 'महाराज मैं तो बालक से खांड के खिलौनों के बारे में बातचीत कर रहा था।'

तब साधुओं की समझ में आया और वे वापस उसके घर गए और भोजन किया। मन की दुर्बलता से लोग ऐसे ही डरे रहते हैं जबकि वास्तविकता कुछ और ही होती है।

फेंगशुई प्रोडक्ट ड्रैगन विंड चाइम

फेंगशुई में विंड चाइम का काफी महत्व है लेकिन 9 रॉड वाले ड्रैगन पर लटके विंड चाइम को और भी ज्यादा महत्ता दी गई है। इसकी 9 रॉड को 9वें सितारे की शक्ति प्रदान करने वाला मानते हैं। विंड चाइम्स को मैजिक बेल्स भी कहते हैं। इसे फेंगशुई के दोषों को दूर करने वाला माना जाता है। ड्रैगन विंड चाइम दो महत्वपूर्ण संदेश देता है। पहला तो यह मधुर ध्वनि के जरिए जीवन में उमंग लाता है और दूसरा यह नकारात्मक 'ची' को भी ऊर्जावान व सकारात्मक 'ची' में तब्दील करता है। इससे इसके धारक को सौभाग्य प्राप्त होता है। विंड चाइम पर ड्रैगन का बना होना शक्ति व सुरक्षा का भी सूचक है। विंड चाइम अधिकतर कॉपर, तांबे, ब्रास और स्टील के बने होते हैं। इन्हें घर के मैटल कॉनर्स में रखा जाता है, जैसे पश्चिम या उत्तर-पश्चिम दिशा। लकड़ी या बैंबू से बने विंड चाइम को पूर्व या दक्षिण-पूर्व दिशा में रखते हैं। दक्षिण-पश्चिम दिशा में सेरेमिक विंड चाइम्स रखे जाते हैं, जो प्रेम और रोमांस के लिए बेहतर माने जाते हैं। उत्तर-पूर्व दिशा में विंड चाइम को रखने से ज्ञान में बढ़ोत्तरी और घर के बीचों-बीच इसे रखने से पूरे परिवार का भला और कल्याण होता है। इसलिए धातु के विंड चाइम को रखना इस वर्ष के लिए बेहतर और सुखकारक होगा।

धन कमाने का विशेष महीना कार्तिक

कार्तिक में करें श्रीकृष्ण, तुलसी और लक्ष्मी पूजन

भगवान श्रीकृष्ण को वनस्पतियों में तुलसी, पुण्य क्षेत्रों में द्वारिकापुरी, तिथियों में एकादशी और मासों में कार्तिक विशेष प्रिय है। इसलिए कार्तिक मास को पवित्र और पुण्यदायी माना गया है। स्नान, दीपदान एवं तुलसी की पूजा विशेष फलदायी है।

इस संदर्भ में स्कंद पुराण में कहा गया है :-

मासनां कार्तिक : श्रेष्ठोदेवानांमधुसूदनः। तीर्थ नारायणाख्यंहि त्रितयंदुर्लभंकलौ।।

अर्थात मासों में कार्तिक, देवताओं में भगवान विष्णु और तीर्थों में नारायण तीर्थ बद्रिकाश्रम श्रेष्ठ है। ये तीनों कलियुग में अत्यंत दुर्लभ हैं। स्कंद तथा पद्म पुराण में यह मास धर्म, अर्थ, काम व मोक्ष को देने वाला बताया गया है।

राधा-दामोदर मास : भविष्य पुराण के अनुसार श्रीकृष्ण को राधा से कुंज में मिलने आने में विलंब हो गया। तब राधा क्रोधित हो गई और उन्होंने श्रीकृष्ण को लताओं की रस्सी बनाकर बांध दिया। दरअसल माता यशोदा ने कान्हा को किसी पर्व के कारण घर से निकलने नहीं दिया था। जब राधा को वस्तुस्थिति का बोध हुआ तो वे लज्जित हो गईं। उन्होंने क्षमा-याचना कर दामोदर श्रीकृष्ण को बंधनमुक्त कर दिया। इसलिए कार्तिक मास श्रीराधा-दामोदर मास भी कहलाता है।

सावन-भादो की वर्षा के बाद घरों पर छप्पर छवाने, लीपना-पोतना, नए पौधे लगाना और लक्ष्मी पूजा की तैयारी करना आरंभ हो जाता है। दिवाली के आने का आभास कार्तिक मास के लगते ही हो जाता है।

गोपाष्टमी पर गौ की पूजा, आंवला नवमी पर आंवला पूजन, देवउठनी एकादशी और माह की अंतिम तिथि कार्तिक पूर्णिमा है।

इस दौरान उज्जैन के राजाधिराज महाकाल की दो सवारी कार्तिक मास में निकलेगी। चातुर्मास की समाप्ति होगी तो बैकुंठ चतुर्दशी पर हरिहर मिलन भी होगा।

इस माह करवा चौथ, धनतेरस, रूप चतुर्दशी, दीपावली, गोवर्धन पूजा, भाई दूज आदि तीज-त्योहार पड़ेंगे। साथ ही कार्तिक शुक्ल प्रबोधिनी एकादशी पर तुलसी का विवाह किया जाता है। इस दिन तुलसी के पौधे को सजाया-संवारा जाएगा व भगवान शालिग्राम का पूजन होगा।

इसलिए कहा जाता है कि कृष्णप्रियो हि कार्तिकः, कार्तिकः कृष्णवल्लभः। कार्तिक में तुलसी की पूजा विशेष फलदायी होती है।

कार्तिक में दीपदान करने से पाप नष्ट होते हैं। इस मास में धन की देवी को प्रसन्न किया जा सकता है। धन से संबंधित विशेष आराधना व उपासना, तंत्र-मंत्र-यंत्र सब इसी माह करना चाहिए।

देवालय, नदी किनारे, तुलसी के समक्ष एवं शयन कक्ष में जो दीप लगाता है उसे सभी प्रकार के सुख प्राप्त होते हैं। धन, आयु व आरोग्य की प्राप्ति होती है। अंधकार दूर होकर जीवन प्रकाशमान होता है।

भगवान विष्णु एवं लक्ष्मी के निकट दीपक जलाने से अमिट फल प्राप्त होते हैं। मनुष्य पुण्य का भागी बनता है और उसे लक्ष्मी कृपा प्राप्त होती है।

संकेतों को भाषा में बदल देगा ये आर्म बैंड

विज्ञान ने हर क्षेत्र में काफी तरक्की कर ली है। बोल नहीं सकने वालों के लिए संकेतों की भाषा है लेकिन इसे हर कोई नहीं समझ पाता है। इस समस्या को दूर करने के लिए शोधकर्ताओं ने बांह में पहना जा सकने वाला आर्म बैंड बनाया है जो हाथों की हलचल और संकेतों को भाषा में बदल देगा। इससे दुनिया के 7 करोड़ मूक लोगों को काफी सहायता मिलेगी। इस आर्म बैंड में कई सेंसर लगे हैं। जो हाथों के संकेत को साफ्टवेयर में भेजते हैं। वहां पहले से शब्द होते हैं जो संकेतों को ब्लूटूथ के मार्फत शब्दों में बदल देते हैं और इसे फोन या कम्प्यूटर में भेज देता है। बैंड में इलेक्ट्रोमायोग्राफ लगा है जो मांसपेशियों की कोशिकाओं में हलचल होने पर उन्हें इलेक्ट्रिक संकेतों में बदल देता है। जो सेंसर कैच कर आगे प्रेषित कर देता है। प्रोफेसर रोजबेह ने कहा कि हम मांसपेशियों की हरकत को भुजा के मार्फत पकड़ते हैं और इसे डिकोड कर लेते हैं। इनमें से कुछ अंगुलियों के मार्फत आते हैं। पहली बार में यह पूरी तरह सही नहीं होता।

आलू के शौकीनों को है इस चीज का खतरा

आलू या फ्रेंच फ्राइज खाना से हाई ब्लडप्रेशर का खतरा झेलना पड़ सकता है। एक शोध में यह चेतावनी दी गई है। दुनिया में सबसे ज्यादा खाए जाने वाले आलू में भरपूर मात्रा में पोटेशियम होता है। जिन प्रतिभागियों ने उबले हुए, बेक्ड या मसले हुए आलूओं की सप्ताह में चार या इससे ज्यादा सर्विंग का सेवन किया उनके रक्तचाप से पीड़ित होने का खतरा 11 प्रतिशत बढ़ गया।

बदलें भोजन का स्वाद आएगी अच्छी नींद

क्या आप जानते हैं कि जो खाना आप स्वाद लेकर खाते हैं, वह रात में आपकी अच्छी या खराब नींद का कारण बन सकता है? आपको यह सुनने में अजीब लग रहा होगा, लेकिन सच तो यही है कि हमें जिस रात अच्छी नींद आती है, उसकी अगली सुबह हम ताजगी का अद्भुत एहसास करते हैं। इसलिए कई अध्ययन यह खुलासा करते हैं कि अच्छी नींद हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए जरूरी है। ऐसे में यह जानना जरूरी हो जाता है कि कौन से भोजन अच्छी नींद लाने में हमारी मदद करते हैं।

ओटमील

अधिकतर लोग ओट्स को सुबह के नाश्ते के लिए सही मानते हैं, लेकिन यह शाम के समय भी बहुत अच्छा काम करता है। इसमें व्याप्त कार्बोहाइड्रेट शरीर में सेरोटोनिन का स्राव करता है। सेरोटोनिन एक फील गुड हार्मोन है, जो तनाव को कम करता है और आपके दिमाग को शांति की स्थिति में ले जाता है। ओटमील कार्बोहाइड्रेट युक्त होता है, इसलिए यह आपके रक्त के स्तर को बढ़ाता है, जिससे आपके शरीर में इंसुलिन का निर्माण बढ़ता है और नींद लाने वाले मस्तिष्क के रसायन का स्राव होता है। आधे सेब को अपने ओटमील में डालें, साथ में दालचीनी भी जरूर डालें। स्किम्ड दूध के साथ इसे खाएं और सुखद नींद पाएं।

अंगूर

अच्छी नींद पाने के लिए बिस्तर पर जाने से पहले आप अंगूर भी खा सकते हैं। अंगूर ही वह एकमात्र फल है, जिसमें नींद लाने वाले हार्मोन मेलाटोनिन होते हैं। इसलिए इन्हें अपनी डाइट में नियमित तौर पर शामिल करने से आप प्राकृतिक तौर पर अपने शरीर में सोने और जागने के चक्र को बेहतर करने में मदद पा सकते हैं। एक छोटी कटोरी में दही के साथ कुछ अंगूर खाने से आपको अतिरिक्त कैल्शियम भी मिलता है और यह बेहतरीन डिनर स्नैक्स भी बनता है।

चीज

लोग ऐसा नहीं मानते, लेकिन सच तो यह है कि चीज अच्छी नींद के लिए काफी फायदेमंद है। इसे लेने का सही तरीका यह है कि आप इसका इस्तेमाल ज्यादा न करें और बिस्तर पर जाने से कम से कम दो घंटे पहले ही इसका सेवन करें, ताकि पाचन तंत्र में दिक्कत न आए।

मेवे

कई अध्ययन बताते हैं कि बादाम में ट्राइप्टोफैन की उच्च मात्रा होती है, जो नींद लाने वाला रसायन एमिनो एसिड है। यह एमिनो एसिड सेरोटोनिन और मेलाटोनिन के निर्माण में मददगार है। अखरोट भी ट्राइप्टोफैन का बेहतरीन स्रोत है और इसमें भी मेलाटोनिन होता है। पिस्ते में विटामिन बी6 प्रचुर मात्रा में पाया जाता है, जो सेराटोनिन और मेलाटोनिन के निर्माण में सहायक है।

मछली

अधिकतर मछली में खासकर सामन और टूना में विटामिन बी6 होता है, जो मेलाटोनिन के बनने के लिए जरूरी है। मेलाटोनिन नींद को बढ़ाने वाला एक हार्मोन है, जो अंधेरे में बढ़ जाता है। यह एक व्यक्ति को अच्छी नींद में लाने के लिए जिम्मेदार है।

आलू

कार्बोहाइड्रेट प्राकृतिक नींद में सहायक है, क्योंकि यह पैंक्रियाज को उत्तेजित करके इंसुलिन का स्राव करता है। जब ऐसा होता है तो कुछ एमिनो एसिड ट्राइप्टोफैन के साथ मिल कर रक्त को छोड़ देते हैं और मांसपेशियों की कोशिकाओं में प्रवेश कर जाते हैं, जिससे रक्त में ट्राइप्टोफैन का स्तर बढ़ता है। इससे सेरोटोनिन का स्तर बढ़ जाता है। आलू, पास्ता, ब्रेड कार्बोहाइड्रेट के अच्छे स्रोत हैं।

प्राकृतिक तरीकों से पाएं सफेद बालों से निजात

बालों का 40 साल की उम्र के बाद सफेद होना स्वाभाविक है, लेकिन अगर 20 या 30 साल में ही ये सफेद होने लगें तो चिंताजनक है। आम तौर पर ऐसा तब होता है, जब शरीर में बालों को काला रखने के लिए जिम्मेदार तत्व मेलनिन का उत्पादन कम हो जाता है। पोषण की कमी और आनुवंशिक कारणों के चलते भी कई बार ऐसा होता है। लेकिन तंबाकू का अत्यधिक सेवन, धूम्रपान और भावनात्मक तनाव भी इसका कारण हो सकता है। आइए आपको सफेद बालों की समस्या से निजात पाने के कुछ घरेलू उपचार बताते हैं।

आंवला

यह प्राकृतिक एसिट्रजेंट है, जो बालों का प्राकृतिक काला रंग बनाए रखने में मदद करता है।

इस्तेमाल का तरीका- आंवले को मसल कर उसकी गुठली निकाल दें। अब इसका पेस्ट बनाएं और सिर पर लगा लें। इसके बाद इससे बालों की जड़ों पर मालिश करें।

नारियल तेल और नीबू रस

यह सिर की त्वचा का रक्त संचार बढ़ाता है। इस तेल में बायोटीन, नमी और दूसरे तत्व होते हैं, जो बालों को सफेद होने से रोकते हैं और उन्हें मुलायम बनाते हैं।

इस्तेमाल का तरीका- इसमें दो भाग नारियल का तेल और एक भाग नीबू का रस मिलाएं। इस मिश्रण से सिर और बालों की मालिश करें।

करी पत्ता

यह बालों की जड़ों की मजबूती बढ़ाता है और बालों को जरूरी पोषक तत्व देता है।

इस्तेमाल का तरीका- करी पत्ते को नारियल के तेल में डाल कर चटखने तक गर्म करें। इसके बाद इसे छान लें और इससे बालों की मालिश करें। करीब 30-45 मिनट बाद सिर धो लें। यह प्रक्रिया हफ्ते में दो बार अपनाएं।

चाय या कॉफी

ये बालों का प्राकृतिक रंग बनाए रखने में मदद करते हैं।

इस्तेमाल का तरीका- पानी में चाय की पत्ती या कॉफी पाउडर डाल कर उसे 10 मिनट तक उबालें। बालों का रंग काला बनाए रखने के लिए चाय की पत्ती का प्रयोग कर लें और भूरा बनाए रखने के लिए कॉफी पाउडर का प्रयोग करें।

काला तिल

यह भी सफेद बालों को काला बनाने में काफी मददगार है।

इस्तेमाल का तरीका- हर रोज खाली पेट कच्चे तिल के बीजों को पानी के साथ खाना फायदेमंद होगा।

काला गुड़

यह भी बालों को सफेद होने से बचाता है। इसमें भरपूर मात्रा में तांबा होता है, जो हेयर पिगमेंट के निर्माण में सहायक होता है।

इस्तेमाल का तरीका- रोज सुबह एक चम्मच काला गुड़ खाएं। कुछ महीनों तक लगातार ऐसा करने पर सकारात्मक नतीजे मिलेंगे।

प्याज का पेस्ट

इससे बालों को पोषण मिलता है।

इस्तेमाल का तरीका- बालों पर प्याज का पेस्ट लगा लें। इसे एक घंटे बाद धो डालें। ऐसा करने से भी सफेद बाल काले हो जाएंगे।

मेहंदी और तेजपत्ता

ये दोनों ही वनस्पतियां बालों के रंग को गहरा करती हैं।

इस्तेमाल का तरीका- आधा कप सूखी मेहंदी और तेजपत्ते में दो कप पानी मिला कर उबालें। इस मिश्रण को कुछ देर तक रखा रहने दें। अब इसे छान लें और बालों को शैंपू से धोने के बाद उन पर इसे अच्छी तरह लगा दें। 15-20 मिनट के बाद दोबारा बाल धो लें। हर हफ्ते ऐसा करें।

चौलाई

यह भी बालों का काला रंग वापस लाने में मदद करती है और साथ ही बालों के विकास में भी मदद करती है।

इस्तेमाल का तरीका- चौलाई की पत्तियों को पीस लें और इसका पेस्ट अपने सिर पर लगा लें।

शिकाकाई

यह भी समय से पहले बाल को सफेद होने से रोकती है।

इस्तेमाल का तरीका- इसे लगाने से एक रात पहले पानी में भिगो दें। सुबह इस पानी को उबाल लें और इससे बाल धोएं। ऐसा नियमित रूप से करने पर बाल सफेद होने की समस्या से निजात मिलती है।

लूफा से नहाना खतरनाक...

लूफा का प्रयोग नहाते वक्त शरीर से डेड स्किन और गंदगी को साफ करने के लिए किया जाता है। इसे शॉवर जैल के साथ प्रयोग करते हैं। अगर आप रोजाना नहाते वक्त लूफा का प्रयोग करते हैं तो इससे आपकी त्वचा पॉलिश होती है और स्किन ग्लो भी करती है। पर एक्सपर्ट्स की बात माने तो लूफा त्वचा के लिए अच्छा नहीं होता।

त्वचा को फाड़ देते हैं

लूफा प्लास्टिक या फाइबर का बना होता है, जिसे त्वचा पर ज्यादा रगड़ने से संवेदनशील त्वचा फट भी सकती है। हफ्ते में एक दिन लूफा को ब्लीचिंग पावडर और पानी डाल कर ब्लीच करें।

कहां रखें इसे

कई लोग लूफा को नमी भरी जगह या गीले स्थान पर रखते हैं, जिससे इसमें रोगाणु पनपने लगते हैं। आपको इसे सूखे स्थान पर रखना चाहिए जिससे यह आगे के यूज के दौरान सूखा मिले। लूफा यूज कर लेने के बाद इसे तेजी से झटक कर इसमें मौजूद अत्यधिक पानी को निकाल दें, जिससे यह झट से सूख जाए। फिर इसे किसी जगह पर लटका कर सुखा लें। अगर लूफा सिंथेटिक का बना हुआ है तो आप उसे गीले होने पर माइक्रोवेव मे 20 सेकेंड के लिए रख कर सुखा सकते हैं। एक्सपर्ट्स का मानना है कि लूफा को हर महीने बदलना चाहिए जिससे त्वचा पर कोई इन्फेक्शन न हो।

लूफा अगर प्रयोग करने के बाद गीला ही छोड़ दिया जाए तो उसमें बैक्टीरिया और रोगाणु पनपने लगते हैं। अगर ऐसे में रोजाना लूफा का प्रयोग किया जाए तो शरीर पर संक्रमण होने का खतरा रहता है। संवेदनशील त्वचा वालों को लूफा का बहुत ही कम प्रयोग या फिर बिल्कुल भी नहीं करना चाहिए क्योंकि इसका मटीरियल अच्छा न होने की वजह से उन्हें घाव या रैश हो सकते हैं। अगर आप भी रोजाना लूफा का प्रयोग करते हैं तो उसे हर यूज के बाद सुखाना न भूलें।

सूक्ष्मजीवों का घर

स्टडी में पाया गया है कि लूफा के अंदर दो प्रकार के सूक्ष्मजीव बसते हैं जो कि त्वचा को दाद संक्रमण और यीस्ट संक्रमण दे सकते हैं। इससे मुंह के आस पास रैश भी हो सकते हैं। इसके अंदर कुछ प्रकार के बैक्टीरिया या रोगाणु होते हैं जिन्हें नमी काफी पंसद आती है। जब ये रोगाणु शरीर के खुले घाव को पाते हैं तो ये उस पर सीधा अटैक कर के उसमें सूजन और पस भर देते हैं।

स्किन इन्फेक्शन

लूफा को यूज करने से कभी कभार त्वचा पर लाल चकत्ते पड़ जाते हैं जो बाद में पीले रंग के पस से भर जाते हैं। यह स्किन इन्फेक्शन घातक होते हैं क्योंकि अगर लूफा शेयर किया गया तो यह दूसरे इंसान तक भी पहुंच जाते हैं।

पूजा-पाठ करते समय ध्यान रहे ये बातें

कई लोगों की आदत होती है जिस पर विश्वास करेंगे, आंखें मूंद कर करेंगे और जिस पर विश्वास न हो, उसका अपमान करेंगे। भगवान और भक्ति के मामले भी कुछ लोगों का नजरिया ऐसा ही होता है। जिस भगवान को मानते हैं, उसे सबकुछ मानेंगे, लेकिन दूसरे देवी-देवताओं को वे अविश्वास की नजर से देखते हैं। आप जिसे मानते हैं, पूजते हैं, उसे पूजें, लेकिन दूसरे देवी-देवताओं को भी नजरअंदाज न करें। किसी एक पर विश्वास करने का मतलब यह नहीं होता कि दूसरे में अविश्वास करें या उनका अपमान करें। विश्वास करने का अथज़् है सबका सम्मान करें। तुलसीदासजी ने हनुमानचालीसा की 35वीं चौपाई में समझाया है कि विश्वास का क्या अर्थ है

और देवता चित्त न धरई। हनुमत सेइ सब्र सुख करई।।

इस चौपाई का अथज़् यह है कि- हे हनुमानजी, आपकी इस महिमा को जान लेने के बाद लोग अन्य देवताओं को अपने चित्त (मन या हृदय) में स्थान नहीं देंगे। केवल आपकी ही सेवा में सारे सुख मिल जाएंगे। 'और देवता' कहने का एक अन्य अथज़् भी है। 'और अधिक' देवताओं को चित्त में न रखें। जो भी आपके इष्ट हों, उन्हें बनाए रखें, लेकिन दूसरों के इष्ट की आलोचना भी न करें।

इसका दूसरा अथज़् यह भी है कि यदि हनुमानजी को आप पूजेंगे, तो अन्य देवता आपको परेशान नहीं करेंगे। जैसे होता है कि कभी हम सोचते हैं शनि महाराज नाराज हो जाएंगे। तो तुलसीदासजी यह आश्वासन दे रहे हैं कि चिंता न की जाए। जिन्हें ज्योतिष में विश्वास है, वे ग्रहों के रूप में शनि को अत्यधिक अशुभ मानते हैं। यदि किसी व्यक्ति की राशि में शनि का प्रवेश हो, तो हर संभव प्रयास किया जाता है कि इस ग्रह के कोप से बचा जाए। एक बार गवज़् में डूबे सूयज़् पुत्र शनि ने श्रीराम की भक्ति में लीन हनुमानजी को बाधा पहुंचाई। हनुमानजी ने शनिदेव को समझाया कि वे ध्यान कर रहे हैं, परेशान न करें। किन्तु, शनिदेव ने उन्हें बलपूवज़्क युद्ध के लिए ललकारा।

तब हनुमानजी ने अपनी पूंछ से शनिदेव को लपेटा और चारों ओर घुमाते हुए चट्टानों पर पटक-पटक कर लहूलुहान कर दिया। इसके बाद शनिदेव ने अपनी मुक्ति के लिए हनुमानजी को यह वचन दिया कि 'मैं कभी आपके भक्तों को परेशान नहीं करूंगा।' अपने घावों से परेशान होकर शनिदेव तेल-तेल का विलाप करने लगे। इसीलिए उन्हें तेल चढ़ाकर प्रसन्न किया जाता है।

रेसिपी

मोर कुज़ाम्बू

सामग्री

1/2 कप ताज़ा कसा हुआ नारियल, 1/4 टी-स्पून ज़ीरा,1 टी-स्पून चावल,2 हरी मिर्च, 1/4 कप पानी, 2 1/2 कप खट्टी छाछ, नमक स्वादअनुसार, 1/2 टी-स्पून हल्दी पाउडर, 1 1/2 कप लौकी/ कद्दू, 1 टेबल-स्पून नारियल का तेल/ अन्य तेल, 1 टी-स्पून सरसों, 1/4 टी-स्पून मेथी दानें, 4 से 5 कड़ी पत्ता, 2 टेबल-स्पून कटा हुआ हरा धनिया

विधि

छाछ, थोड़ा नमक और हल्दी पाउडर को एक बाउल में डालकर अच्छी तरह मिला लें और एक तरफ रख दें। लौकी, थोड़े नमक और 2 कप पानी को एक गहरे पैन में डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच में एक बार हिलाते हुए, लौकी के पक जाने तक धीमी आंच पर उबाल लें (लगभग 10 से 12 मिनट के लिए)। तैयार पेस्ट और छाछ का मिश्रण डालकर हल्के हाथों मिला लें और लगातार हिलाते हुए, धीमी आच पर 5 मिनट के लिए उबाल लें। आंच से हठाकर एक तरफ रख दें। छौंक के लिए, एक छोटे पैन में तेल गरम करें और सरसों डालें। जब बीज चटकने लगे, मेथी दानें और कड़ी पत्ता डालकर मध्यम आँच पर कुछ सेकेन्ड तक भुन लें। इस छौंक को कुज़ाम्बू पर डालकर अच्छी तरह मिला लें। धनिया से सजाकर गरमा गरम परोसें।

हरे मटर की पूरी

सामग्री

आटे के लिए: 2 1/4 कप मैदा,1 टेबल-स्पून दही, 1/2 टी-स्पून बेकिंग पाउडर, 1/2 टेबल-स्पून घी, नमक स्वादअनुसार, **भरवां मिश्रण के लिए:** 1/2 कप उबले और क्रश किए हुए हरे मटर, 1/2 टी-स्पून घी, 1/2 टी-स्पून ज़ीरा, 1 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 1/2 टी-स्पून नींबू का रस, नमक सवादअनुसार, 1/2 टी-स्पून मैदा, मैदा , तेल

विधि

आटे के लिए: आटे को अच्छी तरह छान लें। सभी सामग्री डालकर, ज़रुरत हो उतने गुनगुना पानी का प्रयोग कर नरम आटा गूंथ लें। आटे को कम से कम 6 से 7 मिनट तक गूँथे, गीले सूती कपड़े से ढककर कम से कम 1 घंटे तक रखें। **भरवां मिश्रण के लिए:** एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में तेल गरम करें और ज़ीरा डालें। जब बीज चटकने लगे, हरी मिर्च डालकर मध्यम आंच पर कुछ सेकेन्ड तक भुनें। हरे मटर, नींबू का रस और नमक डालकर, बीच-बीच में हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 1 से 2 मिनट तक भुन लें। मैदा छिड़कर दुबारा 2 से 3 मिनट तक पका लें, जब तक मिश्रण सूखा ना बन जाये। एक तरफ रख दें। **आगे बढ़ने की विधी:** आटे को 18 बराबर भाग में बांट लें। आटे के एक भाग को थोड़े सूखे आटे का प्रयोग कर 75 मिमी (3) व्यास के गोल आकार में बेल लें। गोले के बीच 1 टी-स्पून भरवां मिश्रण रखें। सभी किनारों को बीच में लाकर अच्छी तरह बंद कर लें। थोड़े सूखे मैदा का प्रयोग कर दुबारा 100 मिमी (4) व्यास के गोल आकार में बेल लें। विधी क्रमांक 2 से 5 को दोहराकर 17 और पूरी बनाएं। कढ़ाई में तेल गरम करें और थोड़े-थोड़े कर पूरी के दोनो तरफ सुनहरा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज़ में निकाल लें। तुरंत परोसें।

संपादकीय

अमेरिका से सजगता जरूरी

सजगता जरूरी अमेरिकी विदेश मंत्री माको रूबियो का भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर से यह कहना कि सभी कॉमर्शियल जहाजों को होर्मूज स्टेट में अमेरिकी सेना के आदेशों का तुरन्त पालन करना चाहिए और अमेरिकी नाकेबन्दी का उल्लंघन एवं ईंरानी तेल की अवैध ढुलाईं बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस बात का स्पष्ट संदेश है कि ईंरान के खिलाफ अमेरिका हर हथकण्डा अपना रहा है। अमेरिका जिस तरह ईंरान को घेर कर बैठा है, इससे एक बात तो साफ है कि अब या तो विवश होकर ईंरान समझौता कर ले अथवा समझौते का विकल्प हमेशा के लिए समाप्त हो जाएगा। यह अमेरिका की रणनीतिक चाल है कि एक तरफ उसने समझौते की संभावना की खबर पैला दी है और इजरायल की नाराजगी की हवा फैला दी है जबकि दूसरी तरफ ईंरान के लिए स्थाईं मुसीबत खड़ी कर दी है। उल्लेखनीय है कि 8 जून को अमेरिकी सेना ने पलाऊ के झण्डे वाले तेल टैंकर 'मेरीवैक्स' तेल टैंकर को बेकार कर दिया था जिसमें 24 भारतीय नाविक सवार थे। इस हमले में तो सभी क्रू मेम्बर बचा लिए गए किन्तु 10 जून को अमेरिकी सेना ने पलाऊ के झंडे लगे एक और टैंकर 'सेटेबेलो' पर हमला किया जिसमें सवार 24 भारतीय नाविकों में से तीन की मौत हो गईं। बृहस्पतिवार यानि 11 जून को एक और जहाज 'जलवीर' पर भी हमला हुआ जो गिनी बिसाऊ के झंडे वाला टैंकर था और जिसमें 20 भारतीय सवार थे। असल में विदेश मंत्री जयशंकर अपने यूरोप प्रवास में हैं और उन्होंने अपने अमेरिकी समकक्ष से कॉमर्शियल जहाजों पर इस तरह के हमले को गलत बताया तब अमेरिकी विदेश मंत्री माको रूबियो ने जवाब में दो टूक कहा कि अमेरिकी सेना ऐसे हमले करती रहेगी क्योंकि अमेरिका नहीं चाहता कि कोई भी टैंकर ईंरान से तेल लेकर होर्मूज स्ट्रेट से गुजरे। इसका मतलब यह हुआ कि अमेरिकी राजदूतावास के डिपटी चीफ आफ द मिशन (डीसीएम) जेसन मोक्स को जब शुक्रवार को विदेश मंत्रालय में बुलाकर स्पष्ट किया जा रहा था कि अमेरिकी सेना के इस तरह टैंकरों पर हमले बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे और अमेरिकी राजनायिक का यह कहना कि हमले गलती से हुए तथा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का इस घटना पर सफाईं देते हुए यह कहना कि इन टैंकरों पर हमले ईंरान ने किया है कितना भ्रामक है। सच तो यह है कि राजदूतावास के डीसीएम और राष्ट्रपति तो बहाना बना रहे थे लेकिन विदेश मंत्री ने स्पष्ट रूप से अपनी रणनीति की जानकारी डॉ. जयशंकर को दे दी। यह सच है कि अमेरिका दुनिया के किसी भी देश के राष्ट्रीय हितों की कोईं परवाह नहीं करता। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जो यूरोप अमेरिका के अनुयायी और अंध समर्थक के रूप में जाना जाता था, ट्रंप के मौजूदा अमेरिका ने उसके राष्ट्रीय हितों की कोईं परवाह नहीं की तो भारत को यह भूल जाना चाहिए कि अमेरिका नईं दिल्ली को अपना स्वाभाविक मित्र मानता है। भारत को अमेरिका पर कोईं भरोसा नहीं करना चाहिए किन्तु दुश्मनी से बचना भी चाहिए। मतलब यह कि खुद को मजबूत, समृद्ध और प्रभावशाली बनाए, अमेरिका से किसी भी तरह की उम्मीद न करे। भारत को यह समझने की जरूरत है कि एक तरफ तो वह नईं दिल्ली को अपना मित्र बताता है जबकि भारतीय नाविकों को मार रहा है किन्तु चीन के टैंकर धड़ल्ले से होर्मूज स्ट्रेट से निकल रहे हैं जिन पर अमेरिकी सैनिक हमले नहीं करते। इसका सीधा हिसाब यही है कि अमेरिका शक्ति की भाषा समझता है, इसलिए इस वक्त भारत को अनावश्यक उलझने की बजाए अपनी ताकत बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए और अमेरिका के साथ संबंधों की संतुलित एवं वैलवुलेटिव ही रखना चाहिए अन्यथा वह भारत को अपने दोस्ती का झांसा देकर शत्रुवत व्यवहार करता रहेगा।

भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर से यह कहना कि सभी कॉमर्शियल जहाजों को होर्मूज स्टेट में अमेरिकी सेना के आदेशों का तुरन्त पालन करना चाहिए और अमेरिकी नाकेबन्दी का उल्लंघन एवं ईंरानी तेल की अवैध ढुलाईं बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस बात का स्पष्ट संदेश है कि ईंरान के खिलाफ अमेरिका हर हथकण्डा अपना रहा है। अमेरिका जिस तरह ईंरान को घेर कर बैठा है, इससे एक बात तो साफ है कि अब या तो विवश होकर ईंरान समझौता कर ले अथवा समझौते का विकल्प हमेशा के लिए समाप्त हो जाएगा। यह अमेरिका की रणनीतिक चाल है कि एक तरफ उसने समझौते की संभावना की खबर पैला दी है और इजरायल की नाराजगी की हवा फैला दी है जबकि दूसरी तरफ ईंरान के लिए स्थाईं मुसीबत खड़ी कर दी है। उल्लेखनीय है कि 8 जून को अमेरिकी सेना ने पलाऊ के झण्डे वाले तेल टैंकर 'मेरीवैक्स' तेल टैंकर को बेकार कर दिया था जिसमें 24 भारतीय नाविक सवार थे। इस हमले में तो सभी क्रू मेम्बर बचा लिए गए किन्तु 10 जून को अमेरिकी सेना ने पलाऊ के झंडे लगे एक और टैंकर 'सेटेबेलो' पर हमला किया जिसमें सवार 24 भारतीय नाविकों में से तीन की मौत हो गईं। बृहस्पतिवार यानि 11 जून को एक और जहाज 'जलवीर' पर भी हमला हुआ जो गिनी बिसाऊ के झंडे वाला टैंकर था और जिसमें 20 भारतीय सवार थे।

परिणामस्वरूप परिवारों को अपनी आवश्यकताओं में कटौती करनी पड़ती है या फिर कर्ज का सहारा लेना पड़ता है

महंगाई का बढ़ता साया

डॉ. प्रियंका 'सौरभ'

करोड़ों परिवारों के दैनिक जीवन से जुड़ी एक ऐसी वास्तविकता है जो उनकी आय, बचत, भोजन, शिक्षा और भविष्य की योजनाओं को सीधे प्रभावित करती है। हाल ही में प्रकाशित रिपोर्टों और बाजार के रुझानों से स्पष्ट है कि मार्च के बाद से रोजमर्रा की जरूरतों के सामान की कीमतों में 15 से 20 प्रतिशत तक की वृद्धि दर्ज की गई है। खाद्य तेल, साबुन, डिटर्जेंट, कॉफी, हैंडवॉश, नमकीन, शैंपू और दालों जैसे आवश्यक उत्पादों के दाम लगातार बढ़ रहे हैं। इसके साथ ही पेट्रोल, डीजल और गैस सिलेंडर की कीमतों में हुई वृद्धि ने आम उपभोक्ता की परेशानी को और बढ़ा दिया है। महंगाई का सबसे अधिक प्रभाव मध्यम और निम्न आय वर्ग पर पड़ता है।

भारत जैसे विशाल और विकासशील देश में महंगाई केवल एक आर्थिक शब्द नहीं, बल्कि करोड़ों परिवारों के दैनिक जीवन से जुड़ी एक ऐसी वास्तविकता है जो उनकी आय, बचत, भोजन, शिक्षा और भविष्य की योजनाओं को सीधे प्रभावित करती है। हाल ही में प्रकाशित रिपोर्टों और बाजार के रुझानों से स्पष्ट है कि मार्च के बाद से रोजमर्रा की जरूरतों के सामान की कीमतों में 15 से 20 प्रतिशत तक की वृद्धि दर्ज की गई है। खाद्य तेल, साबुन, डिटर्जेंट, कॉफी, हैंडवॉश, नमकीन, शैंपू और दालों जैसे आवश्यक उत्पादों के दाम लगातार बढ़ रहे हैं। इसके साथ ही पेट्रोल, डीजल और गैस सिलेंडर की कीमतों में हुई वृद्धि ने आम उपभोक्ता की परेशानी को और बढ़ा दिया है। महंगाई का सबसे अधिक प्रभाव मध्यम और निम्न आय वर्ग पर पड़ता है। इन वर्गों की आय सीमित होती है और उनके खर्च का बड़ा हिस्सा भोजन, आवास, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी आवश्यक जरूरतों पर खर्च होता है।

जब रोजमर्रा की वस्तुओं के दाम बढ़ते हैं तो इनके पास बचत के अवसर कम हो जाते हैं। परिणामस्वरूप परिवारों को अपनी आवश्यकताओं में कटौती करनी पड़ती है या फिर कर्ज का सहारा लेना पड़ता है। रिपोर्ट के अनुसार खाद्य तेलों की कीमतों में सबसे अधिक वृद्धि देखने को मिली है। जहां जून में इनमें 3 से 5 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई थी, वहीं मार्च के बाद अब तक यह वृद्धि 20 से 25 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। भारत खाद्य तेलों की आवश्यकता का एक बड़ा हिस्सा आयात करता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल और खाद्य तेलों की कीमतों में उतार-चढ़ाव का सीधा असर भारतीय बाजार पर पड़ता है। पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव, आपूर्ति श्रृंखला में बाधाएं और परिवहन लागत में वृद्धि ने खाद्य तेलों को महंगा बना दिया है। महंगाई का दूसरा महत्वपूर्ण कारण ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी है। घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है, जबकि कमर्शियल सिलेंडर, पेट्रोल और डीजल भी महंगे हुए हैं। ऊर्जा किसी भी अर्थव्यवस्था की रीढ़ होती है।

जब ईंधन महंगा होता है तो परिवहन लागत बढ़ जाती है। इसका असर खेतों से मंडियों तक, फैक्ट्रियों से बाजारों तक और गोदामों से उपभोक्ताओं तक हर स्तर पर दिखाई देता है। फलस्वरूप लगभग हर वस्तु की कीमत बढ़ जाती है। आज कंपनियां भी बढ़ती लागत के दबाव में हैं। कच्चे माल, बिजली, परिवहन और पैकेजिंग की लागत बढ़ने से उत्पादन खर्च में वृद्धि हुई है। इस स्थिति में कंपनियां दो तरीके अपनाती हैं— या तो उत्पादों के दाम बढ़ाती हैं या पैकेट का आकार घटा देती हैं। उपभोक्ताओं को अक्सर यह महसूस नहीं होता

कि समान कीमत पर मिलने वाला उत्पाद अब पहले से कम मात्रा में उपलब्ध है। इसे अर्थशास्त्र की भाषा में "श्रिंकफ्लेशन" कहा जाता है। यह भी महंगाई का एक छिपा हुआ रूप है। महंगाई का सबसे स्पष्ट असर रसोई पर दिखाई देता है। एक मध्यमवर्गीय परिवार का मासिक रसोई बजट यदि पहले 15 हजार रुपये था तो कीमतों में बढ़ोतरी के कारण यह खर्च अब 17 से 18 हजार रुपये तक पहुंच सकता है। यह वृद्धि सुनने में छोटी लग सकती है, लेकिन सालभर में यह अतिरिक्त खर्च हजारों रुपये तक पहुंच जाता है। जिन परिवारों की आय स्थिर है, उनके लिए यह स्थिति और अधिक कठिन हो जाती है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी स्थिति कम चुनौतीपूर्ण नहीं है। खेती में डीजल, खाद, बीज और कीटनाशकों की लागत बढ़ने से कृषि उत्पादन महंगा हुआ है।

किसान को अपनी फसल का उचित मूल्य नहीं मिलता, जबकि उपभोक्ता को वही उत्पाद महंगे दामों पर खरीदना पड़ता है। इस प्रकार महंगाई का बोझ उत्पादक और उपभोक्ता दोनों पर पड़ता है, जबकि बीच की आपूर्ति श्रृंखला और बाजार संरचना अधिक लाभ अर्जित करती है। महंगाई का सामाजिक प्रभाव भी गहरा होता है। जब आवश्यक वस्तुएं महंगी होती हैं तो परिवार सबसे पहले मनोरंजन, पर्यटन और विलासिता के खर्च में कटौती करते हैं। इसके बाद शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण जैसे क्षेत्रों पर भी असर पड़ने लगता है। कई परिवार बच्चों के लिए पौष्टिक भोजन खरीदने में असमर्थ हो जाते हैं। इससे कुपोषण और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ सकती हैं।

दूसरी ओर, शिक्षा पर होने वाले खर्च में कमी भविष्य की मानव पूंजी को प्रभावित करती है। आर्थिक दृष्टि से नियंत्रित महंगाई को विकास का संकेत माना जाता है, क्योंकि इससे मांग और उत्पादन में वृद्धि का संकेत मिलता है। लेकिन जब महंगाई आय वृद्धि से अधिक तेजी से बढ़ने लगे तो यह आर्थिक असंतुलन पैदा करती है। वर्तमान स्थिति में यही चिंता सामने आ रही है।

वेतन और रोजगार की वृद्धि दर उतनी तेज नहीं है जितनी तेजी से आवश्यक वस्तुओं की कीमतें बढ़ रही हैं। इससे वास्तविक क्रय शक्ति कम हो रही है। भारतीय रिजर्व बैंक और सरकार महंगाई को नियंत्रित करने के लिए समय-समय पर कदम उठाते हैं। ब्याज दरों में परिवर्तन, आयात शुल्क में कमी, आवश्यक वस्तुओं के भंडारण पर निगरानी और बाजार में आपूर्ति बढ़ाने जैसे उपाय किए जाते हैं। हालांकि वैश्विक परिस्थितियों, अंतरराष्ट्रीय व्यापार और भू-राजनीतिक तनावों के कारण कई बार इन प्रयासों का प्रभाव सीमित रह जाता है।

वर्तमान परिस्थितियों में सरकार को बहुआयामी रणनीति अपनाने की आवश्यकता है। खाद्य तेलों और आवश्यक वस्तुओं के आयात पर निर्भरता कम करने के लिए घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देना होगा। कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों का विस्तार, भंडारण सुविधाओं का विकास और आपूर्ति श्रृंखला की दक्षता बढ़ाना आवश्यक है। साथ ही जमाखोरी और कृत्रिम मूल्य वृद्धि पर कड़ी निगरानी रखनी होगी। पेट्रोलियम उत्पादों पर कर संरचना की समीक्षा भी उपभोक्ताओं को राहत देने में सहायक हो सकती है। उपभोक्ताओं की भी भूमिका महत्वपूर्ण है। अनावश्यक खरीदारी से बचना, बजट आधारित खर्च करना, स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता देना और बचत की आदत विकसित करना वर्तमान समय की आवश्यकता है। डिजिटल माध्यमों से कीमतों की तुलना कर बेहतर विकल्प चुनना भी खर्च कम करने में मददगार हो सकता है।

महंगाई केवल आर्थिक आंकड़ों का विषय नहीं है, बल्कि यह करोड़ों भारतीय परिवारों के जीवन स्तर, पोषण, शिक्षा और भविष्य की संभावनाओं से जुड़ा प्रश्न है। यदि आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में इसी प्रकार निरंतर वृद्धि होती रही तो इसका प्रभाव केवल घरेलू बजट तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि सामाजिक और आर्थिक विकास की गति पर भी पड़ेगा। इसलिए सरकार, उद्योग जगत और उपभोक्ताओं—तीनों को मिलकर संतुलित और दीर्घकालिक समाधान तलाशने होंगे। आज आवश्यकता इस बात की है कि विकास की चमक केवल आंकड़ों में नहीं, बल्कि आम आदमी की थाली, रसोई और जेब में भी दिखाई दे। जब तक महंगाई पर प्रभावी नियंत्रण नहीं होगा, तब तक आर्थिक प्रगति का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पूरी तरह नहीं पहुंच पाएगा। महंगाई की चुनौती केवल सरकार की नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र की साझा चुनौती है, जिसका समाधान सामूहिक प्रयासों से ही संभव है।

देश दुनिया से

भिवानी से इंकार, चाहिए जिला हिसार

लोकतंत्र केवल मतदान की व्यवस्था का नाम नहीं है, बल्कि यह जनता की जरूरतों, सुविधाओं और आकांक्षाओं के अनुरूप शासन चलाने की सतत प्रक्रिया भी है। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रशासनिक सीमाएँ स्थायी नहीं होतीं। समय, परिस्थितियों, जनसंख्या, विकास और जनसुविधा की आवश्यकताओं के अनुसार उनका पुनर्गठन किया जाता है। प्रशासनिक इकाइयों का निर्माण इसलिए किया जाता है ताकि नागरिकों को शासन और सरकारी सेवाओं तक आसान पहुँच मिल सके। यदि कोई प्रशासनिक व्यवस्था जनता के लिए सुविधा के बजाय असुविधा का कारण बनने लगे, तो उसके पुनर्विचार की आवश्यकता स्वाभाविक और न्यायसंगत हो जाती है। हरियाणा के सिवानी उपमंडल को जिला भिवानी से अलग कर जिला हिसार में शामिल करने की मांग इसी प्रकार की एक व्यावहारिक, तार्किक और जनहितकारी मांग है, जो पिछले लगभग दस वर्षों से लगातार उठाई जा रही है। यह मांग किसी राजनीतिक लाभ, क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धा या भावनात्मक आवेग का परिणाम नहीं है। इसके पीछे सिवानी क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति, परिवहन व्यवस्था, आर्थिक गतिविधियाँ, सामाजिक संबंध और प्रशासनिक आवश्यकताएँ जैसे अनेक ठोस कारण हैं। अगस्त 2016 में कुछ जागरूक नागरिकों और समाजसेवियों द्वारा प्रारंभ किया गया यह अभियान धीरे-धीरे पूरे क्षेत्र की सामूहिक आवाज बन गया। उस समय यह एक विचार था, लेकिन आज यह हजारों लोगों की साझा आकांक्षा का स्वरूप ग्रहण कर चुका है।इस मांग की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता इसकी निरंतरता और जनाधार है। आंदोलन की औपचारिक शुरुआत अगस्त 2016 में हुई, जब छह जागरूक नागरिकों—बड़वा के प्रमुख समाजसेवी महेंद्र लखेरा, सुनील सिंहमार (एडवोकेट), लाल सिंह 'लालू', डॉ. सत्यवान सौरभ, सुरेंद्र भुक्कल और मुकेश भुक्कल—ने मिलकर इस प्रश्न को व्यक्तिगत असुविधा से ऊपर उठाकर जनहित के मुद्दे के रूप में सामने रखा। उस समय शायद किसी ने नहीं सोचा था कि यह पहल आने वाले वर्षों में सिवानी की सामूहिक चेतना का स्वर बन जाएगी। प्रारंभ में यह

संघर्ष कुछ बैठकों, ज्ञापनों और विचार-विमर्श तक सीमित रहा, लेकिन जैसे-जैसे आम लोगों ने अपनी रोजमर्रा की समस्याओं को इस मांग से जुड़ा पाया, वैसे-वैसे आंदोलन का दायरा बढ़ता गया। किसानों, व्यापारियों, विद्यार्थियों, कर्मचारियों और सामाजिक संगठनों ने इस मुद्दे को अपना समर्थन देना शुरू किया। परिणामस्वरूप यह अभियान किसी व्यक्ति, समिति या संगठन विशेष की पहल न रहकर पूरे सिवानी उपमंडल की साझा आवाज़ बन गया। लगभग एक दशक से शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक ढंग से जारी यह संघर्ष इस बात का प्रमाण है कि यह मांग किसी क्षणिक भावना का परिणाम नहीं, बल्कि क्षेत्र की वास्तविक आवश्यकताओं और जनसुविधा से जुड़ा एक गंभीर विषय है। यदि इस विषय को भौगोलिक दृष्टि से देखा जाए तो सिवानी का हिसार से जुड़ाव कहीं अधिक स्वाभाविक प्रतीत होता है। सिवानी क्षेत्र के अनेक गाँव हिसार के अपेक्षाकृत निकट हैं, जबकि भिवानी उनसे काफी दूर पड़ता है। कई स्थानों पर हिसार की दूरी लगभग 25 से 30 किलोमीटर है, जबकि भिवानी पहुँचने के लिए 65 से 70 किलोमीटर या उससे अधिक का सफर तय करना पड़ता है। यह अंतर केवल दूरी का नहीं है, बल्कि समय, धन और श्रम का भी है। एक सामान्य नागरिक, किसान, विद्यार्थी या व्यापारी के लिए यह अतिरिक्त दूरी उसकी दैनिक दिनचर्या और आर्थिक स्थिति पर सीधा प्रभाव डालती है। प्रशासनिक कार्यों के लिए जब लोगों को अधिक समय और संसाधन खर्च करने पड़ें, तो यह व्यवस्था की उपयोगिता पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। परिवहन व्यवस्था की दृष्टि से भी सिवानी का जीवन हिसार से अधिक जुड़ा हुआ दिखाई देता है। हिसार के लिए नियमित बस सेवाएँ, साझा वाहन और अन्य परिवहन साधन अपेक्षाकृत अधिक उपलब्ध हैं। लोग दैनिक कार्यों, शिक्षा, रोजगार और व्यापार के लिए आसानी से हिसार आ-जा सकते हैं। इसके विपरीत भिवानी की यात्रा कई बार अधिक समय लेने वाली और असुविधाजनक साबित होती है। अनेक लोगों को बसें बदलनी पड़ती हैं या लंबे समय तक प्रतीक्षा करनी पड़ती है। प्रशासनिक दृष्टि से किसी क्षेत्र को ऐसे जिले से जोड़ना जहाँ पहुँचने में जनता को कम समय और कम खर्च लगे, सुशासन की मूल भावना के अनुरूप माना जाता है। सिवानी क्षेत्र की शिक्षा और स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं पर दृष्टि डालें तो स्थिति और अधिक स्पष्ट हो जाती है। उच्च शिक्षा के लिए विद्यार्थी बड़ी संख्या में हिसार का रुख करते हैं। विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, तकनीकी संस्थान और अन्य शैक्षणिक सुविधाएँ हिसार में केंद्रित हैं। इसी प्रकार विशेष चिकित्सा सेवाओं, बड़े अस्पतालों और विशेषज्ञ डॉक्टरों के लिए भी लोगों की प्राथमिक निर्भरता हिसार पर है। जब किसी क्षेत्र की अधिकांश जनसंख्या अपनी प्रमुख आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए स्वाभाविक रूप से किसी एक शहर की ओर जाती हो, तो प्रशासनिक व्यवस्था को भी उस वास्तविकता को समझना चाहिए। वर्तमान स्थिति में प्रशासनिक आदेश भिवानी से संचालित होते हैं, जबकि जीवन की आवश्यकताएँ हिसार से पूरी होती हैं। यही विरोधाभास वर्षों से जनता को असुविधा का सामना करने के लिए मजबूर कर रहा है। आर्थिक दृष्टि से भी सिवानी का जुड़ाव हिसार से गहरा है। किसानों की कृषि उपज, व्यापारियों के व्यावसायिक संबंध, बाजारों की गतिविधियाँ और रोजगार के अवसर बड़ी मात्रा में हिसार से जुड़े हुए हैं। हिसार क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र है और सिवानी के लोग स्वाभाविक रूप से उससे जुड़े हुए हैं।

आप का नज़रिया

बचपन की मिठास को कड़वे पसीने में बदलती यह निर्दयी दुनिया

किसी भी समाज का भविष्य बच्चों की आँखों में बसता है। जब उन आँखों के सपने स्कूल की चौखट तक पहुँचने से पहले ही श्रम की धूल में खो जाएँ, जब नन्हे हाथ खिलौनों और किताबों के बजाय बोझ और औजार उठाने लगें, तब समझ लेना चाहिए कि कहीं न कहीं मानवता हार रही है। 12 जून का विश्व बाल श्रम निषेध दिवस इसी पीड़ा की याद दिलाता है—यह उन करोड़ों बच्चों की मौन पुकार है जिनसे उनका बचपन छिन गया। तकनीकी युग में भी असंख्य बच्चे श्रम की बेड़ियों में जकड़े हैं। किसी राष्ट्र की सच्ची समृद्धि उसके सुरक्षित, शिक्षित और सम्मानजनक बचपन से मापी जाती है; बचपन असुरक्षित हो तो विकास फीका पड़ जाता है। आँकड़े बताते हैं कि बाल श्रम के विरुद्ध लड़ाई अभी अधूरी है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन और यूनिसेफ की 2025 की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024 में भी दुनिया के लगभग 138 मिलियन बच्चे बाल श्रम में फँसे हुए थे, जिनमें 54 मिलियन बच्चे ऐसे खतरनाक कार्य कर रहे थे जो उनके जीवन, स्वास्थ्य और भविष्य के लिए सीधा खतरा हैं। निस्संदेह, वर्ष 2000 के 246 मिलियन की तुलना में यह संख्या लगभग आधी हुई है, पर संतोष का कोई कारण नहीं है। संयुक्त राष्ट्र का सतत विकास लक्ष्य 8.7, जिसके तहत 2025 तक बाल श्रम समाप्त करने का संकल्प था, पूरा नहीं हो सका। प्रयासों ने तस्वीर बदली है, लेकिन हकीकत नहीं; जब तक आखिरी बच्चा भी श्रम से मुक्त नहीं होता, तब तक हर उपलब्धि अधूरी रहेगी। बाल श्रम का वैश्विक भूगोल भी गहरी चिंता पैदा करता है। उप-सहारा अफ्रीका में लगभग 87 मिलियन बच्चे बाल श्रम में फँसे हैं, जो विश्व के कुल बोझ का लगभग दो-तिहाई है। एशिया-प्रशांत क्षेत्र में संख्या 49 मिलियन से घटकर 28 मिलियन हुई है, पर राहत अभी अधूरी है। आज भी लगभग 61 प्रतिशत बाल श्रमिक कृषि क्षेत्र में कार्यरत हैं। खेतों, बागानों और पशुपालन में खपते इन बच्चों के श्रम का हिसाब मिलता है, लेकिन उनके खोए बचपन का नहीं। घरेलू काम, छोटे कारखाने, बाजार, निर्माण स्थल और वैश्विक आपूर्ति शृंखलाएँ भी बाल श्रम के छिपे केंद्र बने हुए हैं। विडंबना यह है कि हम उत्पादों की चमक देखते हैं, पर उनके पीछे खोया बचपन नहीं। भारत की स्थिति किसी भी तरह के आत्मसंतोष की गुंजाइश नहीं छोड़ती। आधिकारिक आँकड़ों में लाखों बच्चे बाल श्रम में दर्ज हैं, जबकि विशेषज्ञ इसे इससे कहीं अधिक मानते हैं। कृषि, पटाखा, चमड़ा, काँच उद्योग, खदानें और शहरी घरेलू कार्य—हर जगह बचपन श्रम में उलझा दिखता है। महामारी के बाद बढ़ी गरीबी, मानव तस्करी, पारिवारिक मजबूरियाँ और जलवायु संकट ने इस समस्या को और गहरा कर दिया है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि आज श्रम में खोया हर बच्चा कल की प्रतिभा हो सकता था। बाल श्रम दरअसल भविष्य की संभावनाओं की चोरी है। कानून मौजूद हैं, पर उनका प्रभावी क्रियान्वयन अब भी कमजोर है—एफआईआर बढ़ती हैं, लेकिन दोषसिद्धि कम।बाल श्रम केवल अर्थव्यवस्था का मुद्दा नहीं, बल्कि समाज की नैतिक परीक्षा है। एक ओर हम बच्चों को देवतुल्य मानकर पूजते हैं, दूसरी ओर वही व्यवस्था उन्हें सबसे सस्ता श्रमिक बना देती है। गरीबी, अशिक्षा, वयस्कों के लिए रोजगार की कमी और कमजोर सामाजिक सुरक्षा—ये चार आधार बाल श्रम को मजबूती देते हैं। आजीविका के दबाव में परिवार बच्चों को भी श्रम की ओर धकेल देते हैं। साथ ही जलवायु परिवर्तन, आर्थिक संकट, संघर्ष और युद्ध जैसी वैश्विक परिस्थितियाँ उनके बचपन को और संकुचित कर रही हैं। स्पष्ट है कि समाधान केवल बच्चों को काम से हटाने में नहीं, बल्कि उन सामाजिक-आर्थिक कारणों को बदलने में है जो उन्हें वहाँ पहुँचाते हैं।

12 जून का विश्व बाल श्रम निषेध दिवस इसी पीड़ा की याद दिलाता है—यह उन करोड़ों बच्चों की मौन पुकार है जिनसे उनका बचपन छिन गया। तकनीकी युग में भी असंख्य बच्चे श्रम की बेड़ियों में जकड़े हैं। किसी राष्ट्र की सच्ची समृद्धि उसके सुरक्षित, शिक्षित और सम्मानजनक बचपन से मापी जाती है; बचपन असुरक्षित हो तो विकास फीका पड़ जाता है। आँकड़े बताते हैं कि बाल श्रम के विरुद्ध लड़ाई अभी अधूरी है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन और यूनिसेफ की 2025 की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024 में भी दुनिया के लगभग 138 मिलियन बच्चे बाल श्रम में फँसे हुए थे, जिनमें 54 मिलियन बच्चे ऐसे खतरनाक कार्य कर रहे थे जो उनके जीवन, स्वास्थ्य और भविष्य के लिए सीधा खतरा हैं। निस्संदेह, वर्ष 2000 के 246 मिलियन की तुलना में यह संख्या लगभग आधी हुई है, पर संतोष का कोई कारण नहीं है। संयुक्त राष्ट्र का सतत विकास लक्ष्य 8.7, जिसके तहत 2025 तक बाल श्रम समाप्त करने का संकल्प था, पूरा नहीं हो सका। प्रयासों ने तस्वीर बदली है, लेकिन हकीकत नहीं; जब तक आखिरी बच्चा भी श्रम से मुक्त नहीं होता, तब तक हर उपलब्धि अधूरी रहेगी। बाल श्रम का वैश्विक भूगोल भी गहरी चिंता पैदा करता है। उप-सहारा अफ्रीका में लगभग 87 मिलियन बच्चे बाल श्रम में फँसे हैं, जो विश्व के कुल बोझ का लगभग दो-तिहाई है। एशिया-प्रशांत क्षेत्र में संख्या 49 मिलियन से घटकर 28 मिलियन हुई है, पर राहत अभी अधूरी है। आज भी लगभग 61 प्रतिशत बाल श्रमिक कृषि क्षेत्र में कार्यरत हैं। खेतों, बागानों और पशुपालन में खपते इन बच्चों के श्रम का हिसाब मिलता है, लेकिन उनके खोए बचपन का नहीं। घरेलू काम, छोटे कारखाने, बाजार, निर्माण स्थल और वैश्विक आपूर्ति शृंखलाएँ भी बाल श्रम के छिपे केंद्र बने हुए हैं।

कुछ अलग

महंगाई के दौर में देखो कितनी सस्ताई

इन दिनों में महंगाई का शोर इतना है जनाब कि बेचारी सस्ताई की बात कोई सुन ही नहीं रहा है। महंगाई के सामने सस्ताई का हाल वैसा बिल्कुल भी नहीं है, जैसे झूठ के सामने सच का हो जाता है या जैसे दबंग के सामने कमजोर का हो जाता है। सस्ताई भी अपनी पूरी ताकत के साथ महंगाई के सामने डटी हुई है और लोग मान भी रहे हैं कि हां भाई, मुकाबला तो कांटे का है, लेकिन यह कुछ-कुछ वैसा ही मुकाबला है जैसे किसी लहीम-सहीम पहलवान के सामने कोई सींकिया पहलवान अपनी जिद में डटकर खड़ा हो जाए। अब यह जिद देखिए साहब कि जब यह कहा जा रहा है कि हमारे देश में चुनाव बड़े महंगे हो गए हैं और कि जब तक करोड़ों क्या, हजार करोड़ न हों, कोई चुनाव लड़ ही नहीं सकता। उसी दौर में बंगाल में मोदीजी ने दस रुपये की झालमुड़ी खाकर अपनी पार्टी को चुनाव जितवा दिया। इससे ज्यादा सस्ताई और क्या आएगी बताइए। रही भाजपा की बात, तो भैया चित्त भी उसकी और पट भी उसकी। करोड़ों-अरबों का चंदा भी उसका और दस रुपये की झालमुड़ी भी उसकी। अब आगे देखिए लोग कह रहे हैं कि जनाब यह ऐसा दौर है कि जब तक हजार-पांच सौ करोड़ अंटी में न हों, तब तक कोई राजनीतिक पार्टी बना ही नहीं सकता। लेकिन बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के सांसद और विधायक फ्री में पार्टी बना रहे हैं। वहां एक दिन विधायक इकट्ठे होते हैं और घोषणा कर देते हैं कि हम अलग पार्टी बना रहे हैं और उनकी पार्टी बन भी जाती है। फिर एक दिन सांसद कहते हैं कि हम अलग पार्टी बना रहे हैं और पार्टी बन भी जाती है। जब इस दौर में हर कोई यह स्वीकार कर रहा है कि भैया घोड़ामंडी में सांसदों और विधायकों की कीमत सौ-पचास करोड़ से कम कतई नहीं होती, उस दौर में तृणमूल कांग्रेस के सांसद और विधायक फ्री में मिल रहे हैं।

दृष्टि कोण

असम-नगालैंड के बीच दशकों का विवाद खत्म, तेल समझौता संपन्न, शाह ने पूर्वोत्तर का भाग्य ही बदल दिया

ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही मोदी सरकार को पूर्वोत्तर से एक बड़ी रणनीतिक सफलता मिली है। केंद्र, असम और नगालैंड के बीच तेल और प्राकृतिक गैस अन्वेषण को लेकर हुआ त्रिपक्षीय समझौता भारत को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के अभियान का निर्णायक अध्याय है। दशकों से विवाद और अस्थिरता में फंसे असम, नगालैंड सीमा क्षेत्र में तेल खोज का रास्ता खोलकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस मिशन को नई ताकत दे दी है, जिसका लक्ष्य विदेशी तेल निर्भरता घटाकर भारत को ऊर्जा महाशक्ति बनाना है। यही वजह है कि अमित शाह ने इसे विकसित पूर्वोत्तर और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया है। हम आपको बता दें कि केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में भारत सरकार, असम सरकार और नगालैंड सरकार के बीच असम-नगालैंड सीमावर्ती क्षेत्रों में खनिज तेल संचालन के संबंध में एक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस मौके पर केन्द्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी, असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा और नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो सहित केंद्र, असम एवं नगालैंड सरकार के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। अमित शाह ने इसे ऐतिहासिक क्षण बताते हुए साफ कहा कि इस समझौते ने विकसित पूर्वोत्तर के रास्ते में खड़ी अंतिम बड़ी बाधा हटा दी है। हम आपको बता दें कि असम और नगालैंड की सीमा से लगे विवादित क्षेत्र में तीन दशक से अधिक समय से तेल और खनिज अन्वेषण ठप पड़ा था। अधिकार क्षेत्र को लेकर दोनों राज्यों के बीच तनाव बना रहता था, जिसके कारण हजारों करोड़ रुपये की संपदा जमीन के नीचे दबी रह गई। अब इस समझौते के तहत एक हजार वर्ग किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में तेल, गैस और खनिज संसाधनों की खोज और उत्पादन का रास्ता खुल गया है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि दोनों राज्यों ने संसाधनों के बंटवारे पर 50-50 की सहमति बनाई है। यही वह राजनीतिक परिपक्वता है जिसने इस समझौते

को टकराव से निकालकर साझेदारी के मॉडल में बदल दिया। अमित शाह ने दावा किया कि इस एक समझौते से प्रतिदिन एक हजार से पंद्रह सौ बैरल तेल उत्पादन क्षमता को दस गुना तक बढ़ाया जा सकता है। केवल एक तेल क्षेत्र से पंद्रह हजार करोड़ रुपये से अधिक की संभावित प्राप्ति का अनुमान जताया गया है। यह बयान केवल आर्थिक संभावना का संकेत नहीं, बल्कि उस रणनीतिक दिशा का संकेत है जिसमें भारत तेजी से आगे बढ़ना चाहता है। वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव, पश्चिम एशिया में अस्थिरता और ऊर्जा आपूर्ति संकटों के दौर में भारत लंबे समय से आयातित तेल पर निर्भरता घटाने की कोशिश कर रहा है। ऐसे समय में पूर्वोत्तर के विशाल तेल और गैस भंडार भारत के लिए नई ऊर्जा रीढ़ साबित हो सकते हैं। दरअसल यह समझौता केवल तेल निकालने का मसला नहीं है। यह पूर्वोत्तर को संघर्ष की पहचान से निकालकर सामरिक और आर्थिक शक्ति केंद्र में बदलने की कवायद है। अमित शाह ने कहा कि यदि नगालैंड में फैले तेल और गैस भंडार का पूरा दोहन हुआ तो भारत विदेशी देशों पर अपनी ऊर्जा निर्भरता काफी हद तक कम कर सकेगा। इसका सीधा मतलब है कि भारत अपने ऊर्जा हितों को लेकर अधिक स्वतंत्र रणनीति अपना सकेगा। देखा जाये तो ऊर्जा आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक मुद्दा नहीं होती, यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मूल तत्व बन चुकी है। साथ ही इस पूरे घटनाक्रम का दूसरा बड़ा पहलू सुरक्षा और शांति से जुड़ा है। अमित शाह ने पूर्वोत्तर में हिंसा की घटनाओं में लगभग अस्सी प्रतिशत गिरावट का दावा करते हुए कहा कि वर्ष 2019 के बाद 12 शांति समझौते हुए हैं।

बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में भारतीय बैडमिंटन दल की अगुवाई करेंगी सिंधु

नई दिल्ली

बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (बीडब्ल्यूएफ) विश्व चैंपियनशिप 17 से 23 अगस्त तक नई दिल्ली में होगी। इसमें 10 सदस्यीय भारतीय बैडमिंटन टीम की अगुवाई ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधु करेगी। बीडब्ल्यूएफ ने इस टूर्नामेंट के लिए क्वालिफिकेशन सूची जारी कर दी है, जिसमें भारत के कुल 10 खिलाड़ियों को पांच स्पर्धाओं में उतरने का अवसर मिला है। इन खिलाड़ियों में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की देश की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी भी शामिल है। सिंधु को बीडब्ल्यूएफ के नियमों के तहत मेजबान देश की प्रतिनिधि के तौर पर महिला एकल ड्रा में जगह मिली है। यह क्वालिफिकेशन सूची 28 अप्रैल की वर्ल्ड बैडमिंटन रैंकिंग पर आधारित है, जिसमें पुरुष और महिला एकल में 64-64 खिलाड़ी और प्रत्येक युगल स्पर्धा में 48-48 जोड़ियां शामिल हैं। नियमानुसार, विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में प्रत्येक वर्ग में भारत के दो खिलाड़ियों को सीधे प्रवेश मिला है। वहीं पुरुष एकल वर्ग में देश का प्रतिनिधित्व लक्ष्य सेन और आयुष शेट्टी करेंगे, जिन्होंने अपनी रैंकिंग के बल पर प्रवेश हासिल किय है। वहीं, महिला एकल में सिंधु के साथ उभरती खिलाड़ी उन्नति हुड्डा को भी जगह मिली है। पुरुष यगल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी को भी शामिल किया गया है। पुरुष युगल की बात करें तो हरिहरन अमसाकरुणन और एमआर अर्जुन को अवसर मिला है।

दूसरी ओर महिला युगल में 30वें स्थान पर कायम ट्रेसा जाली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी भारत की ओर से चुनौती पेश करेगी, जबकि कविप्रिया सेल्वम और सिमरन सिंघी ने दूसरी भारतीय जोड़ी के रूप में प्रवेश हासिल किया है। मिश्रित युगल स्पर्धा में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो ने 21वें स्थान के साथ अपनी जगह बनाई है, और उनके साथ रोहन कपूर और रुत्विका शिवानी गड्डे देश के लिए दूसरी मिश्रित युगल जोड़ी के तौर पर खेलेंगे। इनके अलावा रिजर्व सूची में पुरुष एकल में विश्व चैंपियनशिप किदांबी श्रीकांत और एचएस प्रणय, तथा महिला एकल में तन्वी शर्मा, अनमोल खरब, मालविका बंसोड़ और तस्नीम मीर हैं।बीडब्ल्यूएफ ने यह भी कहा है कि सभी पांच कैटेगरी में मौजूदा चैंपियन खिलाड़ियों ने चैंपियनशिप में अपनी भागीदारी की पुष्टि कर दी है।

न्यूज ब्रीफ

गुरबाज अफगानिस्तान की ओर से सबसे तेज शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बने

धर्मशाला । अफगानिस्तान के युवा सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज ने भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ यहां पहले ही एकदिवसीय में अपनी शतकीय पारी से एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। अब गुरबाज अफगानिस्तान की ओर से सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गये हैं। इससे पहले ये रिकार्ड विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद शहजाद के नाम था, शहजाद ने 72 गेंदों में शतक लगाया था। वहीं गुरबाज ने केवल 48 गेंदों में अपना नौवां एकदिवसीय शतक लगाया। यह अफगानिस्तान के बल्लेबाज का सबसे तेज एकदिवसीय शतक होने के साथ ही भारतीय टीम के खिलाफ भी सबसे तेज शतक है। गुरबाज ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। उन्होंने भारतीय तेज गेंदबाजों को जरा भी अवसर नहीं दिया। गुरबाज ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से गेंदबाजों पर दबाव बना मैदान के हर कोने में चौके और छक्के लगाये। गुरबाज ने कुल 51 गेंदों पर 200.00 के स्ट्राइक रेट से 102 रन बनाए। उन्होंने 8 शानदार चौके और 8 छक्के लगाये। भारतीय आलराउंडर नीतीश रेड्डी का वह शिकार बने।

रोहित सलामी बल्लेबाज के तौर पर 16,000 रन बनाने वाले भारत के दूसरे बल्लेबाज बने

धर्मशाला। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी सलामी बल्लेबाज शर्मा ने अफगानिस्तान के खिलाफ पहले ही

एकदिवसीय क्रिकेट में अपने 16000 रन पूरे कर लिए। सलामी बल्लेबाज के तौर पर वह ये उपलब्धि हासिल करने वाले भारत के दूसरे और विश्व के सातवे खिलाड़ी बन गये हैं। उनसे पहले भारतीय टीम की ओर से इतने रन पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने बनाये थे। रोहित का 16000 पर पहुंचने के लिए केवल 6 रन चाहिये थे। रोहित ने मैच में पहला छक्का लगाते ही ये रिकार्ड बना दिया। वह मैच में 16 रन बनाकर आउट हुए। इस मैच से पहले बतौर सलामी बल्लेबाज उनके नाम 15,994 रन दर्ज थे। रोहित ने अपने 16000 रन अपनी 384वीं अंतरराष्ट्रीय पारी में बनाये हैं। सलामी बल्लेबाजक के तौर पर 16,000 अंतरराष्ट्रीय रनों का आंकड़ा पार करना कोई मामूली बात नहीं है। रोहित अब दुनिया के उन गिने-चुने दिग्गजों की सूची में शामिल हो गए हैं जिन्होंने क्रिकेट जगत पर राज किया है। इस एलीट क्लब में अब रोहित से पहले श्रलंका के सनथ जयसूर्या, वेस्टइंडीज के क्रिस गेल, आस्ट्रेलिया के डेविड वार्नर, दक्षिण अफ्रीका के ग्रीम स्मिथ, वेस्टइंडीज के डेसमंड हेन्स और भारत के वीरेंद्र सहवाग जैसे खिलाड़ी शामिल थे। वहीं अगर विश्व क्रिकेट में बतौर सलामी बल्लेबाज सबसे ज्यादा रनों की बात करें तो श्रीलंका के पूर्व कप्तान सनथ जयसूर्या 19,298 रनों के साथ इस सूची में नंबर एक पर है। वेस्टइंडीज के यूनिवर्स बास क्रिस गेल 18,867 रनों के साथ दूसरे और आस्ट्रेलिया के आक्रामक बल्लेबाज डेविड वार्नर 18,744 रनों के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

तो सचिन-विराट को भी पीछे छोड़ देंगे वैभव : स्टेन

जोहांसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन भी 15 साल के वैभव सूर्यवंशी की आक्रामक बल्लेबाजी देखकर हैरान हैं। स्टेन का मानना है कि जिस प्रकार से वैभव खेल रहे हैं, अगर उसी तरीके से खेलते रहे तो भविष्य में वह सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली को भी पीछे छोड़ देंगे। एक कार्यक्रम में जब स्टेन से वैभव को लेकर पूछा गया, तो उन्होंने कहा, वैभव एक असाधारण प्रतिभा है। वह इस समय दुनिया के अधिकांश अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों से बेहतर खेल रहा है। वह भारतीय क्रिकेट का बाय वंडर और एक अनमोल खजाना है। स्टेन की ये बातें वैभव की अविश्वसनीय प्रतिभा और उनके खेल पर उनके गहरे भरोसे को दिखाती हैं। वैभव ने आईपीएल के 19 वें सत्र में कुल 16 मैचों में 776 रन बनाए थे। उन्होंने लगभग 48.50 के औसत और 237.30 के अविश्वसनीय स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की थी। ऐसा करना टी20 क्रिकेट में बेहद कठिन है। वैभव ने आईपीएल में 72 छक्के लगाकर सर्वाधिक छक्कों के क्रिस गेल के रिकार्ड को भी तोड़ा था। स्टेन ने यहां तक कहा , जब आप सचिन या विराट जैसे महान खिलाड़ियों के बारे में सोचते हैं, तो आपको लगता है कि इससे बड़ा कोई नहीं हो सकता पर यह बच्चा आने वाले समय में एक ऐसा धमाका करने वाला है कि अपने करियर के अंत तक वह इन दोनों दिग्गजों से भी आगे निकल जाएगा।

सिंधिया कप पर चंबल घड़ियाल्स का कब्ज़ा खिताबी मुहाने पर टूटा ग्वालियर का दिल

फायनल में ग्वालियर शेरनीस को 2 रनों से दी शिकस्त; नुज़हत की 81 रनों की साहसी पारी पर भारी पड़ी कनिष्का की फिफ्टी

इंदौर

होल्कर स्टेडियम की दुधिया रोशनी में शनिवार की रात मध्य प्रदेश लीग टी-20 महिला सिंधिया कप का ऐसा फाइनल मुकाबला खेला गया, जिसकी दास्तान बरसों तक याद रखी जाएगी। अंतिम गेंद तक सांसे रोक देने वाले इस मुकाबले में चंबल घड़ियाल्स ने ग्वालियर शेरनीस को बेहद रोमांचक अंदाज़ में महज 2 रनों से धूल चटाकर पहली ऐतिहासिक खिताबी ट्राफी पर अपना कब्जा जमा लिया।

चंबल घड़ियाल्स के 146 रनों के जवाब में ग्वालियर शेरनीस की टीम निर्धारित 20 ओवरों में 5 विकेट खोकर 144 रन ही बना सकी और जीत की दहलीज पर आकर उसका दिल टूट गया।

कनिष्का ठाकुर ने रखी चंबल की खिताबी बुनियाद

खिताबी भिड़ंत में पहले बल्लेबाजी करने उतरी चंबल घड़ियाल्स की शुरुआत दमदार रही। सलामी बल्लेबाज कनिष्का ठाकुर ने दबाव वाले इस फाइनल मैच में शानदार खेल दिखाते हुए महज 37 गेंदों में 7 चौकों और 1 छक्के की मदद से 50 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। मध्यक्रम में राहिला फिरदौस (29 रन) और अंतिम ओवरों में वैष्णवी सिंह के नाबाद 26 रनों के योगदान की बदौलत चंबल ने 20 ओवरों में 4 विकेट खोकर 146 रनों का एक चुनौतीपूर्ण और सम्मानजनक स्कोर खड़ा किया। ग्वालियर शेरनीस की ओर से उन्नति बगोरा (1/19) और तन्वी उपाध्याय (1/26) ही कुछ प्रभाव छोड़ सकीं।

शेरनी जैसी लड़ीं, पर अकेली पड़ीं नुज़हत, टूट गया खिताबी सपना

147 रनों के ऐतिहासिक लक्ष्य का पीछा करने उतरी ग्वालियर शेरनीस की शुरुआत बेहद धीमी रही, जब ओपनर आशना पाटीदार सिर्फ 10 रन पर रनआउट हो गईं। इसके बाद विकेटकीपर बल्लेबाज नुज़हत मसीह परवीन ने मैदान पर कदम रखा और अकेले दम पर मैच का पासा पलटना शुरू किया। नुज़हत ने चंबल के गेंदबाजों की क्लास लेते हुए 66 गेंदों में 8 चौकों और 2 छक्कों की मदद से नाबाद 81 रनों की हैरतअंगेज और जुझारू पारी खेली। उन्हें ईशाना स्वामी (29 रन) का अच्छा साथ मिला, लेकिन मध्यक्रम के अन्य बल्लेबाजों का साथ न मिलना टीम को भारी पड़ गया।

आखिरी ओवरों में जब मैच हाथ से फिसलता दिख रहा था, तब चंबल घड़ियाल्स की गेंदबाजों ने अपनी नसों पर काबू रखा। धनी बुचाडे ने 4 ओवर में 38 रन देकर 2 सबसे महत्वपूर्ण विकेट चटकाए, जिसने ग्वालियर की रन गति पर ब्रेक लगाया। वहीं अदिति पनवार ने 4 ओवर में महज 3.50 की इकानमी से सिर्फ 14 रन देकर 1 विकेट लिया, जो इस कम स्कोर वाले मैच में निर्णायक साबित हुआ।

ग्वालियर शेरनीस को खिताबी जीत के लिए आखिरी 6 गेंदों में 20 रनों की दरकार थी। नुज़हत ने ओवर की दूसरी गेंद पर चौका जड़ा, जिसके बाद अंतिम 3 गेंदों पर 15 रन चाहिए थे। चौथी गेंद पर नुज़हत ने गगनचुंबी छक्का जड़कर मैच का रोमांच चरम पर पहुंचा दिया। दबाव में गेंदबाज ने अगली गेंद नो-बाल फेंक दी, जिस पर दौड़कर 2 रन भी बने (कुल 3 रन मिले)। अब अंतिम गेंद पर जीत के लिए 6 रनों की जरूरत थी। चंबल की गेंदबाज ने सटीक यार्कर फेंकी, जिस पर नुज़हत केवल चौका ही बटोर सकीं। ग्वालियर की टीम 144 रन तक तो पहुंची, लेकिन लक्ष्य से महज़ 2 रन पीछे रह गई और चंबल घड़ियाल्स ने पहली ऐतिहासिक ट्राफी पर कब्जा कर लिया। कनिष्का ठाकुर प्लेयर आफ द मैच चुनी गईं।

संक्षिप्त स्कोर

चंबल घड़ियाल्स विमेन : 146/4 (20 ओवर) कनिष्का ठाकुर 50, राहिला फिरदौस 29; उन्नति बगोरा 1/19.

ग्वालियर शेरनीस विमेन : 144/5 (20 ओवर) नुज़हत मसीह परवीन 81*, ईशाना स्वामी 29; धनी बुचाडे 2/38।

शुभमन एकदिवसीय में सबसे तेज 3000 रन पूरे करने वाले भारतीय बल्लेबाज बने

धर्मशाला

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के पहले ही मैच में 47 रन बनाते ही एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में अपने 3000 रन पूरे कर लिए। इसके साथ ही शुभमन के नाम एक बड़ी उपलब्धि दर्ज हो गयी है। वह सबसे तेज 3000 एकदिवसीय रन पूरे करने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने यह रिकार्ड केवल 62 पारियों में ही पूरा कर दिया। इसी के साथ ही विश्व भर में सबसे तेज 3000 रन एकदिवसीय रन बनाने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गये हैं। इससे पहले ये रिकार्ड दक्षिण अफ्रीका के हाशिम आमला के नाम दर्ज था।

शुभमन ने इस आंकड़े तक पहुंचने के साथ ही भारतीय टीम के पूर्व दिग्गज सलामी बल्लेबाज शिखर धवन का रिकार्ड भी तोड़ दिया है। अब तक भारत में सबसे तेज इससे 3000 एकदिवसीय रन बनाने के मामले में धवन पहले ही नंबर पर थे। उन्होंने 72 पारियों में यह आंकड़ा हासिल किया था। वहीं शुभमन ने केवल 62 पारियों में अपने 3000 रन पूरे करने के मामले में ध्वन को पीछे छोड़ा।

62 पारियों में 3000 रन पूरे कर शुभमन ने वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप और पाकिस्तानी खिलाड़ी फखर जमान और इमाम उल हक को तीसरे नंबर पर धकेल दिया। इन तीनों ही खिलाड़ियों ने इस मुकाम तक पहुंचने के लिए 67-67 पारियां खेली थीं। अब शुभमन इन सबसे आगे निकल गये हैं। विश्व क्रिकेट में अब केवल दक्षिण अफ्रीका के महान बल्लेबाज हाशिम अमला ही उनसे आगे हैं, जिन्होंने 57 पारियों में यह रिकार्ड बनाया था।

3000 एकदिवसीय रन बनाने वाले दुनिया भर के बल्लेबाजों में शुभमन के बल्लेबाजी का औसत दूसरा दूसरा सबसे बेहतरीन है। शुभमन का औसत 55 से ज्यादा का है। इस मामले में भारत के विराट कोहली (58.71 औसत) के साथ ही पहले नंबर पर हैं। शुभमन का का रन बनाने का स्ट्राइक रेट भी 99 से ज्यादा का है, जो कि काफी अच्छा माना जाता है।

अमेरिका को पहले ही मैच में जीत दिलाने वाले बालोगुन को मिला था दो अन्य देशों से खेलने का प्रस्ताव

न्यूयार्क। फीफा विश्वकप के पहले ही मैच में अमेरिका को पराग्वे के खिलाफ 4-1 से जीत दिलाने वाले फोलारिन बालोगुन नाइजीरियाई मूल के हैं और उनका यहां तक का सफर बेहद कठिन रहा है। उनके जन्म के कुछ समय बाद ही पिता को देश तक छोड़ना पड़ा था। एक समय पर उन्हें इंग्लैंड और नाइजीरिया दोनों देशों से खेलने का प्रस्ताव मिला था पर , फोलारिन ने अमेरिका से खेलने का फैसला किया था। इस फुटबार का जन्म न्यूयार्क के ब्रुकलिन इलाके में नाइजीरियाई माता-पिता के घर हुआ था। उनके पैदा होने के महज़ एक महीने बाद ही उनका परिवार इंग्लैंड चला गया, जहां वे लंदन में पले-बढ़े। उन्होंने आठ साल की छोटी उम्र में ही प्रतिष्ठित आर्सेनल अकादमी में दाखिला ले लिया, जिसने उनके फुटबाल करियर की नींव रखी। युवा स्तर पर उन्होंने इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व किया, लेकिन साथ ही अमेरिका की अंडर-18 टीम के लिए भी खेलते रहे, जिससे तीनों देशों से उनके जुड़ाव का संकेत मिला। फोलारिन के पास अमेरिका के अलावा, अपने माता-पिता के मूल देश नाइजीरिया और अपने पालन-पोषण वाले देश इंग्लैंड की तरफ से खेलने का भी अवसर था पर उन्होंने समझदारी भरा फैसला लेते हुए अमेरिका को चुना क्योंकि वह जानने थे कि इंग्लैंड की टीम में स्टार खिलाड़ियों की भरमार है, ऐसे में वहां राष्ट्रीय टीम में जगह बना पाना एक बड़ी चुनौती होती, जबकि नाइजीरिया फुटबाल में काफी पीछे है।

महिला टी20 विश्व कप : आस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका को 65 रन से रौंदा

मैनचेस्टर

छह बार की चैंपियन आस्ट्रेलिया टीम ने आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 में शानदार शुरुआत करते हुए दक्षिण अफ्रीका को 65 रन से हराकर अपना पहला मुकाबला जीत लिया। एमिरेट्स ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले गए इस मैच में आस्ट्रेलिया ने बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में शानदार प्रदर्शन किया।

टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए आस्ट्रेलिया की शुरुआत खराब रही और शुरुआती विकेट जल्दी गंवाने पड़े। इसके बाद फोबे लिचफील्ड ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए महज 24 गेंदों पर 51 रन बनाए। उनकी तेजतर्रार पारी ने आस्ट्रेलियाई पारी को गति दी और टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

मध्यक्रम में एलिस पेरी ने 36 रन और जार्जिया वेयरहैम ने 32 रन का महत्वपूर्ण योगदान दिया। अंतिम ओवरों में एनाबेल सुदरलैंड ने तेज रन जोड़कर टीम का स्कोर 20 ओवर में 8 विकेट के नुकशान पर 172 रन तक पहुंचा दिया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की टीम शुरुआत से ही दबाव में दिखाई दी। शुरुआती दो विकेट जल्दी गिरने के बाद कप्तान लारा वोल्वार्ड्ट ने 44 रन की संघर्षपूर्ण पारी खेलकर टीम को संभालने का प्रयास किया। उन्होंने नादिन डी क्लर्क के साथ महत्वपूर्ण साझेदारी भी की, लेकिन लगातार गिरते विकेटों के कारण टीम लक्ष्य के करीब नहीं पहुंच सकी।

आस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने नियमित अंतराल पर विकेट लेकर दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी को बिखेर दिया। वेयरहैम ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट हासिल किए, जबकि सोफी मोलिनेक्स और अलाना किंग ने दो-दो विकेट अपने नाम किए।

दक्षिण अफ्रीका की पूरी टीम 16.4 ओवर में 107 रन पर सिमट गई और आस्ट्रेलिया ने 65 रन की बड़ी जीत दर्ज की। इस जीत के साथ आस्ट्रेलिया ने टूर्नामेंट में मजबूत शुरुआत की और अपने खिताब अभियान के लिए सकारात्मक संकेत दिए।

नेशंस कप में दम दिखाने को तैयार भारतीय महिला हाकी टीम, पहला मुकाबला अमेरिका से

नई दिल्ली

भारतीय महिला हाकी टीम न्यूजीलैंड के आकलैंड में हो रहे एफआईएच हाकी महिला नेशंस कप 2025-26 में अपने अभियान की शुरुआत के लिए तैयार है। कप्तान सलीमा टेटे की अगुवाई में भारतीय टीम का लक्ष्य खिताब जीतकर अगले साल होने वाली एफआईएच हाकी प्रो लीग में जगह सुनिश्चित करना है।

भारत अपने पूल ए अभियान का आगाज 15 जून को अमेरिका के खिलाफ करेगा, जबकि इसके बाद उसे जापान और उरुग्वे से मुकाबला करना है। आठ देशों की भागीदारी वाले इस टूर्नामेंट की विजेता टीम को प्रतिष्ठित एफआईएच हाकी प्रो लीग में जगह मिलेगी।

खास बात यह है कि भारत इस टूर्नामेंट में आस्ट्रेलिया के साथ चार मैचों के कड़े दौरे के बाद उतर रहा है, जहां उन्होंने दुनिया की सबसे मजबूत टीमों में से एक के खिलाफ उनके घरेलू मैदान पर शानदार जज्बा दिखाया। पहला मैच करीबी अंतर से हारने के बाद भारतीय टीम ने वापसी करते हुए अगले दो मैचों में जीत हासिल की, लेकिन आस्ट्रेलिया ने आखिरी मैच जीत लिया। इससे यह दोस्ताना सीरीज 2-2 से बराबरी पर खत्म हुई।

इस दौरे ने भारतीय टीम के लिए कई उम्मीद जगाने वाले संकेत दिए। टीम ने दबाव में भी मजबूती दिखाई, खेल के हर चरण में रणनीतिक अनुशासन बनाए रखा और जबरदस्त आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया। इन प्रदर्शनों ने हाल के महीनों में टीम की तरक्की को और पुख्ता किया है।

नेशंस कप की शुरुआत से पहले भारतीय महिला हाकी टीम के मुख्य कोच स्जोर्ड मारिज्ने ने टीम की तैयारी और सोच पर भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि आस्ट्रेलिया का दौरा हमारे लिए बहुत अच्छी तैयारी थी। हम एक टीम के तौर पर सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। अब हमारा पूरा ध्यान नेशंस कप पर है और हम इस मौके का पूरा फायदा उठाना चाहते हैं।

मारिज्ने ने ऐसे टूर्नामेंट में शांत और संयमित रहने की अहमियत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे टूर्नामेंट में अक्सर छोटे-छोटे पल ही सबसे बड़ा फर्क डालते हैं। हमें अनुशासित रहना होगा, एक टीम के तौर पर एकजुट रहना होगा और मिले मौकों का पूरा फायदा उठाना होगा। हमारा मकसद सिर्फ अच्छे नतीजे पाना ही नहीं, बल्कि भविष्य के लिए एक मजबूत आधार बनाना भी है। हम जानते हैं कि उम्मीदें बहुत ज्यादा हैं और खिलाड़ी देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित हैं।

हाकी इंडिया के अध्यक्ष डा. दिलीप टिर्की ने टूर्नामेंट से पहले टीम को सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि महिला नेशंस कप हमारी महिला टीम के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी तरक्की और हिम्मत दिखाने का एक बड़ा मौका है। खिलाड़ियों ने इस टूर्नामेंट की तैयारी के लिए बहुत मेहनत की है और मुझे पूरा भरोसा है कि वे हर मैच में जीत के लिए विश्वास और जोश के साथ खेलेंगी। उन्होंने कहा कि एफआईएच हाकी प्रो लीग में जगह बनाना हमारा एक अहम मकसद है, लेकिन दुनिया की बेहतरीन टीमों के साथ लगातार मुकाबला करने में सक्षम टीम बनाना भी उतना ही जरूरी है। हाकी इंडिया की तरफ से मैं टीम और सपोर्ट स्टाफ को टूर्नामेंट के लिए शुभकामनाएं देता हूं और उम्मीद करता हूं कि वे देश का नाम रोशन करेंगी।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दें

पुणे में सिख युवक की गिरफ्तारी पर समुदाय ने जताई चिंता, धार्मिक प्रतीकों के सम्मान की मांग

हैदराबाद, 14 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। पुणे में एक सिख युवक को कथित रूप से तलवार रखने के आरोप में गिरफ्तार किए जाने की घटना को लेकर सिख समाज एवं विभिन्न नागरिक संगठनों ने चिंता व्यक्त करते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

सिख समाज के प्रतिनिधियों का कहना है कि सिख धर्म में किरपान पाँच ककारों में से एक महत्वपूर्ण धार्मिक प्रतीक है, जिसे गुरु गोबिंद सिंह जी द्वारा खालसा पंथ की स्थापना के समय अनिवार्य किया गया था। उनके अनुसार किरपान आक्रमण का साधन नहीं, बल्कि धर्म, न्याय और कमजोरों की रक्षा के संकल्प का प्रतीक है।

समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 25 तथा शस्त्र अधिनियम, 1959 की धारा 4(2) के अंतर्गत सिखों को धार्मिक कारणों से किरपान धारण करने की संवैधानिक अनुमति प्राप्त है। उनका कहना है कि धार्मिक परंपराओं से जुड़े प्रतीकों को सामान्य हथियार मानकर आपराधिक मामला दर्ज करना तथ्यों की गलत व्याख्या हो सकती है।

सिख समाज ने मुख्यमंत्री, राज्यपाल तथा पुणे पुलिस आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जाए और धार्मिक परंपराओं एवं संवैधानिक प्रावधानों को ध्यान में रखते हुए उचित कार्रवाई की जाए। साथ ही पुलिस अधिकारियों को सिख धर्म के प्रतीकों एवं उनसे संबंधित कानूनी प्रावधानों के बारे में जागरूक और प्रशिक्षित करने की भी मांग की गई है।

ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि यदि जांच में संबंधित युवक निर्दोष पाया जाता है तो उसे सम्मानपूर्वक तत्काल रिहा किया जाए।

सिख समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि सिख समुदाय देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा में सदैव महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि प्रशासन संविधान और कानून के अनुरूप निष्पक्ष एवं न्यायसंगत निर्णय लेकर सभी पक्षों की भावनाओं का सम्मान करेगा।

भारत के हमले में हुई थी भारी तबाही...

पाक परमाणु ब्लफ खत्म

नई दिल्ली(एजेंसियां)। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) की जून 2026 में जारी नई रिपोर्ट ने दक्षिण एशिया की रणनीतिक सुरक्षा में एक ऐतिहासिक बदलाव को उजागर किया है। मई 2025 में हुए भारत के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के उस परमाणु सुरक्षा कवच के भ्रम को तोड़ दिया है जिसके पीछे वह दशकों से छिपता आया था।

इस सैन्य अभियान के दौरान भारतीय वायु सेना और सेना ने सीधे पाकिस्तान के उन चुनिंदा एयरबेस और मिसाइल ठिकानों को निशाना बनाया, जो उसके परमाणु हथियारों के बुनियादी ढांचे से जुड़े माने जाते हैं। वैश्विक स्तर पर हथियारों और सैन्य सुरक्षा पर नजर रखने वाली संस्था सिपरी की इस आधिकारिक पुष्टि ने यह साफ कर दिया है कि भारत ने पाकिस्तान की परमाणु ब्लैकमेलिंग की नीति को हमेशा के लिए ध्वस्त कर दिया है।

मई 2025 में पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में शुरू किए गए भारत के ऑपरेशन सिंदूर को दशकों का सबसे बड़ा सैन्य टकराव माना गया है। सिपरी की मइयरबुक 2026फ में यह बात रिकॉर्ड पर लाई गई है कि भारत ने इस ऑपरेशन के दौरान पाकिस्तान के उन एयर और मिसाइल बेसों पर सटीक हमले किए, जिनके पास परमाणु अभियान चलाने की जिम्मेदारी थी।

इसमें पाकिस्तान के कुख्यात किराना हिल्स क्षेत्र को भी निशाना बनाया गया, जिसके बारे में माना जाता है कि वहां पाकिस्तान के गुप्त परमाणु हथियार और मिसाइल सुविधाएं मौजूद हैं। भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान के रणनीतिक नूर खान एयरबेस को भी निशाना बनाया, जो पाकिस्तान का मुख्य परमाणु कमांड और कंट्रोल सेंटर माना जाता है।

पाकिस्तान हमेशा से यह दावा करता रहा है कि भारत की किसी भी बड़ी सैन्य कार्रवाई के जवाब में वह परमाणु हथियारों का इस्तेमाल कर सकता है, लेकिन भारत ने उसके परमाणु अड्डों पर ही पारंपरिक हमला कर इस खोखले दावे की हवा निकाल दी।

परमाणु होड़ में भारत आगे: बढ़े कुल वॉरहेड्स

सिपरी की रिपोर्ट में केवल सैन्य टकराव ही नहीं, बल्कि दोनों देशों के परमाणु हथियारों की संख्या के ताजा आंकड़े भी जारी किए गए हैं। जनवरी 2026 तक के आंकड़ों के अनुसार, भारत का परमाणु हथियारों का भंडार अब बढ़कर 190 वॉरहेड्स तक पहुंच गया है, जबकि इसके मुकाबले पाकिस्तान के पास 170 परमाणु हथियार हैं।

भारत ने अपने परमाणु आधुनिकीकरण कार्यक्रम को चीन और पाकिस्तान दोनों की सुरक्षा चुनौतियों को देखते हुए तेज किया है, जिसके कारण पिछले एक साल में भारत के बेड़े में 10 नए परमाणु हथियार शामिल हुए हैं। हथियारों की संख्या में बढ़त ने भारत की रणनीतिक स्थिति को क्षेत्र में और अधिक मजबूत बना दिया है।

इस रिपोर्ट का सबसे चौंकाने वाला और महत्वपूर्ण बिंदु भारत की परमाणु नीति में आया एक बड़ा रणनीतिक बदलाव है। भारत ने शांतिकाल के दौरान भी अपने कुछ परमाणु हथियारों (लगभग 12 वॉरहेड्स) को ऑपरेशनली तैनात स्थिति में रखा है। इससे पहले, भारत के सभी परमाणु हथियारों को हमेशा मस्टोरेजफ या रिजर्व में रखा जाता था, जिन्हें इस्तेमाल करने से पहले मिसाइलों के साथ असेंबल करना पड़ता था। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत ने संभवतः अपनी परमाणु-संचालित पनडुब्बी पर इन वॉरहेड्स को तैनात किया है, जो समुद्र के भीतर गश्त लगा रही है।

यह बदलाव भारत की नो फर्स्ट यूज को कायम रखते हुए भी दुश्मन को पलक झपकते ही मतगड़ा और अचूक जवाबी हमलाफ देने की क्षमता को प्रदर्शित करता है।

सिपरी 2026 की रिपोर्ट में एक और बेहद आधुनिक पहलू का जिक्र किया गया है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत और पाकिस्तान दोनों ने पहली बार सक्रिय सैन्य संघर्ष के साथ-साथ साइबर ऑपरेशंस का भी पूरी तरह से शामिल किया था।

88 घंटे चले इस संक्षिप्त लेकिन तीव्र सैन्य टकराव में पारंपरिक मिसाइल हमलों (जैसे ब्रह्मोस मिसाइल) के साथ-साथ डिजिटल मोर्चे पर भी एक-दूसरे की सैन्य संचार प्रणालियों को ठप करने की कोशिशें की गईं।

केबीआर पार्क में हुआ अन्नदान

हैदराबाद, 14 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में रविवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्रुप के सदस्यों ने सेवा भाव के साथ जरूरतमंद एवं असहाय लोगों को भोजन वितरित किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सदस्यों ने कहा कि अन्नदान भारतीय संस्कृति की महान परंपरा है और भूखे व्यक्ति को भोजन कराना सबसे बड़ा पुण्य माना गया है। राधे-राधे ग्रुप निरंतर सेवा, सहयोग और परोपकार की भावना के साथ समाज के जरूरतमंद वर्गों तक सहायता पहुंचाने का कार्य कर रहा है।

सदस्यों ने कहा कि सेवा कार्यों से न केवल जरूरतमंदों को राहत मिलती है, बल्कि समाज में आपसी प्रेम, सद्भाव और मानवता की भावना भी मजबूत होती है। ग्रुप द्वारा नियमित रूप से आयोजित किए जाने वाले अन्नदान कार्यक्रम अनेक लोगों के लिए सहारा बन रहे हैं।

कार्यक्रम में राधे-राधे ग्रुप के सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई तथा भविष्य में भी इसी प्रकार सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन सभी के सुख, शांति और समृद्धि की मंगलकामना के साथ हुआ।

30 वर्षों बाद अधिक मास में सोमवती अमावस्या का दुर्लभ महासंयोग : `सुनीता अग्रवाल

हैदराबाद, 14 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। सनातन परंपरा में लगभग 30 वर्षों बाद इस बार अधिक मास (पुरुषोत्तम मास) में सोमवती अमावस्या का विशेष योग बन रहा है। सोमवार को पड़ने वाली अमावस्या शिव आराधना और पितृ तर्पण दोनों के लिए श्रेष्ठ मानी जाती है, अधिक मास के जुड़ने से इसका महत्व कई गुना बढ़ गया है।शास्त्रों के अनुसार इस दिन ब्रह्म मुहूर्त में स्नान, शिव-पार्वती और विष्णु पूजन, शिवलिंग पर जल-दूध-बेलपत्र अर्पण, ॐ नमः शिवाय व महामृत्युंजय जप विशेष फलदायी है। पितृ तर्पण, पिंडदान और श्राद्ध से पितृ दोष में कमी और परिवार में सुख-समृद्धि की मान्यता है। विवाहित महिलाएं पीपल वृक्ष की 108 परिक्रमा कर अखंड सौभाग्य की कामना करती हैं।

दान की दृष्टि से अन्नदान, वस्त्रदान, गौसेवा, पक्षियों को दाना-पानी और पौधारोपण को महापुण्य बताया गया है।

सुनीता अग्रवाल ने कहा, सोमवती अमावस्या केवल तिथि नहीं, बल्कि सेवा, साधना और संस्कार का प्रतीक है। श्रद्धा से किया गया जप-तप मानसिक शांति और आध्यात्मिक उन्नति देता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

टिन्नू...

वहीं पर टिन्नू, संघ के पूर्व प्रांत प्रचारक भोलेंद्र और अन्य कर्मचारी खड़े थे। कमरे में एक नया लॉकर भी लगाया गया था। शायद अब दानपेटियों से निकलने वाला कैश और धातु (सोने-चांदी, हीरे-जेवर) इसी लॉकर में रखे जाने की व्यवस्था की जा रही थी।

ट्रस्ट कर्मचारियों ने भास्कर टीम को ज्यादा देर रुकने नहीं दिया। पूछताछ शुरू कर दी। पहचान बताने पर पूछा गया कि यहां कैसे पहुंचे? टिन्नू का नाम लेते ही भोलेंद्र हमें बाहर ले आए। उन्होंने कहा कि टिन्नू यहां नहीं है, सीता रसोई की तरफ गया है। हमारे साथी ने टोका भी कि आप हमें बहला रहे हैं, यह निकालने का अच्छा तरीका है। (इस पर भोलेंद्र मुस्कराते रहे।) हमने कहा कि टिन्नू तो अंदर ही मौजूद था, सीता रसोई के पास कहां से मिलेगा? बहरहाल, उन्होंने हमें सीता रसोई के पास छोड़ दिया। हमने टिन्नू को फोन किया, लेकिन उसने कॉल नहीं उठाया।

टिन्नू के मकान में 14 कमरे, सब किराये पर उठे

इसके बाद हम टिन्नू के नए लग्जरी मकान की तलाश में नाका इलाके में पहुंचे। कोचिंग सेंटर के पास उसका नया 2 मंजिला मकान मिला, जो काफी शानदार दिख रहा था। इस मकान के बाहर एक स्टूडेंट मिल गया। उसने बताया ' इस मकान में ग्राउंड फ्लोर पर 9 कमरे हैं। पहली मंजिल पर 5 कमरे हैं। नीचे लड़के और ऊपर लड़कियां रहकर पढ़ाई करती हैं। हर कमरे का किराया 2700 रुपए लिया जाता है। हमने कमरे के हिसाब से कैलकुलेट किया, तो करीब 37 हजार रुपए हर महीने किराया आ रहा था। यह मकान 1500 वर्गफीट जगह में बना हुआ है। ये मकान जिस लोकेशन पर बना था, वहां जमीन का रेट 2500-3000 रुपए प्रति वर्गफीट का है।

मोहल्ला बोला-मंदिर से जुड़ने के बाद तरक्की की

यहां रहने वाले लोगों ने बताया कि 5 महीने पहले इस मकान में टिन्नू ने अपने बेटे की भव्य शादी की थी। पूरे मोहल्ले और परिचितों को बुलाया। शादी में खूब खर्च किया था। मोहल्ले के एक युवक ने बताया ' टिन्नू चाचा जब से मंदिर से जुड़े, तब से काफी तरक्की कर ली है। उनका निषाद राज चौराहे के पास एक हॉस्टल भी है। चर्चा यह भी है कि बस्ती जिले के विक्रमजोत इलाके में इन्होंने 20 से 22 बीघा खेती की जमीन खरीद रखी है। लखनऊ में भी एक घर है, वहां पर स्कॉर्पियो रहती है। यहां रामजन्म भूमि परिसर में 3 गाड़ियां अनुबंध पर चलती हैं। उसका किराया आता है।

ट्रस्ट के कुछ पदाधिकारी भी शक के घेरे में

राम मंदिर दान राशि गबन प्रकरण की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे इसके दायरे के विस्तार की चर्चा भी तेज हो रही है। सूत्रों के अनुसार, मामले में केवल कर्मचारियों या बाहरी लोगों की भूमिका ही नहीं, बल्कि ट्रस्ट से जुड़े कुछ प्रभावशाली पदाधिकारियों और ट्रस्टियों की भूमिका भी जांच के दायरे में आ सकती है।

बताया जा रहा है कि जिन पांच संदिग्धों के नाम अब तक सामने आए हैं, उनमें से कुछ का संबंध ट्रस्ट के प्रभावशाली लोगों से होने की बात भी सामने आ रही है। इसी वजह से गठित एसआईटी केवल धन के लेन-देन और तकनीकी पहलुओं की ही जांच नहीं करेगी, बल्कि यह भी पता लगाएगी कि किसी स्तर पर संरक्षण, लापरवाही या मिलीभगत तो नहीं हुई।

प्रारंभिक स्तर पर मामले की पड़ताल ट्रस्ट की ओर से आंतरिक रूप से कराई जा रही थी, लेकिन प्रकरण की गंभीरता और राष्ट्रीय स्तर पर इसकी संवेदनशीलता को देखते हुए शासन स्तर पर स्वतंत्र जांच की आवश्यकता महसूस की गई। इसके बाद तीन वरिष्ठ अधिकारियों वाली एसआईटी का गठन किया गया, जिसे सात दिन में प्रारंभिक और 15 दिन में अंतिम रिपोर्ट देने का दायित्व सौंपा गया है।

सूत्रों के मुताबिक एसआईटी यह भी जांच करेगी कि दान राशि के कथित गबन की प्रक्रिया कितने समय से चल रही थी, इसमें किन-किन लोगों की भूमिका थी और क्या किसी जिम्मेदार पदाधिकारी की जानकारी या लापरवाही के कारण यह संभव हो पाया। यदि जांच में किसी ट्रस्टी या पदाधिकारी की संलिप्तता अथवा गंभीर प्रशासनिक चूक के प्रमाण मिलते हैं, तो उनके अधिकार सीमित किए जाने या अन्य कार्रवाई की भी संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। हालांकि जांच पूरी होने के बाद ही जिम्मेदारी और भूमिका स्पष्ट हो सकेगी।

ट्रस्ट के भीतर असहज स्थिति

सूत्रों का दावा है कि मामले के उजागर होने के बाद ट्रस्ट के भीतर भी असहज स्थिति बनी हुई है। चर्चा है कि ट्रस्ट के शीर्ष स्तर पर कुछ लोगों के बीच संवाद लगभग बंद हो गया है। पिछले कुछ दिनों से एक प्रमुख ट्रस्टी की ओर से ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय से लगातार संपर्क साधने के प्रयासों के बावजूद अपेक्षित प्रतिक्रिया नहीं मिलने की चर्चा तेज है।

पंढरपुर में...

गाड़ी में बैठकर वापस अपने गांव रांजनी लौट रहे थे, तभी रास्ते में एक बड़ा हादसा हो गया।

पंढरपुर से म्हसवड जाने वाली सड़क पर माळशिरस तहसील में एक गांव पड़ता है, तांदुलवाड़ी। इसी गांव के पास सड़क किनारे एक कुआं है। जब श्रद्धालुओं की गाड़ी वहां से गुजर रही थी, तभी अचानक गाड़ी का संतुलन बिगड़ गया और वह सीधे उस कुएं में जा गिरी।

गाड़ी में सभी लोग एक ही गांव के थे, सब एक-दूसरे को जानते थे। जब यह खबर उनके गांव रांजनी पहुंची तो वहां कोहराम मच गया। लोग रोने लगे, घरों में मातम छा गया। हादसे की खबर मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और राहत काम शुरू किया। पुलिस और बचाव दल भी जल्दी पहुंचे। घायल लोगों को अस्पताल ले जाया गया। इस हादसे में कुल 8 लोगों की मौत हो गई। 7 लोग घायल हुए जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है।

पंढरपुर के इलाके में हाल के दिनों में यह सबसे दर्दनाक हादसों में से एक माना जा रहा है। जो लोग भगवान के दर्शन करके खुशी-खुशी घर लौट रहे थे, वे घर नहीं पहुंच सके।

ट्रेन की चपेट...

रेलवे ने मामले की विस्तृत जांच के लिए जेएजी स्तर के अधिकारियों की एक जांच समिति गठित की है, जो घटना के सभी पहलुओं की गहन जांच करेगी।

मुरैना जिले में उदयपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन चल रही थी। यह ट्रेन हेतमपुर स्टेशन के पास थी, तभी अचानक ट्रेन के अंदर एक अफवाह फैल गई कि ट्रेन में आग लग गई है। जैसे ही यात्रियों ने यह सुना, चारों तरफ भगदड़ मच गई। लोग डर गए और अपनी जान बचाने के लिए बिना सोचे-समझे ट्रेन से कूदने लगे और रेलवे ट्रैक पर आ गए। अब असली मुसीबत यहां से शुरू हुई। जो लोग ट्रैक पर उतर आए थे, उन्हें यह नहीं पता था कि बगल की पटरी पर पातालकोट एक्सप्रेस ट्रेन तेज रफ्तार से आ रही है। ट्रैक पर खड़े इन यात्रियों को पातालकोट ट्रेन ने टक्कर मार दी। हादसा इतना अचानक और तेज था कि कई लोग मौके पर ही दम तोड़ गए। अब तक मिली जानकारी के मुताबिक चार लोगों की मौत हो गई है। घटना के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। रेलवे अधिकारियों और जिला प्रशासन को खबर दी गई और बचाव और राहत का काम शुरू किया गया।

अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि आग की यह अफवाह आई कहां से। क्या किसी ने जानबूझकर यह अफवाह फैलाई या यह किसी गलतफहमी की वजह से हुआ। इसकी जांच चल रही है।

उत्तर मध्य रेलवे ने मुरैना रेल हादसे पर बयान जारी किया है। रेलवे के अनुसार खजुराहो-उदयपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस में एक यात्री द्वारा अलार्म चेन खींचे जाने के कारण ट्रेन रुकी थी। इसी दौरान कुछ यात्री ट्रेन से उतरकर पास के ट्रैक पर पहुंच गए, जहां पातालकोट एक्सप्रेस की चपेट में आने से चार लोगों की मौत हो गई। मामले की विस्तृत जांच जारी है।

उत्तर मध्य रेलवे के जनसंपर्क विभाग ने बताया कि गाड़ी के रुकने के दौरान कुछ यात्री ट्रेन से उतरकर समीपवर्ती रेल लाइन पर चले गए। इसी दौरान अप दिशा से आ रही गाड़ी संख्या 20424 फिरोजपुर-सिवनी पातालकोट एक्सप्रेस की चपेट में आने से 4 यात्रियों के हताहत होने की सूचना प्राप्त हुई है।

घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे प्रशासन, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) तथा स्थानीय प्रशासन के अधिकारी तत्काल घटनास्थल पर पहुंच गए। प्रभावित यात्रियों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। घटना के कारणों एवं परिस्थितियों की विस्तृत जांच की जा रही है।

रेल प्रशासन यात्रियों से अपील करता है कि किसी भी परिस्थिति में चलती अथवा रुकी हुई ट्रेन से बिना अनुमति न उतरें तथा रेलवे सुरक्षा नियमों का पालन करें।

मृतकों के नाम आफरीन (35 वर्ष), अशद (4 वर्ष), सकुंतला (60 वर्ष), बीरमा देवी (58 वर्ष) है।

बेरूत पर...

इसीलिए यह जवाबी कार्रवाई की गई। हमले के बाद ईरान की फौज के डिप्टी कमांडर ने साफ कहा, लेबनान में इजरायल के ये जुर्म बिना जवाब नहीं रहेंगे।

इससे भी बड़ी बात ' ईरान के टॉप बातचीत करने वाले नेता मोहम्मद बाघेर गालीबाफ ने सोशल मीडिया पर अमेरिका को सीधे चेतावनी दी।

उन्होंने लिखा, दाहिया पर इस हमले ने एक बार फिर साबित कर दिया कि अमेरिका या तो अपनी बात पर कायम रहने की इच्छाशक्ति नहीं रखता, या उसमें ताकत नहीं है। इजरायल को हरी झंडी देकर आप रियायतें नहीं पा सकते। अच्छे पुलिसवाले और बुरे पुलिसवाले का खेल पुराना हो चुका है। अगर आप अपनी बात पूरी नहीं कर सकते, तो आगे की बात करना मुमकिन नहीं। यानी ईरान ने सीधे कह दिया ' अमेरिका से डील अब बहुत मुश्किल है।

इस वक्त अमेरिका और ईरान के बीच एक बड़ी बातचीत चल रही है। दोनों देश एक सीजफायर डील करने की कोशिश में हैं। लेकिन ईरान ने साफ कहा है, जब तक इज़राइल लेबनान में हमले बंद नहीं करता, हम किसी भी डील को नहीं मानेंगे।

यानी मामला यह है ' अमेरिका चाहता है ईरान से डील हो, लेकिन इजरायल लेबनान में लगातार हमले कर रहा है, जिससे ईरान नाराज़ है और डील अटकी पड़ी है।

ट्रंप नाराज! ...

आतंकी संगठन है। इसका सबसे बड़ा दोस्त और मददगार ईरान है। ईरान इसे पैसे, हथियार और ट्रेनिंग देता है। सीधे कहें तो हिज्बुल्लाह ईरान की तरफ से लड़ता है। तीसरा ' ईरान और अमेरिका। ये दोनों देश इस वक्त एक बड़ी शांति डील पर बात कर रहे हैं।यह सब देखकर खुद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मैदान में आ गए। उन्होंने साफ कहा कि आज सुबह बेरूत पर जो हमला हुआ वह नहीं होना चाहिए था। खासतौर पर उस वक्त जब हम ईरान के साथ शांति डील के इतने करीब थे।

राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी माना कि इजरायल को अपनी रक्षा करने का हक है, लेकिन जिस हमले के जवाब में इजरायल ने यह कदम उठाया वह बहुत छोटा था। उस हमले में कोई मरा नहीं, कोई घायल नहीं हुआ।राष्ट्रपति ट्रंप ने इजरायल को सीधे कहा ' लेबनान में अब कोई हमला नहीं होना चाहिए। और हिज्बुल्लाह को भी कहा ' इजरायल पर भी कोई हमला नहीं। ट्रंप ने कहा यह एक लंबी और अच्छी शांति की शुरुआत हो सकती है, इसे बर्बाद मत करो। बेरूत पर हमले के बाद ईरान बहुत गुस्से में आ गया। ईरानी फौज के डिप्टी कमांडर ने कहा ' लेबनान में इजरायल के ये काम बिना जवाब नहीं रहेंगे।

'कटवा' ओवैसी...

मटेरा में आयोजित जनसभा में ओवैसी ने साफ संकेत दिया कि एआईएमआईएम उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 में चुनाव लड़ेगी। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी गठबंधन के विकल्पों पर काम कर रही है और उचित समय पर इसकी घोषणा की जाएगी। ओवैसी का यह बयान ऐसे समय आया है जब समाजवादी पार्टी अपने इंडिया यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक सामाजिक गठबंधन को मजबूत करने में जुटी हुई है।

ओवैसी की एंट्री ने राजनीतिक गलियारों में एक नई बहस छेड़ दी है। क्या एआईएमआईएम मुस्लिम राजनीति में अपनी अलग जगह बना पाएगी? क्या समाजवादी पार्टी के पीडीए वोट बैंक में सेंध लगेगी? या फिर इस पूरी कवायद का सबसे बड़ा लाभ भारतीय जनता पार्टी को मिलेगा? यही सवाल अब राजनीतिक विश्लेषण का केंद्र बन चुके हैं।

उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने ओवैसी पर हमला बोलते हुए कहा कि वे धर्म और जाति के आधार पर राजनीति करते हैं। उनके मुताबिक, ऐसी राजनीति की उत्तर प्रदेश में कोई जमीन नहीं है और भाजपा सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के सिद्धांत पर काम करती है। भाजपा का मानना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जनता का विश्वास उसके साथ है।

हालांकि एआईएमआईएम इस पूरे अभियान को संगठन विस्तार और राजनीतिक प्रतिनिधित्व की लड़ाई के रूप में पेश कर रही है। पार्टी का तर्क है कि मुस्लिम समाज को अपनी राजनीतिक भागीदारी और नेतृत्व के सवाल पर नए विकल्पों की जरूरत है। यही वजह है कि उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में एआईएमआईएम लगातार अपनी मौजूदगी दर्ज कराने की कोशिश कर रही है।

143 सीटों पर मुस्लिम वोटर निर्णायक

अगर विधानसभा सीटों के सामाजिक समीकरण देखें तो उत्तर प्रदेश की 403 सदस्यीय विधानसभा में लगभग 143 सीटें ऐसी मानी जाती हैं जहां मुस्लिम मतदाता चुनावी नतीजों को प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं। इनमें करीब 70 सीटों पर मुस्लिम आबादी 20 से 30 प्रतिशत के बीच है, जबकि 73 सीटें ऐसी हैं जहां मुस्लिम आबादी 30 प्रतिशत से अधिक है। इनमें पश्चिमी उत्तर प्रदेश और पूर्वांचल के कई इलाके शामिल हैं।

इसी सामाजिक गणित को देखते हुए ओवैसी की राजनीति को समझने की कोशिश की जा रही है। हालांकि समाजवादी पार्टी फिलहाल इसे कोई बड़ी चुनौती मानने को तैयार नहीं है। पार्टी नेताओं का कहना है कि पीडीए सामाजिक आधार मजबूत है और ओवैसी की राजनीति का असर सीमित रहेगा।

चुनावी आंकड़े भी फिलहाल समाजवादी पार्टी के दावों को कुछ हद तक मजबूती देते हैं। 2017 के विधानसभा चुनाव में एआईएमआईएम ने 38 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे, लेकिन पार्टी को एक भी सीट नहीं मिली। उसका वोट शेयर सिर्फ 0.24 प्रतिशत रहा। इसके बाद 2022 विधानसभा चुनाव में एआईएमआईएम ने 95 सीटों पर उम्मीदवार उतारे, लेकिन नतीजा फिर वही रहा। पार्टी एक भी सीट नहीं जीत सकी और उसका वोट शेयर 0.49 प्रतिशत पर पहुंचा।

इसके बावजूद राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि चुनावी राजनीति केवल जीत और हार के आंकड़ों से नहीं चलती। कई बार लगातार चुनाव लड़ना, संगठन खड़ा करना और सामाजिक आधार बनाना भी दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा होता है। संभव है कि ओवैसी उत्तर प्रदेश में इसी तरह की राजनीति कर रहे हों।

22 सांसदों ने...

टीएमसी के बागी सांसद सुदीप बंद्योपाध्याय ने दावा किया है कि उनका समूह नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी में शामिल हो गया है। उन्होंने कहा कि यह एक मान्यता प्राप्त क्षेत्रीय राजनीतिक दल है और उनके गुट का उसमें विलय हो चुका है। सुदीप ने यह भी कहा कि असली टीएमसी कौन है, इसका फैसला अब अदालत में होगा।

बीजेपी से नजदीकी के संकेत

रविवार को टीएमसी के कई सांसद दिल्ली में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के घर पहुंचे। भूपेंद्र यादव झुक के बड़े नेता हैं। टीएमसी और बीजेपी दो अलग पार्टियां हैं और आमतौर पर एक-दूसरे के खिलाफ होती हैं। ऐसे में टीएमसी के सांसदों का बीजेपी के मंत्री के घर जाना बड़ी बात है। सबसे पहले टीएमसी सांसद सेयानी घोष वहां पहुंचीं। उनके बाद एक के बाद एक कई और सांसद भी आ गए। जिनमें सुदीप बंद्योपाध्याय, माला रॉय, पारसुन बनर्जी, अरूप चक्रवर्ती, शताब्दी रॉय, काकोली घोष और सुदिप बंद्योपाध्याय के नाम शामिल हैं। ये सभी टीएमसी के जाने-माने चेहरे हैं। इनके अलावा टीएमसी नेता, जगदीश बसुनिया, पार्थ भौमिक, जून मालिया, मेटाली बाग, बापी हलधर भी पहुंचे हैं। ये नेता करीब दो घंटे यहां रुके और फिर चले गए।

टीएमसी एक महीने में बिखर जाएगी

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने दावा किया है कि टीएमसी एक महीने के भीतर बिखर जाएगी। उन्होंने कहा कि पार्टी के कई नेता अब अलग रास्ता तलाश रहे हैं और एक वरिष्ठ नेता भी दिल्ली में सक्रिय हैं। अपने भाषण में उन्होंने टीएमसी पर घमंड, भ्रष्टाचार और अत्याचार के आरोप लगाए तथा पार्टी के भविष्य पर सवाल खड़े किए।

अभिषेक ने स्पीकर को लिखा पत्र

टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव और संसदीय दल के नेता अभिषेक बनर्जी ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को पत्र लिखकर पार्टी के किसी भी कथित अलग गुट को मान्यता न देने की मांग की है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, सोमवार, 15 जून, 2026

शुभ लाभ आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

अग्रवाल समाज बैंक्वेट हॉल की वार्षिक साधारण सभा संपन्न

समाज सेवा और विकास को नई दिशा देने पर हुआ मंथन

हैदराबाद, 14 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज बैंक्वेट हॉल की वार्षिक साधारण सभा का आयोजन पैराडाइज़ स्थित बैंक्वेट हॉल में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ महाराजा अग्रसेन महाराज की विधिवत पूजा-अर्चना के साथ किया गया।

मानद मंत्री द्वारा बैंक्वेट हॉल के पदाधिकारियों के साथ अग्रवाल समाज तेलंगाना के वाइस प्रेसिडेंट (कार्यवाहक अध्यक्ष) रूपेश कुमार अग्रवाल, मानद मंत्री विकास कुमार केशन, कोषाध्यक्ष अचल गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष (आईपीपी) मनीष अग्रवाल तथा बैंक्वेट हॉल के परामर्शदाता अंजनी कुमार अग्रवाल को मंचासीन किया गया।

मानद मंत्री के आग्रह पर अंजनी कुमार अग्रवाल ने समाज की विभिन्न गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए श्रीशैलम परियोजना एवं बैंक्वेट हॉल की प्रगति की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने समाज की बढ़ती आवश्यकताओं को देखते हुए भविष्य में एक और बैंक्वेट हॉल स्थापित करने का सुझाव भी रखा।

बैंक्वेट हॉल के अध्यक्ष नवीन कुमार अग्रवाल ने उपस्थित पदाधिकारियों, परामर्शदाताओं, ट्रस्टियों एवं सदस्यों का स्वागत एवं अभिनंदन किया।

उपाध्यक्ष सूर्यकमल गुप्ता ने पिछली सभा की कार्यवाही का वाचन किया, जिसे सभा द्वारा सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया। उन्होंने बैंक्वेट हॉल की गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि गत वर्ष बुकिंग में संतोषजनक वृद्धि हुई तथा हॉल का रख-रखाव उत्कृष्ट स्तर पर किया जा रहा है। इसके लिए उन्होंने अध्यक्ष एवं उनकी टीम का आभार व्यक्त किया।

मानद मंत्री द्वारा वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया, जिसे उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से पारित किया। इसके पश्चात वित्तीय वर्ष की बैलेंस शीट प्रस्तुत की गई, जिसे भी सर्वसम्मति से अनुमोदित कर दिया गया।

सूर्यकमल गुप्ता ने सोनू शर्मा के कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि उक्त आयोजन से बैंक्वेट हॉल को आर्थिक लाभ प्राप्त हुआ। उन्होंने भविष्य में भी बैंक्वेट हॉल के माध्यम से ऐसे प्रेरणादायक एवं लाभकारी कार्यक्रम आयोजित करने का प्रस्ताव रखा, जिसका उपस्थित सदस्यों ने समर्थन किया।

अग्रवाल समाज तेलंगाना के मानद मंत्री विकास कुमार केशन ने बैंक्वेट हॉल में संचालित गतिविधियों की सराहना करते हुए समाज की विभिन्न योजनाओं एवं सेवा कार्यों की जानकारी दी।

वाइस प्रेसिडेंट (कार्यवाहक अध्यक्ष) रूपेश कुमार अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि नवीन कुमार अग्रवाल एवं उनकी टीम द्वारा बैंक्वेट हॉल का डिजिटल प्रमोशन अत्यंत व्यवस्थित एवं प्रभावी ढंग से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि समाज केवल बैलेंस शीट से नहीं, बल्कि सेवा शीट से चलता है और हमें इसी भावना के साथ निरंतर समाज-सेवा करते रहना चाहिए।

सभा में मनोज मित्तल, महेश कनोड़िया एवं श्रीमती शीतल अग्रवाल ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

इस अवसर पर बैंक्वेट हॉल के स्टाफ मैनेजर रोहित अग्रवाल, सुमित अग्रवाल एवं सुनील का सम्मान किया गया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया तथा सहभोज के साथ सभा का समापन हुआ।

सभा में अध्यक्ष नवीन कुमार अग्रवाल, उपाध्यक्ष सूर्यकमल गुप्ता, मानद मंत्री आशीष दोकानिया, पूर्व अध्यक्ष (आईपीपी) राकेश कुमार जालान, परामर्शदाता अंजनी कुमार अग्रवाल, अग्रवाल समाज तेलंगाना के वाइस प्रेसिडेंट (कार्यवाहक अध्यक्ष) रूपेश कुमार अग्रवाल, मानद मंत्री विकास कुमार केशन, कोषाध्यक्ष अचल गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, ट्रस्टीगण संजय कुमार अग्रवाल (डीआरएस), महेश कनोड़िया, संदीप गुप्ता, सतीश कुमार अग्रवाल, उमेश अग्रवाल, संदीप मित्तल, आशुतोष बंसल, पीयूष केजरीवाल, सुधीर कुमार जैन, श्रीमती किरण अग्रवाल, मनोज कुमार मित्तल, बिक्की सर्राफ, अंकित गुप्ता, उदय गुप्ता, मनीष तलुका, डॉ. स्वाति गोयल, गजानंद सांघी, बोवेनपल्ली शाखा अध्यक्ष सुमित बंसल, रामनगर शाखा अध्यक्ष प्रशांत, सिकंदराबाद नॉर्थ शाखा के मानद मंत्री अशोक आर. डाणी, आनंद संघी सहित विशिष्ट आमंत्रित सदस्यों में श्रीमती अनु केड़िया, श्रीमती प्रियंका दोकानिया, श्रीमती कंचन अग्रवाल, श्रीमती शीतल अग्रवाल, अंजन सारावगी, राकेश नरसिंगपुरिया, संजय अग्रवाल, पवन कुमार अग्रवाल, प्रेम अग्रवाल, पवन दोकानिया, लोकेश सांघी, अमित अग्रवाल, अंकित सांघी, रितेश अग्रवाल, पवन तिबड़ेवाला सहित बड़ी संख्या में समाज के सदस्य उपस्थित रहे।

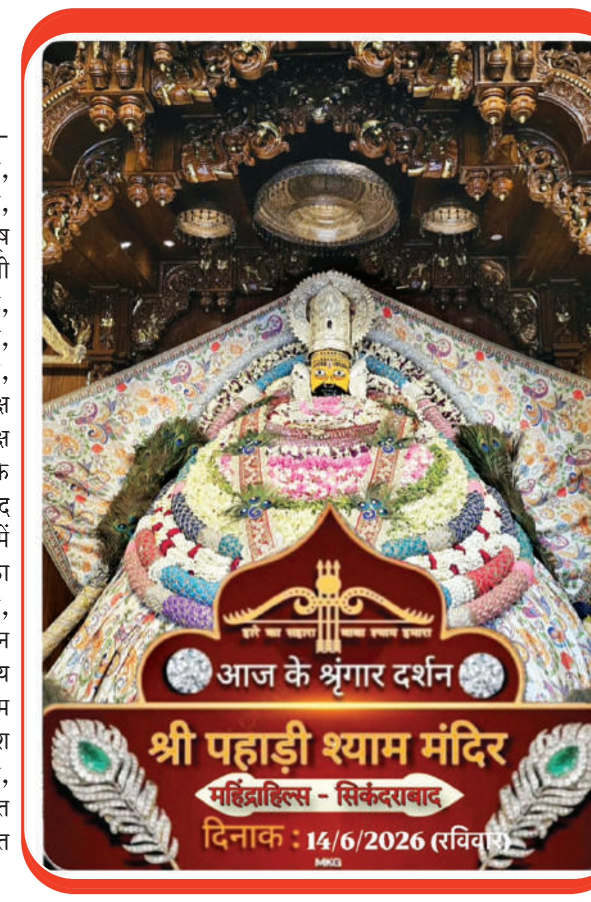

अग्रवाल केयर फाउंडेशन का संकल्प:

माह में दो बार होगा अन्न सेवा कार्यक्रम

हैदराबाद, 14 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। सामाजिक सेवा के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय संस्था अग्रवाल केयर फाउंडेशन, तेलंगाना द्वारा अत्तापुर स्थित रामबाग, बैंक ऑफ बड़ौदा के सामने शनिवार को ङ्गअन्न सेवा कार्यक्रमफ का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस दौरान गरीब, बेसहारा एवं जरूरतमंद लोगों को सम्मानपूर्वक पौष्टिक एवं शुद्ध भोजन कराया गया।

संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि अग्रवाल केयर फाउंडेशन ने समाज से भूख मिटाने का संकल्प लिया है। इसी उद्देश्य से अब प्रत्येक माह के दो रविवार को नियमित रूप से ङ्गअन्न सेवा कार्यक्रमफ आयोजित किया जाएगा। संस्था का लक्ष्य है कि उसके कार्यक्षेत्र में कोई भी व्यक्ति भूखा न सोए।

कार्यक्रम के दौरान फाउंडेशन के कार्यकर्ताओं ने समर्पण भाव से सैकड़ों जरूरतमंद लोगों को भोजन परोसा। भोजन प्राप्त कर लाभार्थियों के चेहरों पर संतोष एवं प्रसन्नता स्पष्ट दिखाई दी। स्थानीय नागरिकों ने संस्था के इस मानवीय एवं नियमित प्रयास की सराहना की। फाउंडेशन की टीम ने समाज के सक्षम एवं सेवाभावी लोगों से भी इस पुनीत कार्य में सहयोग देने का आह्वान किया, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाई जा सके।

इस अवसर पर ओम प्रकाश अग्रवाल (ओम भाई), संजय पसारी, मनीष अग्रवाल, संजय भालवाले, पंकज अग्रवाल, अंकुर बंसल, सुनील संघी, सत्यनारायण फोगला, अशोक जालान, लोकेश पित्ती, वेंकट, वासु, आलोक शर्मा, राजेश शर्मा, संजय गुप्ता, अभिषेक, श्याम, विकास, गोविंद राज, हनुमानदास, देवेश अग्रवाल, करुणापति, लक्ष्मी देवी, नंदा, सुनीता, सरिता, निशा डालमिया, कीर्ति, सपना सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

राधे-राधे ग्रुप की सेवाओं से अभिभूत हुए जुगल किशोर चतुर्वेदी महाराज

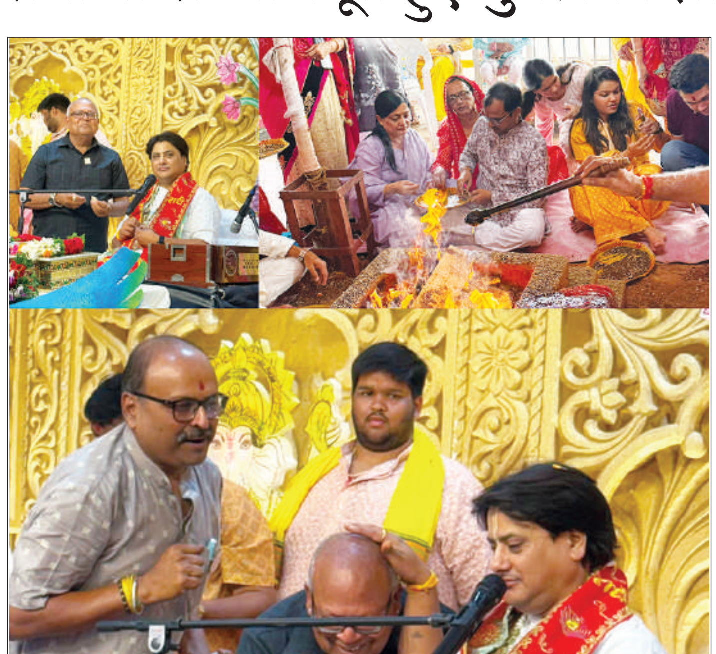

हैदराबाद, 14 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। काचीगुड़ा स्थित श्री श्याम मंदिर में सरायवाला तायल परिवार के सौजन्य से आयोजित श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव का समापन अत्यंत भक्ति एवं श्रद्धा के वातावरण में हुआ। 8 जून से 14 जून तक चली इस दिव्य कथा में वृंदावनधाम से पधारे कथा व्यास पूज्य श्री जुगल किशोर चतुर्वेदी महाराज ने श्रीमद्भागवत महापुराण के माध्यम से भक्तों को भक्ति, ज्ञान, वैराग्य और सेवा का अमूल्य संदेश प्रदान किया। कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं, गोवर्धन पूजा, भक्त प्रह्लाद, ध्रुव चरित्र, सुदामा चरित्र तथा गोकुल-वृंदावन की दिव्य लीलाओं का रसपान कराते हुए महाराजश्री ने कहा कि श्रीमद्भागवत केवल एक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला सिखाने वाला दिव्य मार्गदर्शक है।

कथा विश्राम के अवसर पर पूज्य जुगल किशोर चतुर्वेदी महाराज ने राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की विशेष सराहना करते हुए ग्रुप का सम्मान किया। उन्होंने कहा कि आज के समय में जहां अधिकांश लोग अपने स्वार्थों तक सीमित होते जा रहे हैं, वहीं राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद निस्वार्थ भाव से मानव सेवा, अन्नदान, गौसेवा और जरूरतमंदों की सहायता के कार्यों में निरंतर जुटा हुआ है। यह कार्य वास्तव में श्रीमद्भागवत के संदेश ङ्कङ्कपरोपकार और सेवा ही सच्चा धर्म हैङ्कङ्क को चरितार्थ करता है।

महाराजश्री ने कहा कि श्रीमद्भागवत हमें सिखाती है कि भगवान की सच्ची भक्ति केवल मंदिरों में पूजा करने से नहीं, बल्कि उनके बनाए जीवों की सेवा करने से पूर्ण होती है। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद इसी भाव को आत्मसात करते हुए वर्षों से नियमित रूप से अन्नदान, गौसेवा एवं विभिन्न सामाजिक सेवा कार्यों का संचालन कर रहा है।

बिना किसी भेदभाव के जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाने का उनका प्रयास अत्यंत सराहनीय और प्रेरणादायक है।

इस अवसर पर राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक रामप्रकाश अग्रवाल ने अपने परिवार सहित कथा व्यास पूज्य जुगल किशोर चतुर्वेदी महाराज का सम्मान किया। वहीं महायज्ञ एवं पूर्णाहुति के पश्चात आयोजित महाआरती में महाराजश्री एवं मंदिर समिति द्वारा रामप्रकाश अग्रवाल का भी विशेष सम्मान किया गया।

रामप्रकाश अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य केवल सेवा करना है। ग्रुप के सभी सदस्य ङ्कङ्कनर सेवा ही नारायण सेवाङ्कङ्क के भाव से कार्य करते हैं। प्रतिदिन विभिन्न स्थानों पर अन्नदान, गौसेवा एवं अन्य सेवा कार्यों के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुंचाने का प्रयास किया जाता है। उन्होंने कहा कि सेवा का यह अभियान समाज के सहयोग और प्रभु कृपा से निरंतर आगे बढ़ रहा है।

कार्यक्रम में सुनीता अग्रवाल, अर्जुन अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। वहीं सरायवाला तायल परिवार की ओर से बद्री प्रसाद तायल, किरण तायल, योगेश तायल, अनिल तायल, सुनीता तायल, राजकुमार तायल, हेमलता तायल, लोकेश तायल एवं श्रद्धा तायल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कथा महोत्सव के समापन पर भक्तों ने भक्ति रस में सराबोर होकर भगवान श्रीकृष्ण के जयकारों के साथ संपूर्ण विश्व के कल्याण, धर्म की उन्नति एवं मानवता की सेवा के संकल्प को दोहराया। पूज्य जुगल किशोर चतुर्वेदी महाराज ने कहा कि जब भक्ति और सेवा का संगम होता है, तब समाज में सकारात्मक परिवर्तन अवश्य आता है, और राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद इस दिव्य संगम का उत्कृष्ट उदाहरण है।

बधर माता माहेश्वरी सेवा समिति की मासिक बैठक संपन्न

परिवार निर्देशिका प्रकाशन एवं भक्त निवास निर्माण कार्य पर हुई चर्चा

हैदराबाद, 14 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। बधर माता माहेश्वरी सेवा समिति की मासिक बैठक होटल प्रेम की रसोई, चिराग अली लेन में समिति के अध्यक्ष राजेश सोमानी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में बधर माताजी से जुड़े सोमानी, मर्दा, छापरवाल, मक्कड़, बागड़ी सहित अन्य दस माहेश्वरी खापों के परिवारों की संपूर्ण जानकारी युक्त निर्देशिका (पुस्तिका) के प्रकाशन पर विस्तृत चर्चा की गई।

समिति के सचिव गोविंद सोमानी ने जानकारी देते हुए बताया कि परिवारों से आवश्यक जानकारी प्राप्त करने के लिए लगातार व्हाट्सएप संदेश एवं दूरभाष के माध्यम से संपर्क किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि परिवारों को निर्धारित फॉर्म भरकर ऑनलाइन माध्यम से भेजने के लिए भी प्रेरित किया जा रहा है। बैठक में विष्णु मर्दा ने सुझाव दिया कि अब तक प्राप्त सभी फॉर्म संबंधित परिवार प्रमुखों को व्हाट्सएप के माध्यम से भेजकर उनकी पुष्टि प्राप्त कर ली जाए तथा तत्पश्चात पुस्तिका के मुद्रण कार्य को प्रारंभ किया जाए। उन्होंने आगामी श्रावण मास में परिवार सम्मेलन आयोजित कर निर्देशिका के प्रकाशन का लक्ष्य निर्धारित करने का भी सुझाव दिया, जिसका राजगोपाल मर्दा ने समर्थन किया। गोविंद सोमानी ने बताया कि बधर माता धाम में निर्माणाधीन भक्त निवास का कार्य निरंतर प्रगति पर है। उन्होंने कहा कि आगामी गोपाष्टमी के पंचम वार्षिक कार्यक्रम से पूर्व लगभग 32 कमरों का लोकार्पण किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। बैठक में रमेश मर्दा ने बधर माताजी धाम में मंदिर निर्माण हेतु अनुदान संग्रह के संबंध में सुझाव प्रस्तुत किया। साथ ही यह निर्णय लिया गया कि समिति की अगली मासिक बैठक अध्यक्ष राजेश सोमानी के आवास पर आयोजित की जाएगी। बैठक में राजेश सोमानी, गोविंद सोमानी, श्यामसुंदर सोमानी, विष्णु मर्दा, राजगोपाल मर्दा, हनुमानदास सोमानी, राधेश्याम सोमानी, सुरेश सोमानी एवं रमेश मर्दा उपस्थित रहे। अंत में सहमंत्री हनुमानदास सोमानी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की दोमलगुडा शाखा की मासिक मेल-मिलाप सभा में उपस्थित शाखा अध्यक्ष डॉ. दिलीप पंसारी, सचिव प्रतीक अग्रवाल, सह-सचिव विजय कुंच्छल, कोषाध्यक्ष रोशनलाल मित्तल, के.एस. सदस्य अनिल गर्ग, मासिक मेल-मिलाप सभा के संयोजक अजय गुप्ता, सदस्य सुरेश धानुका, जुगल किशोर अग्रवाल, विकास अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, आशीष गर्ग, रितेश झुनझुनवाला एवं विजय जिंदल। सभा में आगामी ङ्गसावन की सैरफकार्यक्रम तथा अग्रवाल हेल्थ क्लिनिक से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

गुरु पुष्य दिव्य अनुष्ठान के बैनर का हुआ अनावरण

हैदराबाद, 14 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। आगामी गुरु पुष्य नक्षत्र के पावन एवं तेजोमय अवसर पर आयोजित होने वाले गुरु पुष्य दिव्य अनुष्ठान के बैनर का अनावरण मुनिश्री दीप कुमार जी के पावन सान्निध्य में श्रद्धापूर्वक संपन्न हुआ।

इस अवसर पर सभा अध्यक्ष सुशीलजी संचेती, महासभा प्रभारी लक्ष्मीपतजी बैद, उपाध्यक्ष हुकुमचंदजी कोटेचा, मंत्री हेमंतजी संचेती, सहमंत्री राकेशजी सुराणा एवं अशोकजी बंबोली सहित अन्य पदाधिकारियों ने अनुष्ठान की सफलता के लिए मंगलकामनाएं व्यक्त कीं।

मुनिश्री दीप कुमार जी ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि गुरु पुष्य नक्षत्र भारतीय आध्यात्मिक परंपरा में अत्यंत शुभ, मंगलकारी एवं फलदायी माना जाता है। इस दिव्य अवसर पर किए गए साधना, जप, तप एवं अनुष्ठान व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के साथ आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

उन्होंने कहा कि ऐसे अनुष्ठान व्यक्ति के अंतर्मन को शुद्ध करते हैं तथा जीवन में नई ऊर्जा, आत्मविश्वास और आध्यात्मिक जागृति का संचार करते हैं।

उल्लेखनीय है कि 18 जून 2026 को प्रातः 7 बजे सिकंदराबाद स्थित बांठिया गार्डन्स में आयोजित होने वाले इस ङ्कङ्कगुरु पुष्य दिव्य अनुष्ठानङ्कङ्क का आयोजन श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद द्वारा किया जा रहा है।

सभा के पदाधिकारियों ने बताया कि अनुष्ठान का मुख्य उद्देश्य आध्यात्मिक चेतना का जागरण, सकारात्मक ऊर्जा का संचार तथा समाज में नैतिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करना है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

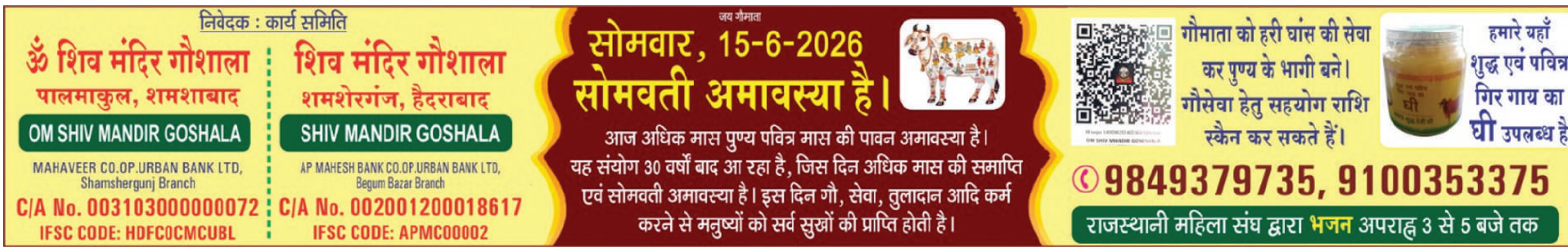

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान के मासिक सत्संग में नंदी की अटूट भक्ति का संदेश

गुरु एवं ईश्वर के प्रति समर्पण से ही मिलती है आध्यात्मिक उन्नति : साध्वी भावना भारती

हैदराबाद, 14 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
परम पूजनीय सर्वश्री आशुतोष महाराज जी की असीम कृपा से दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा शनिवार को प्रातः 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक मोदी भवन, इस्कॉन मंदिर के समीप, पिलर संख्या-143, अत्तापुर में मासिक सत्संग का आयोजन श्रद्धापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर आध्यात्मिक ज्ञान एवं भक्ति का लाभ प्राप्त किया।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता पूज्या साध्वी सुश्री भावना भारती जी ने भगवान शिव एवं उनके परमप्रिय भक्त नंदी के जीवन से जुड़ा प्रेरणादायी प्रसंग सुनाते हुए कहा कि नंदी केवल भगवान शिव के वाहन ही नहीं, बल्कि अटूट श्रद्धा, समर्पण और निष्काम भक्ति के प्रतीक हैं।

साध्वी जी ने बताया कि एक समय भगवान शिव गहन समाधि में लीन थे। उसी दौरान माता पार्वती का अपहरण हो गया। देवताओं एवं शिवगणों ने भगवान शिव को समाधि से जगाने के अनेक प्रयास किए,

लेकिन सफलता नहीं मिली। अंततः सभी नंदी के पास पहुंचे और उनसे भगवान शिव से प्रार्थना करने का निवेदन किया। नंदी ने पूर्ण श्रद्धा एवं समर्पण भाव से अपने आराध्य का स्मरण किया। उनकी निष्कपट प्रार्थना सुनते ही भगवान शिव तत्काल समाधि से बाहर आ गए।

उन्होंने कहा कि यह प्रसंग स्पष्ट करता है कि सच्चे भक्त की पुकार ईश्वर तक अवश्य पहुंचती है तथा निष्कलुष भक्ति में अपार शक्ति निहित होती है।

साध्वी भावना भारती जी ने कहा कि वर्तमान समय में प्रत्येक साधक को नंदी की भांति गुरु एवं ईश्वर के प्रति अटूट विश्वास, धैर्य और समर्पण का भाव विकसित करना चाहिए। नियमित साधना और ब्रह्मज्ञान के अभ्यास से ही जीवन में स्थिरता, शांति तथा आध्यात्मिक उन्नति प्राप्त की जा सकती है।

सत्संग के दौरान भगवान शिव एवं गुरु महिमा पर आधारित मधुर भजनों की प्रस्तुति ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। अंत में सामूहिक मंगल आरती एवं प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

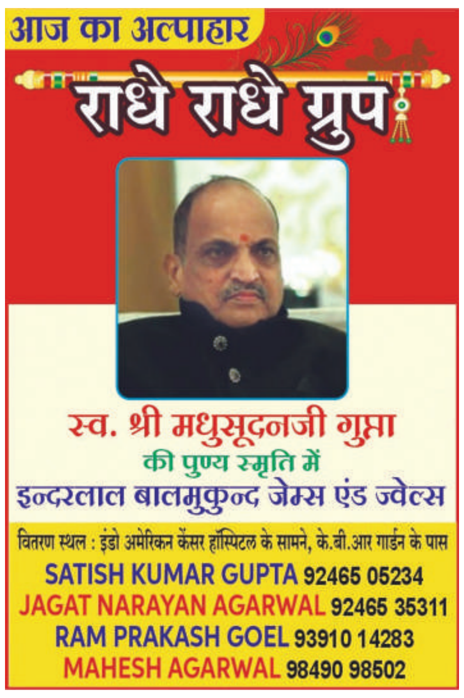

निस्वार्थ सेवा की मिसाल बना राधे-राधे ग्रुप : विमल कुमार संघी

हैदराबाद, 14 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा रविवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया गया। इस अवसर पर समाजसेवी विमल कुमार संघी ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप बिना प्रचार और बिना भेदभाव के वर्षों से निस्वार्थ सेवा कर रहा है, जो अनुकरणीय है। उन्होंने कहा, सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। संस्था की पहचान उसके सेवा कार्यों से होती है और यह समूह मानवता और समर्पण का जीवंत उदाहरण बन चुका है। कार्यक्रम में रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, भगतराम गोयल, संजय-किरण गोयल, रोहित-सुमन अग्रवाल, मायाराम-प्रतीक अग्रवाल, भाकरराम-कमला कुमावत, पाबूराम पीपावत, विमल-नयन संघी, जगन-महेश-सुशील गुप्ता, गोपाल गोयल, सुरेश-उषा सिंघल सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने सेवा अभियान निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया।

निराश्रितों की सेवा और गौसेवा से बढ़कर कोई पुण्य नहीं : गोविंद पोद्दार

हैदराबाद, 14 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में रविवार को बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान एवं सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान निराश्रितों को भोजन वितरित किया गया और गौमाता की सेवा की गई। इस अवसर पर गोविंद पोद्दार ने कहा कि भूखे को भोजन कराना और गौसेवा करना सबसे बड़ा पुण्य है। यह कार्य समाज के प्रति हमारा नैतिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप जिस निष्ठा से वर्षों से सेवा कर रहा है, वह प्रेरणादायक है। अन्नदान और गौसेवा से समाज में करुणा और सहयोग की भावना मजबूत होती है। कार्यक्रम में अनिल धारशुवाले, विनोद तोष्णीवाल, शीतल पोद्दार, ऋषभ पोद्दार, रुशाली पोद्दार, रितेश पोद्दार, पन्नालाल अग्रवाल, लता-महेश गोयल, नीलम-अरुण विजयवर्गीय, प्रवीण विजयवर्गीय सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया।

PUBLIC CAUTION NOTICE

Members and All Shakhas of Agarwal Samaj, Telangana are hereby informed that the District Registrar, Hyderabad, vide Proceedings No. 5143/ Society/2026 dated 09-06-2026 after examination observed discrepancies and procedural irregularities in the amendments dated 23-05-2026 and found discrepancies in documentation on the basis of EGM dated 11-04-2026 at Royalton Hotel, Abids.

Therefore, the amendments, accounts and other financial transactions kept in abeyance until further orders are issued by the competent Court of law until the pending Court cases are disposed.

Accordingly, all concerned are cautioned not to rely upon or act upon any disputed amendments, further amendments.

Issued by:
M/s. B. MOHAN
Advocates & Associates
On behalf of his clients
Rupesh Kumar Agarwal – Vice President
(Acting President)
Vikas Kumar Keshan – Hon. Secretary
Achal Gupta – Treasurer
Agarwal Samaj Telangana.

अग्रवाल मानव सेवा संस्था ने वितरित की 40 राशन किट

हैदराबाद, 14 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल मानव सेवा संस्था द्वारा प्रत्येक माह की भांति जून माह में भी 40 जरूरतमंद परिवारों को राशन किट वितरित की गई। संस्था पिछले 12 महीनों से नियमित रूप से आर्थिक रूप से कमजोर अग्रबंधु परिवारों तक राशन एवं आवश्यक उपयोगी सामग्री पहुंचाने का कार्य कर रही है। संस्था के संस्थापक मुकुंद लाल अग्रवाल ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि पुरुषोत्तम मास के प्रथम दिन इस सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके साथ ही माह के अंतिम रविवार को हाईकोर्ट रोड स्थित मुरलीधर मंदिर में भी राशन किटों का वितरण किया गया। उन्होंने बताया कि इस बार राशन किट के अतिरिक्त परिवारों की दैनिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए महिलाओं के लिए नाइटी, पार्ले बिस्कुट, वर्षा ऋतु को देखते हुए छतरियां तथा शॉल भी वितरित किए गए। यह सामग्री बजरंग लाल शर्मा द्वारा उपलब्ध कराई गई।

राशन किट वितरण कार्यक्रम के प्रायोजकों में मंगतराय-रामकुमार परिवार, राधेश्याम गुप्ता, केदारनाथ अग्रवाल (ड्यूक्स परिवार) तथा पुरुषोत्तमदास-सुरेशकुमार पापड़िया (टंडन) परिवार शामिल रहे। मुकुंद लाल अग्रवाल ने बताया कि संस्था केवल राशन किट ही नहीं, बल्कि मौसम और आवश्यकता के अनुसार अन्य उपयोगी वस्तुएं भी वितरित करती रही है। नवंबर माह में राशन किट के साथ कंबल, दिसंबर में स्वेटर, जनवरी में मकर संक्रांति के अवसर पर साड़ियां तथा फरवरी में चटाइयों का वितरण किया गया था। इसके अतिरिक्त अन्य महीनों में प्लास्टिक की चौकी, पानी की बोतलें एवं रसोई में उपयोग होने वाली कड़ाई भी वितरित की गई।

उपस्थित अग्रबंधुओं ने संस्था की इस सेवा गतिविधि की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक पहल बताया।

कार्यक्रम में प्रायोजक सुरेश कुमार टंडन, बजरंग लाल शर्मा, आर.ए. अग्रवाल, विनय जैन, संस्था के संस्थापक मुकुंद लाल अग्रवाल, श्रीमती संतोष अग्रवाल, बीना टंडन सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। वहीं कैलाश अग्रवाल, गायत्री अग्रवाल एवं उनके परिवार द्वारा सेवा कार्यों में सक्रिय सहयोग प्रदान किया गया। संस्था के संस्थापक ने बताया कि ऐसे अग्रबंधु परिवार जिनकी मासिक आय 20 हजार रुपये से कम है तथा जो 10 हजार रुपये से कम किराए के मकान में निवास करते हैं, वे अपने आधार कार्ड एवं फोटो व्हाट्सएप नंबर 9396222880 पर भेजकर सहायता के लिए आवेदन कर सकते हैं। पात्र एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को संस्था द्वारा राशन किट उपलब्ध कराई जाएगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.